Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-115

देश पूछता है कि क्या मुस्लिम लीग धर्मनिरपेक्ष पार्टी है?

फिर लीग के साथ 'मोहब्बत की दुकान' क्यों चलाती है 'धर्मनिरपेक्ष' कांग्रेस?

केरल में कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। विपक्षी गठबंधन अब गठबंधन न रह कर हठबंधन हो गया है। सब के अपने-अपने हठ हैं। केरल की सत्ताधारी पार्टी माकपा ने ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है। राहुल गांधी के खिलाफ केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी शामिल हैं। सतह पर राहुल के विजयन के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी का मामला है, लेकिन तह में यह मनमुटाव तबसे है जब कांग्रेस ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग से हाथ मिला लिया और उसके साथ ही गलबहियां लेकर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने सत्ताधारी लेफ्ट को बिल्कुल किनारे लगा कर यह सोचा कि मुस्लिम लीग के बूते वह अधिक सीटें जीत लेगी। कांग्रेस का मुस्लिम लीग के साथ जाना कांग्रेस की परम्परा और उसका संस्कार है जो जवाहर लाल नेहरू से मिला है। नेहरू ने ही 1947 में कांग्रेस-मुस्लिम लीग के रिश्ते की गांठ बांधी थी। खुद को दुर्घटनावश हिंदू (एक्सीडेंटल हिंदू) बताने वाले चाचा ने पाकिस्तान बनने के बाद भी मुस्लिम लीग के

'सिर तन से जुदा' की गंदी बोली का विरोध कभी कांग्रेसियों ने किया?

नेहरू और गांधी की भूलों पर कांग्रेस ने देश से क्यों नहीं मांगी माफी?

27 सदस्यों को भारत की संविधान सभा में काम करने दिया था। इनमें से कई 1950 में संविधान पर हस्ताक्षर करने के बाद ही पाकिस्तान गए। यह भारतीयों के साथ सीधा सीधा धोखा था।

मुस्लिम लीग के उक्त सदस्यों में से एक को उन सात सदस्यों में शामिल किया गया था, जिनकी कमेटी संविधान का मसौदा बना रही थी। जो मुस्लिम लीगी पाकिस्तान नहीं गए, उन्हें कांग्रेस में बड़े पद दिए गए। सरदार लुतफुर रहमान को एमएलए और सैयद जाफर इमाम और सैयद मजहर इमाम को राज्यसभा का सदस्य बनाया गया। बेगम एजाज रसूल 1935 से ही मुस्लिम लीग की सदस्य थी और मुस्लिम लीग के

शुभ-लाभ सरोकार

टिकट पर ही संविधान सभा में चुनी गई थीं। 1950 में वे कांग्रेसी हो गईं। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। यह उस षड्यंत्र का हिस्सा था, जिसके तहत लड़ कर पाकिस्तान लेने और हंस कर हिंदुस्तान लेना का प्लान रचा गया था।

विडंबना यह है कि जब कश्मीरी पंडितों ने अल्पसंख्यक संरक्षण अधिकारों को सुरक्षित करने में मदद के लिए नेहरू से सम्पर्क किया था, तब नेहरू ने कश्मीरी पंडितों को यह सलाह थी कि वे सांप्रदायिक मानसिकता वाले न बनें और नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हो जाएं। 1947 में जो मुस्लिम पाकिस्तान चले गए थे, उनके घर खाली पड़े हुए थे। लेकिन पाकिस्तान से आए हिंदू और सिख शरणार्थियों को वे खाली घर देने की बात आई तो नेहरू ने कहा, हम मुसलमानों के वापस आने का इंतजार करेंगे। इसी दौरान लगभग कई हजार मुस्लिम भोपाल नवाब के क्षेत्र में पहुंच गए थे, यह कहते हुए कि वे जहां जा रहे हैं वह भी पाकिस्तान ही है। लगभग यही स्थिति हैदराबाद में भी थी।

इसी तरह नेहरू ने हिंदुओं को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने बिहार के मुजफ्फरपुर में हिंसा नहीं रोकी तो उन पर वायुसेना बम गिराएगी। लेकिन जहां मुसलमान हिंसा कर रहे थे, उन्हें नेहरू ने कभी धमकी नहीं दी। 1947 के बाद नूंह में मेवातीस्तान की मांग उठाने वाले एक छुटभैये नेता को जब पंजाब के मुख्यमंत्री गोपीचंद भार्गव ने दिल्ली पुलिस से गिरफ्तार करवाया तो नेहरू ने सवाल उठाते हुए उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने गोपीचंद भार्गव को उस अलगाववादी के मदरसे और उसका बैंक खाता पुन: खोलने के लिए बाध्य किया था। ▶9पर

सरगुजा की विशाल जनसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आतंकियों के मरने पर आंसू बहाने वाली कांग्रेस ने जनता का भरोसा खोया

सरगुजा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और नक्सली हिंसा दोनों को काबू में कर लिया है। प्रधानमंत्री कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इरादे नेक नहीं हैं। ये आतंकवादियों के मारे जाने पर आंसू बहाते हैं। ये देश की जनता का भरोसा खो चुके हैं।

पीएम मोदी ने कहा, भाजपा ने जब मुझे प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था, तब अंबिकापुर में ही आपने लाल किला बनाया था। कांग्रेस की टोली ने उस समय मुझ पर हमला बोल दिया था, बात का बवंडर बना दिया था। लेकिन मोदी लाल किले पर पहुंचा और राष्ट्र के नाम संदेश दिया। आज अंबिकापुर क्षेत्र फिर वही आशीर्वाद दे रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने कहा, कुछ महीने पहले

मैंने आपसे छत्तीसगढ़ से कांग्रेस का भ्रष्टाचारी पंजा हटाने के लिए आशीर्वाद मांगा था, आपने मेरी बात का मान रखा और भ्रष्टाचारी पंजे को प्रदेश से साफ कर दिया। आज आप सब के आशीर्वाद से सरगुजा की संतान, आदिवासी समाज की संतान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के सपने को साकार कर रहा है।पीएम मोदी ने कहा, जब मैं विकसित भारत कहता हूं, तो कांग्रेस वालों का और दुनिया में बैठी कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया, तो कुछ ताकतों का खेल बिगड़ जाएगा। अगर भारत आत्मनिर्भर बन गया, तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वो भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। कांग्रेस ने जनता का भरोसा खो दिया है। कांग्रेस, हिंसा फैलाने वालों का समर्थन कर रही है, उन्हें शहीद बता रही है। इसी कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता, आतंकवादियों के मारे जाने पर आंसू बहाती हैं। ऐसी ही करतूतों के कारण कांग्रेस देश का भरोसा खो चुकी है।पीएम ने कहा कि वर्षों पहले, कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रयास किया था। फिर कांग्रेस ने इसे पूरे देश में लागू करने की योजना बनाई।

कुछ ताकतें भारत में कांग्रेस-इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहती हैं

धर्म आधारित आरक्षण संविधान और बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान है

▶9पर

सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडेय ने कहा

स्वदेशी रक्षा उत्पाद में देश हासिल कर रहा नए मुकाम

देश में बन रहे हल्के वाहनों से लेकर बुलेट प्रूफ जैकेट तक लगातार अपने रक्षा बेड़े को मजबूत करता जा रहा है भारत

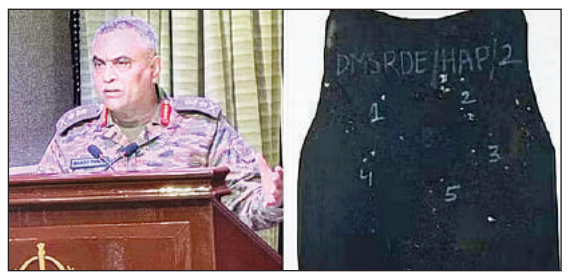

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत लगातार अपने रक्षा बेड़े को मजबूत कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने की कोशिशों में लगातार सफलताएं मिल रही हैं। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सफलता की एक और नई इबारत लिखी है। उसने देश की अबतक की सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट बनाई है। दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडेय ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आधुनिकता और आत्मनिर्भरता का विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना हल्के वाहनों और बुलेट प्रूफ जैकेटों सहित तमाम उपकरण स्वदेशी उपक्रमों से खरीद रही है। इतना ही नहीं, स्वदेश निर्मित नाइट विजन उपकरणों के माध्यम से भारतीय सैनिकों की रात में लड़ने की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है और संचार प्रणालियों में भी सुधार किया जा रहा है। ▶9पर

नई बैलिस्टिक मिसाइल का कामयाब परीक्षण

अब्दुल कलाम द्वीप, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

रक्षा के क्षेत्र में भारत लगातार नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। नए-नए प्रक्षेपास्त्रों का लगातार परीक्षण हो रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को एक नई बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण स्ट्रैटिजिक फोर्स कमांड के तत्वाधान अब्दुल कलाम द्वीप पर किया गया। परीक्षण कामयाब रहा और मिसाइल ने सटीक टार्गेट को नष्ट कर दिया। इस मिसाइल की मारक क्षमता 250 किलोमीटर तक है, जिसके दायरे में आने वाले सभी टार्गेट को मिसाइल ध्वस्त कर सकती है। मिसाइल को सुखोई 30 एमकेआई से लॉन्च किया गया। ▶9पर

चुनावी बॉन्ड प्रकरण : सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

नेता और कॉरपोरेट साठगांठ की एसआईटी जांच हो

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में चुनावी बॉन्ड की जांच से जुड़ी के लिए एक याचिका दायर की गई है। याचिका में इलेक्टोरल बॉन्ड्स (चुनावी बॉन्ड्स) के माध्यम से कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच परस्पर साठगांठ के कथित उदाहरणों की जांच एक विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग की गई है। याचिका में अधिकारियों को शेल कंपनियों और घाटे में चल रही कंपनियों की ओर से विभिन्न राजनीतिक दलों को मिलने वाले वित्त पोषण के स्रोत की जांच करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि चुनावी बॉन्ड डेटा के जरिए जिन तथ्यों का खुलासा किया गया है, उनकी विस्तृत जांच कराई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में कहा गया है ▶9पर

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तराखंड में लागू होगा यूसीसी

देहरादून, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तराखंड में समान नागरिक कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू कर दिया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड में स्थानीय निकाय चुनाव से पहले और लोकसभा चुनाव आचार संहिता खत्म होते ही राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू कर दिया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और शासन-प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं।

लोकसभा चुनाव होने के बाद राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की नियमावली के लिए बनाई गई कमेटी का कामकाज तेज हो गया है। ये कमेटी पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में बनाई गई है। कमेटी की पहली प्राथमिकता कॉमन सिविल कोड के वेब पोर्टल को तैयार करना है जो मई माह के पहले हफ्ते तक प्रयोग के तौर पर तैयार हो जाएगा।

▶9पर

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कसा शिकंजा

...तो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भाग रहे नक्सली

खुफिया एजेंसी ने जारी किए छह फरार नक्सलियों के नाम

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का दौर शुरू हुआ तो नक्सलियों के बीच भगदड़ मच गई। नक्सलियों के शीर्ष से लेकर मध्यम दर्जे के कमांडर अपने सिर छुपाने की जगह तलाशने के क्रम में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जंगलों की तरफ भाग रहे हैं। कई नक्सलियों के सरेंडर करने की भी खबरें आ रही हैं।

उल्लेखनीय है कि नक्सली संगठन भारत की कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सरकार से सशर्त वार्ता के लिए तैयार थी। लेकिन सरकार ने साफ-साफ कह दिया था कि चुनाव के दरम्यान कोई गड़बड़ी हुई और आम जन, नेता या व्यापारी नक्सलियों का निशाना बना तो नक्सलियों के खिलाफ सीधी एक्शन होगा। खुफिया तंत्र लगातार यह सूचना देता रहा कि नक्सली संगठन लोकसभा चुनाव के दरम्यान गड़बड़ी फैलाने की तैयारियां कर रहे हैं और सुरंगें और आईईडी बिछाने का काम हो रहा है। सुरक्षा बलों ने कई जगह आईईडी विस्फोटक बरामद भी किए। यह भितरघाती गतिविधि

नक्सलियों के लिए काल बनकर आई। देखते ही देखते बस्तर के जंगल से उनका सफाया शुरू हो गया। नक्सलियों के पास अब जंगल से भागने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में नक्सली गतिविधियों पर सरकार सख्त है। इन राज्य सरकारों का कहना है कि अब नक्सलवाद समाप्त करने का समय आ गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से हरी झंडी मिल चुकी है। यही कारण है कि पिछले दिनों मुठभेड़ में दर्जनों नक्सलियों के मारे जाने के बाद नक्सली संगठन बैकफुट पर आ गए हैं और इनामी नक्सली कमांडर तक राज्य से पलायन करने या सरकार के समक्ष सरेंडर के लिए मजबूर हो गए हैं। खुफिया एजेंसियां उन छह बड़े इनामी नक्सलियों का सुराग तलाशने में लगी हैं, जो छत्तीसगढ़ से भाग कर आंध्र प्रदेश की सीमा में घुस गए हैं। उनके शहरी संरक्षक उनके सरेंडर की कोशिश में लगे हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान से ठीक दो दिन पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने बस्तर संभाग के कांकेर जिले के हिदूर और कलपर के जंगलों में 29 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया। मरने वाले नक्सलियों में शीर्ष नक्सली कमांडर शंकर राव, ललिता, माधवी और राजू जैसे लाखों ▶9पर

संक्षिप्त पर महत्वपूर्ण

रूसी उप रक्षा मंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत में लिया गया

मॉस्को । रूसी जांच समिति ने बताया कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। रूसी जांच समिति ने टेलीग्राम पर कहा, ₹रूसी संघ के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 290 के भाग 6 (रिश्वत लेने) के तहत अपराध करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है।₹ मामले में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, मामले में जरूरी जांच कार्रवाई की जा रही है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत के बारे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सूचित कर दिया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने वीज़ा नियमों का किया उल्लंघन' अधिकारियों ने भारत छोड़ने के लिए किया मजबूर

मॉस्को । एक अधिकारी ने ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार अवनि डायस के खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर पर रिपोर्टिंग के कारण भारत छोड़ने के लिए मजबूर होने के दावे का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने 'वीजा नियमों का उल्लंघन' किया है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से नई एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, डायस को अपने पेशेवर कार्यों के दौरान वीजा नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया था। इससे पहले मंगलवार को, 19 अप्रैल को भारत छोड़ने वाली ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) की दक्षिण एशिया संवाददाता ने दावा किया था कि मोदी सरकार ने उनके वीजा के विस्तार से इनकार कर दिया था।

पहली बार अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी जाएंगे प्रधानमंत्री ऋषि सुनक

बर्लिन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पदभार संभालने के 18 महीने बाद बुधवार को पहली बार बर्लिन जाएंगे। अपने जर्मन समकक्ष ओलाफ स्कोल्ज के साथ उनकी बैठक यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता और गाजा में युद्ध पर केंद्रित होगी। इसके साथ ही रवांडा के साथ विवादास्पदब्रिटिश शरण संधि पर भी चर्चा होने की संभावना है जिसे ब्रिटिश संसद ने मंगलवार को मंजूरी दी थी। ब्रिटेन चार साल से अधिक समय से यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है, लेकिन फिर भी यह नाटो जी7 और जी20 में जर्मनी के सबसे महत्वपूर्ण सहयोगियों में से एक है। यह देश यूक्रेन का सबसे महत्वपूर्ण यूरोपीय हथियार आपूर्तिकर्ता है और इसने हाल ही में बड़ी मात्रा में नई सैन्य सहायता देने का वादा किया है।

ईरानी राष्ट्रपति का तीन दिवसीय दौरा हुआ समाप्त, व्यापार-ऊर्जा समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा

इस्लामाबाद । ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी का तीन दिवसीय पाकिस्तान दौरा बुधवार को खत्म हो गया। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव के बाद यह किसी भी विदेशी नेता का पहला दौरा था। अपने तीन दिवसीय दौरे पर ईरानी राष्ट्रपति रईसी ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना के प्रमुख आसिम मुनीर, सीनेट अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी, नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक और सिंध एवं पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल से मुलाकात की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया, दोनों पक्षों के बीच सार्थक चर्चाएं हुई।

मंजूरी ▸▸ ताइवान के लिए 95 अरब डॉलर की सैन्य सहायता पर अपना समर्थन दिया

अमेरिकी संसद में यूक्रेन-इस्राइल के लिए 95 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी

- **अमेरिकी संसद के उच्च सदन-सीनेट में यूक्रेन-इस्राइल की सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई।**

एजेंसी,वॉशिंगटन

कई महीनों के इंतजार के बाद अमेरिकी संसद के उच्च सदन-सीनेट में यूक्रेन-इस्राइल की सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। अमेरिका के उच्च सदन में मंगलवार को 79 विधायकों ने इस विधेयक के पक्ष में वोट दिया था, जबकि 18 इसके खिलाफ थे। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते यह विधेयक अमेरिकी संसद के निचले सदन-हाउज ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पास हुआ था। तब रिपब्लिकन नेताओं ने अचानक से अपना रुख बदल लिया और यूक्रेन, इस्राइल एवं ताइवान के लिए 95 अरब डॉलर की ज्यादातर सैन्य सहायता पर अपना समर्थन दिया। बता दें कि सीनेट ने चार विधेयकों को एक पैकेज में बदल दिया था।

यूक्रेन को मिला सबसे बड़ा पैकेज

इन पैकेजों में सबसे बड़ा हिस्सा 61 अरब डॉलर की सहायता यूक्रेन को प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 26 अरब डॉलर इस्राइल और दुनिया भर के संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता एवं तीसरा हिस्सा 8।12 अरब कम्युनिस्ट चीन का मुकाबला करने के लिए रखा गया है। चौथे विधेयक को सदन में पिछले हफ्ते जोड़ा गया था। इसमें चीनी नियंत्रित सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध, जब्त की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन में स्थानांनतरित करने के उपाय और ईरान पर नए प्रतिबंध शामिल हैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वादा किया था कि जैसे ही सदन में इसे पास किया जाएगा, वह इसपर हस्ताक्षर कर इसे कानून में बदल देंगे। दो अधिकारियों ने बताया कि बाइडन प्रशासन पहले से ही यूक्रेन के लिए एक अरब की सैन्य सहायता पैकेज तैयार कर रही है।

यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा अमेरिका

अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन नेताओं ने बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य विदेशी विरोधियों को यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। बताया गया कि नवंबर में चुनाव होने तक यूक्रेन को सहायता पैकेज की मंजूरी दी जा सकती है। बता दें कि यह राहत पैकेज अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने पेश किया था। इसके तहत यूक्रेन और इस्राइल के अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी सहायता राशि भेजने का प्रस्ताव है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होंगे

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका-रूस का टकराव तय, अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की दौड़ बनेगा मुद्दा

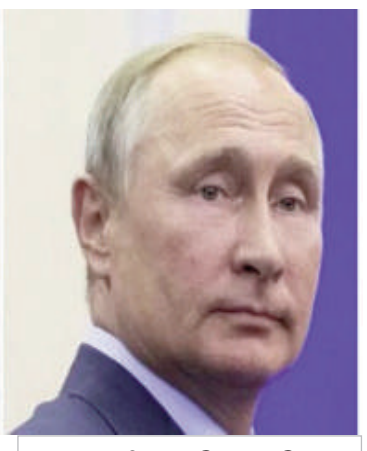

- **संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने रूस पर एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह एक एंटी सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित कर रहा है।**

एजेंसी,वॉशिंगटन

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने रूस पर एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह एक एंटी सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित कर रहा है। जिसे रूस के रक्षामंत्री ने नकार दिया। रूस और संयुक्त राष्ट्र अमेरिका अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होंगे। इसमें मतदान होगा, जो कि बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ को रोकने के लिए देशों को सहमति का अमेरिका ने प्रस्ताव तैयार किया। कुछ समय पर अमेरिका ने रूस पर आरोप लगाया था कि वह एंटी सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित कर रहा है। हालांकि रूस के रक्षा मंत्री ने अमेरिका के इस आरोप को सिरे से नकार दिया। वहीं कुछ राजनीतिज्ञों की मानें तो रूस इस प्रस्ताव को रोक सकता है। वहीं अमेरिका ने भी यह कदम मॉस्को पर अंतरिक्ष में एंटी-सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित करने के आरोप लगाने के बाद उठाया। दरअसल शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड और जापान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत यामाजाकी काजुयुकी ने शुक्रवार को बयान दिया था कि वे छह सप्ताह से प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद के सदस्यों से बातचीत कर रहे हैं। यह प्रस्ताव बाहरी अंतरिक्ष संधि का पालन करने के राज्यों के कर्त्तव्यों का पालन कराने के लिए तैयार कराया गया है। जिससे बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ को रोकने के उद्देश्य में सक्रिय रूप से योगदान के लिए है।

1967 की अंतरिक्ष संधि

रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका समेत कई देशों ने 1967 में बाहरी अंतरिक्ष संधि पर हस्ताक्षर किया था। इस संधि में पृथ्वी के चारों ओर कक्षा में परमाणु हथियार या किसी अन्य प्रकार के सामूहिक विनाश के हथियार ले जाने वाली वस्तुओं को रखने से रोकती है।

हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए

हिजबुल्ला का इजरायल पर आक्रामक हमला, एक साथ दागे 35 रॉकेट, हवाई हमले के बजने लगे सायरन

- **ईरान समर्थित लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए उत्तरी इजरायल में 35 राकेट दागे हैं।**
- **इजरायल ने भी दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए।**
- **इजरायली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान में राकेट लांचरों से**

एजेंसी,यरुशलम

ईरान समर्थित लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए उत्तरी इजरायल में 35 राकेट दागे हैं। राकेटों हमले से उत्तरी इजरायल के सफेद शहर और आसपास के क्षेत्रों में हवाई हमले के सायरन बज गए। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए। गाजा पट्टी में युद्ध की शुरुआत के एक दिन बाद आठ अक्टूबर, 2023 से इजरायल और हिजबुल्ला के बीच चल रही सीमा पार लड़ाई में यह हिंसा नवीनतम थी।

283 लोगों की सामूहिक कब्रें मिलने के दावे

इससे पहले सोमवार को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अरजौन और ओडाइसेह गांवों में दो बुनियादी संरचनाओं पर हमला किया था, जहां हिजबुल्ला लड़ाके मौजूद थे। उधर, खान यूनिस के खाली पड़े सबसे बड़े अस्पताल परिसर में 283 लोगों की सामूहिक कब्रें मिलने के दावे को इजरायली सेना ने खारिज कर दिया है।

पिता-पुत्र पर लगा चीन के लिए जासूसी करने का आरोप, ताइवान की अदालत ने सुनाई 8 साल की सजा

ताइपे (ताइवान)। ताइनान की एक अदालत ने चीन में व्यापारिक उद्यमों में शामिल एक पिता और उसके बेटे को सजा सुनाई है। बता दें कि दोनों को चीनी खुफिया विभाग की ओर से जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए आठ साल की जेल हुई है। इसकी जानकारी सेंट्रल न्यूज एजेंसी ताइवान (सीएनए) की रिपोर्ट में दी गई है। अपने फैसले में, ताइवान उच्च न्यायालय की ताइनान शाखा ने दो लोगों को, जिनका उपनाम हुआंग से पहचाना गया, एक जासूसी नेटवर्क को संचालित करने का दोषी घोषित किया, जिसने चीन के लिए खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए सक्रिय-ड्यूटी सैन्य कर्मियों की भर्ती की थी। सेंट्रल न्यूज एजेंसी ताइवान के अनुसार, ताइनान शाखा अदालत के अनुसार, मुकदमे के दौरान, दोनों व्यक्तियों ने अपने गलत काम कबूल कर लिए। अभियोजन पक्ष के मामले के अनुसार, पिता और पुत्र, जिन्होंने पहले 2015 में जियामेन में एक व्यवसाय संचालित किया था, को एक चीनी खुफिया अधिकारी से मिलवाया गया था, जिन्होंने ताइवान में एक जासूसी नेटवर्क स्थापित करने में उनकी सहायता का आग्रह किया था।

इराकी राष्ट्रपति अब्दुल लतीफ राशिद (दाएं) ने इराक के बगदाद में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन से मुलाकात की।

उड़ान भरने के बाद बर्फ से जमी नदी में गिरा ईंधन ले जा रहा विमान, लगी आग, सवार दो लोगों की मौत

अलास्का । डगलस सी-54 विमान जो कि ईंधन लेकर जा रहा था, वह अलास्का के फेयरबैंक्स में उड़ान भरने के बाद एक जमी हुई नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एबीसी न्यूज ने राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के हवाले से बताया कि विमान में दो लोग सवार थे। 91 ईंधन परिवहन विमान जो कि अलास्का एयर फ्यूल संचालित करता है, वह सुबह लगभग 10 बजे तनाना नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने फेयरबैंक्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। अलास्का सार्वजनिक सुरक्षा विमान के अनुसार विमान नदी के किनारे एक खाड़ी में विमान फिसल गया, उसमें यहां आग लग गई। विमान में सवार कोई भी जीवित नहीं बचा। हालांकि एनटीएसबी ने कुछ एजेंट घटनास्थल पर भेजे हैं, जो कि मामले की जांच कर रहे हैं। इस जांच में एयरपोर्ट के अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी। इसके साथ ही एफएए भी घटना की छानबीन करेगा।

गाजा युद्धविराम वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करेगा कतर

दोहा । कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि कतर, इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। माजिद अल-अंसारी ने मंगलवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, विभिन्न मीडिया आउटलेट्स और अधिकारियों का मकसद मध्यस्थ के रूप में कतर की भूमिका पर हमला करना था। वे ऐसे हमलों को सही ठहराने के लिए गलत जानकारी का इस्तेमाल कर रहे हैं। कतर को कुछ इजरायली और अमेरिकी राजनेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने खाड़ी देश पर आतंकवादी संगठन के बहुत करीब होने का आरोप लगाया है। संघर्ष की शुरुआत के बाद से दोहा ने बार-बार आरोपों को खारिज किया है। गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को सुविधाजनक बनाने के मकसद से इजरायल और हमास के बीच बातचीत में गतिरोध आ गया है। प्रवक्ता ने कहा, हम यह देखेंगे कि क्या दोनों पक्षों की स्थिति में कोई बदलाव आया है जिससे बातचीत आगे बढ़े।

परेशानी ▸▸ प्रेमी को एक ही दिन में 100 से अधिक बार कॉल किया और उसने कोई जवाब नहीं दिया

प्रेमिका अपने प्रेमी को दिन में करती थी 100 से ज्यादा कॉल, डॉक्टरों ने बताया 'लव ब्रेन डिसऑर्डर'

महिला को किया गया चीन के अस्पताल में भर्ती

एजेंसी,बीजिंग

प्यार को लेकर आपने कई कहानियां सुनी होंगी लेकिन चीन की ये कहानी उन कई कहानियों से बेहद अलग है। बता दें कि चीन में एक 18 वर्षीय महिला जियाओयू को अपने बॉयफ्रेंड के प्रति प्यार और जुनून इस कदर हावी हो गया है कि महिला अपने प्रेमी के बारे में सब कुछ जानना चाहती है। जैसे वह कहां है, क्या कर रहा है। इतना ही नहीं महिला अपने प्रेमी को दिन भर में एक या दो नहीं बल्कि 100 कॉल्स और मैसेज भेजती थी। अपनी प्रेमिका से परेशान होकर लड़के को पुलिस की भी मदद लेनी पड़ी। इस खबर में पढ़िए कि आखिर क्या होता है लव ब्रेन और कैसे होती है ये बीमारी? स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, जियाओयू का बिहेवियर उसके कॉलेज के पहले साल के दौरान ही शुरू हो गया था। वह कथित तौर पर अपने प्रेमी पर अत्यधिक निर्भर हो गई थी और उसका प्रेमी कहां है, क्या कर रहा है और किसके साथ है। इन सबके बारे में लगातार अपडेट चाहती थी। ये सब जानने के लिए जियाओयू अपने प्रेमी को दिन भर में 100 से ज्यादा बार फोन करती थी और मैसेज भी करती थी। स्थिति तब बिगड़ गई जब जियाओयू ने अपने प्रेमी को एक ही दिन में 100 से अधिक बार कॉल किया और उसने कोई जवाब नहीं दिया। बॉयफ्रेंड के जवाब नहीं देने के बाद जियाओयू बहुत गुस्सा और परेशान हो गई। इस दौरान जियाओयू ने गुस्से में अपने घर का सामान भी तोड़ दिया। इस घटना के बाद जियाओयू और अपनी सुरक्षा को लेकर प्रेमी ने पुलिस को बुला लिया।

डॉक्टर ने खोले कई अहम राज

जिस अस्पताल में जियाओयू का इलाज किया गया था, वहां के डॉक्टर डॉ। डू ना ने बताया कि बॉर्डरलाइन व्यक्तित्व विकार कभी-कभी चिंता, अवसाद और द्विध्रुवी विकार जैसी अन्य स्थितियों के साथ भी हो सकता है। डॉ। डू ने यह भी सुझाव दिया कि ऐसी स्थितियाँ बचपन के अस्वस्थ लगाव से जुड़ी हो सकती हैं। डू ने कहा, लड़की ने अपने प्रेमी से ऐसी उम्मीद की थी कि वह उसके मैसेज और कॉल्स का तुरंत जवाब देगा। डू ने जियाओयू की बीमारी के कारण का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि यह अक्सर उन लोगों में होता है जिनके बचपन के दौरान अपने माता-पिता के साथ स्वस्थ संबंध नहीं थे।

क्या है ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर?

अमरीकी हेल्थ वेबसाइट 'हेल्थलाइन' के मुताबिक़, ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर एक तरह की 'साइकोलॉजिकल कंडीशन' है जिसमें लोग किसी एक शख़्स पर असामान्य रूप से मुग्ध हो जाते हैं और उन्हें लगता है कि वो उससे प्यार करते हैं। उन्हें ऐसा लगने लगता है कि उस शख़्स पर सिर्फ उनका हक है और उसे भी बदले में उनसे प्यार करना चाहिए। अगर दूसरा शख़्स उनसे प्यार नहीं करता है तो वो इसेस्वीकार नहीं कर पाते हैं। वो दूसरे शख़्स और उसकी भावनाओं पर पूरी तरह काबू पाना चाहते हैं।

बॉयफ्रेंड के जवाब नहीं देने के बाद जियाओयू बहुत गुस्सा और परेशान हो गई।

बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर से पीड़ित है लड़की

स्थिति तब और भयावह हो गई जब जियाओयू अपनेल घर की बालकनी से कूदने की धमकी देने लगी। इसी दौरान पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और लड़की को काबू में किया। द साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर का पता चला।

क्यों कहा जाता है 'लव ब्रेन'?

'लव ब्रेन' किसी तरह का कोई चिकित्सीय शब्द नहीं है, लेकिन रोमांटिक रिश्तों में प्रेमी-प्रेमिकाओं के बीच इस प्रकार के जुनूनी व्यवहार को 'लव ब्रेन' से समझ सकते हैं। जब हम हद से ज्यादा किसी को प्यार करने लग जाते हैं और उस पर निर्भर हो जाते हैं।।। और जब किसी का प्यार किसी दूसरे व्यक्ति पर इस कदर हावी हो जाए कि वो उसे हर समय अपने साथ देखना चाहते हो उनके साथ रहना चाहते हो तो इसे लव ब्रेन कह सकते हैं।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार थमा

12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर कल होगा मतदान

वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की होगी अग्निपरीक्षा

तीन केंद्रीय मंत्री और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अभियान बुधवार शाम थम गया। इस चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर भी चुनाव होना था, लेकिन बहुजन समाज पार्टी (बसपा) उम्मीदवार के निधन के बाद अब इस सीट पर चुनाव सात मई को तीसरे चरण में होगा।

इन सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। इस चरण में केरल की 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ- आठ , मध्य प्रदेश की छह, असम और बिहार की पांच-पांच, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन-तीन और जम्मू-कश्मीर, मणिपुर तथा त्रिपुरा की एक-एक सीट पर मतदान होगा। मत सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक डाले जायेंगे और मतगणना चार जून को होगी।निर्वाचन आयोग के अनुसार इस चरण के लिये 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक और 109 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किये गये हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की जीत की संभावनाओं को मजबूत करने के लिये कई रैली और रोड शो किये। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी सक्रिय रूप से प्रचार किया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने जमकर चुनाव प्रचार किया।

कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी , प्रियंका गांधी , कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उप-मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी तथा पार्टी के दिग्गज नेताओं ने भी जोर-शोर से चुनाव प्रचार किया। दूसरे चरण की हाई प्रोफाइल सीटों में जहां वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अग्निपरीक्षा होगी, वहीं तीन केंद्रीय मंत्री और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। राजस्थान के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों के भाग्य का फैसला भी जनता 26 अप्रैल को ही तय करेगी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को टिकट दिया है। कर्नाटक की मान्ड्या लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी की साख दांव पर है। कुमारस्वामी की पार्टी जनता दल (सेक्युलर) का भाजपा के साथ गठबंधन हैं। केरल की तिरुअनंतपुरम सीट भी चर्चा में है, जहां से केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर से है। राजस्थान की जोधपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कोटा से तीसरी बार चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। मथुरा सीट से हेमा मालिनी और मेरठ सीट से धारावाहिक रामायण का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

33 दिनों में साढ़े चार लाख पर्यटक आए, रिकॉर्ड टूटा

ट्यूलिप गार्डन ने खूबसूरती बिखेरने के बाद कहा, अलविदा

शुभ लाभ ब्यूरो
जम्मू, 24 अप्रैल। एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन ने 33 दिनों तक अपनी खूबसूरती बिखेरने के बाद पर्यटकों को अलविदा बोल दिया है। मौसम में गर्मी के अहसास के कारण मुरझा रहे फूलों के कारण फ्लोरीकल्चर विभाग के निदेशक ने इसको आज से बंद करने का आदेश जारी किया था। 33 दिनों के भीतर आने वालों ने इस बार नया रिकॉर्ड कायम किया। कुल 4.25 लाख पर्यटकों की आमद ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया।

अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के प्रतिष्ठित ट्यूलिप गार्डन ने आज जनता के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। यह निर्णय ट्यूलिप ब्लूम सीजन के अंत के बाद लिया गया है। 2007 में अपने उद्घाटन के बाद से ट्यूलिप गार्डन दर्शनीय स्थान के रूप में उभरा। यह 30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है और जबरवान पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में ट्यूलिप और अन्य वनस्पतियों की एक जीवंत श्रृंखला प्रदर्शित करता है।

गर्मी में बगीचे को किसी भी नुकसान से बचाने के लिए गार्डन को बंद किया गया है। अस्थायी रूप से बंद होने के बावजूद ट्यूलिप गार्डन श्रीनगर के पर्यटन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना हुआ है, इसके दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए इसकी निरंतर सफलता की आशा है। गार्डन तैयार करने में लगभग 6 महीने का समय लगा था और गार्डन के खुलने से पहले ही बड़ी योजना बना ली गई थी। लगभग 500 बागवानों और कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत करके जनता के लिए इस उद्यान को तैयार किया था। पर्यटक बड़ी संख्या में यहां आए और खूबसूरत नजारों का भरपूर आनंद लिया। पिछले साल 3.75 लाख पर्यटक ट्यूलिप गार्डन देखने आए थे। इस बार यह आंकड़ा 4.25 लाख चला गया। हरियाणा से आए पर्यटक संदीप और राजा चौधरी ने कहा, हमने अपनी यात्रा की योजना ट्यूलिप के खिलने के साथ बनाई थी। यह एक शानदार अनुभव रहा और मैंने अपने जीवन में ट्यूलिप के इतने खूबसूरत और इतने विविध रंग कभी नहीं देखे थे। अब तक हमने उन्हें केवल टीवी पर देखा था और अब उन्हें जीवंत देखा।

कश्मीर की नई पहचान ट्यूलिप गार्डन में आने वालों का सैलाब इन 33 दिनों में कभी नहीं थमा।

इस सैलाब का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले साल की तुलना में इस बार प्रतिदिन 3 हजार पर्यटक ज्यादा आ रहे थे। गार्डन विभाग के उप निदेशक इखलास शायिक का कहना था कि इस बार ट्यूलिप गार्डन में हर वक्त पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ लगी रही। शायिक ने कहा, इस बार विदेशी पर्यटकों की आमद भी अधिक रही।शायिक ने कहा, हम इस साल बगीचे में अधिक पर्यटकों के आने की उम्मीद कर रहे थे और यह सपना पूरा हुआ।

कांग्रेस मेहनत से कमाया धन छीनना चाहती है: यादव

सागर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों सहित हम सबका मेहनत से कमाया हुआ धन छीनना चाहती है। यह लोकतंत्र में कभी नहीं हो सकता। डॉ. यादव ने सागर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश और देश के 140 करोड़ लोगों की चिंता करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। वे भारत को मान-सम्मान दिलाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हनुमानजी का जीवन सदैव त्याग करने एवं दूसरों को देने के लिए रहा वैसे ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी अपना पूरा जीवन देश सेवा को समर्पित कर दिया। जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने अपने वेतन, भत्तों की राशि भी अपने कर्मचारियों के बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के लिए दान कर दी। उन्होंने अपने लिए कभी कुछ नहीं किया। जो भी वेतन, भत्तों की राशि आती है उसे अब गंगा मैया की सेवा में लगा रहे हैं। उन्होंने अपने लिए एक मकान तक नहीं बनाया, लेकिन देश के गरीबों को 4 करोड़ से अधिक आवास बनाकर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सागर की धरती पर भी एक ऐसे ही सर डॉ हरिसिंह गौर का जन्म हुआ था, जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति एक विश्वविद्यालय के लिए दे दी और आज उस विश्वविद्यालय का नाम पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग के लोगों से प्रेम करती है। हम गरीबों, आदिवासियों, मुसलमानों सभी से प्रेम करते हैं, तभी तो देश के सर्वोच्च पदों पर इन्हें बैठाते हैं।

केरल में नौ शक्तिशाली स्टील बम बरामद

कन्नूर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में मट्टनूर के समीप कोलारी गांव में धान के खेत से पुलिस ने नौ शक्तिशाली स्टील बम बरामद किये हैं।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर मट्टनूर के कोलारी गाँव में की गयी छापेमारी के बाद धान की खेत से बम बरामद किये गये। बम दो प्लास्टिक की बाल्टियों में भरकर धान के खेत में रखे गए थे। घास काटने गई एक महिला ने बमों को देखा और उसने स्थानीय निवासियों को सूचित किया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचे और बमों को निष्क्रिय किया। राज्य में लोकसभा चुनाव सुरक्षा के मद्देनजर जिले के आसपास के इलाकों में भी छापेमारी की गयी।

कर्नाटक में मुस्लिम समुदाय के कोटा विस्तार को लेकर चिंतित एनसीबीसी

बेंगलुरु, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने पूरे मुस्लिम समुदाय को आरक्षण का लाभ देने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर चिंता व्यक्त की है। एनसीबीसी के मुताबिक मुस्लिम आबादी के भीतर कुछ जातियों और समुदायों के सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को स्वीकार करते हुए आरक्षण श्रेणी में सभी मुसलमानों को शामिल करना सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों को कमजोर करता है।आयोग का तर्क है कि मुसलमानों को समग्र रूप से पिछड़े वर्गों के अंतर्गत वर्गीकृत करके, मुस्लिम समुदाय के भीतर विभिन्न जातियों और समुदायों के बीच पिछड़ेपन की विविध आवश्यकताओं तथा स्तरों को नजरअंदाज कर दिया गया है। वर्तमान में कर्नाटक में आरक्षण प्रणाली में श्रेणी-1 के तहत 17 सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ी जातियां शामिल हैं, जबकि 19 जातियां श्रेणी ए-2 के अंतर्गत आती हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में हिंदू-बहुल वर्गों की सूची में मुसलमानों को श्रेणी-2बी में अलग से शामिल किया गया है।

आयोग के बयान में संभावित अन्याय पर जोर दिया गया है जो मुस्लिम आबादी के भीतर विभिन्न हाशिए पर मौजूद जातियों और समुदायों पर हो सकता है, विशेष रूप से शैक्षिक तथा सामाजिक रूप से पिछड़े के रूप में पहचाने जाने वाले लोगों पर। इसने अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इन समुदायों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पहचानने और संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया।

इसके अलावा आयोग ने विशेष रूप से स्थानीय निकाय चुनावों के संदर्भ में आरक्षण निर्णय के व्यापक प्रभावों के बारे में आशंका व्यक्त की। स्थानीय निकाय चुनावों में मुसलमानों सहित पिछड़े वर्गों के लिए आवंटित 32 प्रतिशत आरक्षण के साथ, विविध समुदायों के प्रतिनिधित्व पर प्रभाव के बारे में चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

राष्ट्रीय ओबीसी आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने ओबीसी आरक्षण का श्रेणीकरण इस तरह से किया है कि संपूर्ण मुसलमान समुदाय ओबीसी आरक्षण में आ गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से मुसलमान समुदाय को ओबीसी के अंतर्गत आरक्षण देने का आधार पूछा गया था जिसका राज्य सरकार से कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं मिला है।

विकसित भारत के लिए स्थिर, मजबूत और निर्णायक सरकार की जरुरत : नड्डा

भागलपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा ने आज यहां कहा कि विकसित भारत के लिए स्थिर, मजबूत और निर्णायक सरकार की जरुरत है और उनकी पार्टी एक बार फिर से देशवासियों के सहयोग से सरकार बनायेगी। श्री नड्डा ने बुधवार को भागलपुर में राजग प्रत्याशी अजय कुमार मंडल के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर पूरे देश में आमजन काफी उत्साहित हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चार सौ से अधिक के लक्ष्य को पूरा करने जा रही है। हमारा लक्ष्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का और इसको आगे बढ़ाना है।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले दस सालों में मोदीजी के नेतृत्व में चाहे देश की राजनीति हो,चाहे प्रदेश की राजनीति हो, सब में बहुत बड़ा परिवर्तन आ गया है। आज देश के राजनीति की परिभाषा बदल गई है। एक समय था जब लोग कहते थे कि देश की राजनीति दूषित हो गई है। नेता स्वार्थी एवं भ्रष्टाचारी हो गये हैं। अब यहां कुछ नहीं बदलेगा और ऐसा ही चलेगा। लेकिन दस वर्षों में यह अंतर आ गया है कि आज एक साधारण लोग भी विकसित भारत के लिए साथ चलने के लिए तैयार है।आज लोग संकल्प लें रहे हैं कि भारत को आगे बढ़ाना है।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पहले यह चर्चा होती थी कि किस क्षेत्र में कौन सी जाति के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वह अगड़ी जाति से है या पिछड़ी से। लेकिन अब ऐसी धारणा खत्म हो चुकी है मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज विकासवाद की राजनीति हो रही है।

विकास के मानकों का पुन: मूल्यांकन करना होगा : मुर्मू

देहरादून, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्तमान के मानव केन्द्रित विकास काल खंड में विकास के साथ, साथ विनाशकारी परिणाम सामने आए हैं। संसाधनों के असंतुलित दोहन ने मानवता को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां विकास के मानकों का पुन: मूल्यांकन करना होगा। सुश्री मुर्मू ने बुधवार को यहां इन्दिरा वन अकादमी में वर्ष 2022 बैच के परिविक्षाधीन भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज यह समझना बहुत जरूरी है कि हम पृथ्वी के संसाधनों के मालिक नहीं हैं, बल्कि ट्रस्टी हैं। हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ-साथ प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए। वस्तुत: प्रकृति केंद्रित होकर ही हम सही अर्थों में मानव केंद्रित हो सकेंगे।उन्होने इस बैच में शामिल सभी 10 महिला अधिकारियों को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि आप समाज के प्रगतिशील बदलाव की प्रतीक हैं, इसलिए आशा करती हूँ कि आने वाले समय में महिला अधिकारियों की संख्या और भी बढ़ेगी।

मणिपुर में आईईडी विस्फोट, इंफाल-माओ राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोकी गई

इंफाल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को एक शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में विस्फोट होने से इंफाल-माओ राजमार्ग का पुल क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गयी। पुलिस ने कहा कि इंफाल-माओ राजमार्ग पर आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई और पुल के दोनों ओर लगभग 200 वाहन फंसे हुए हैं।पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पुल में करीब तीन छेद हो गए। गौरतलब है कि तीन मई 2023 से अलग-अलग समय पर विभिन्न कुकी संगठनों द्वारा राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया है और मैतेई लोगों की आवाजाही रोक दी गई थी। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि धमाके के पीछे किसका हाथ है।यह विस्फोट जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में 26 अप्रैल को लोक सभा चुनाव के लिए दूसरे चरण में होने वाले मतदान से कुछ दिन पहले हुआ है। इससे पहले 16 अप्रैल को तामेंगलांग में तेल टैंकरों पर संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा गोलीबारी के बाद इंफाल से जिरीबाम राजमार्ग पर आवाजाही बाधित हुयी थी। मई 2023 में मणिपुर में संकट शुरू होने के बाद कांगपोकपी में

हुआ विस्फोट वाहनों और लोगों की आवाजाही को रोकने के लिए बम विस्फोट की दूसरी घटना थी।इसके पहले 21 जून, 2023 को, संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले के क्राक्टा में एक पुल पर आईईडी विस्फोट किया था, जिसमें तीन लोग घायल हो गए थे। इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने की थी और मुख्य साजिशकर्ता की पहचान सेमिनलुन गंगटे के रूप में की गई थी, जिसने विस्फोट की घटना को अंजाम देने के लिए मोहम्मद नूर हुसैन नामक व्यक्ति के साथ काम किया था।

लद्दाख में जनता का आक्रोश और आंतरिक विद्रोह झेल रही भाजपा

सांसद नामग्याल को टिकट नहीं देने पर विद्रोह

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 अप्रैल। लद्दाख में वादाखिलाफी के कारण भारी जनाक्रोश का सामना कर रही भारतीय जनता पार्टी को अब उस आंतरिक विद्रोह का सामना करना पड़ रहा। निवर्तमान भाजपा सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने नया उम्मीदवार उतारे जाने के पार्टी के फैसले को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया है। चर्चा है कि भाजपा के निवर्तमान सांसद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे।

भाजपा ने नामग्याल का पत्ता काट कर एडवोकेट ताशी ग्यालसन को लद्दाख लोकसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार घोषित किया। लद्दाख में 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। ग्यालसन लद्दाख के स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद में अध्यक्ष-सह-मुख्य कार्यकारी पार्षद हैं। ग्यालसन के नामांकन के कुछ ही घंटों बाद, निवर्तमान सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल पार्टी के फैसले पर अपनी असहमति और गुस्से के साथ सार्वजनिक हुए। उन्होंने कहा कि वह अगली कार्रवाई करने के लिए स्थिति का मूल्यांकन करेंगे। उनके कई समर्थकों ने उनके स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के विचार का समर्थन किया। नामग्याल ने कहा था, भाजपा ने पारदर्शी और सम्मोहक औचित्य प्रदान किए बिना मौजूदा सांसद की जगह लद्दाख संसदीय

पीएम मोदी ने नामग्याल के भाषण की सराहना की थी

क्षेत्र के लिए एक नए उम्मीदवार की घोषणा की। एक समर्पित कार्यकर्ता के साथ हुए इस अन्याय के संबंध में मैंने उचित माध्यम से पार्टी नेतृत्व को अपनी असहमति बता दी है। पूरे लद्दाख से सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और मेरे समर्थकों ने भी इस फैसले पर अपनी असहमति व्यक्त की है। हम स्थिति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करेंगे और लद्दाख के लोगों की भलाई को सबसे आगे रखते हुए अपनी अगली कार्रवाई का निर्धारण करेंगे। मैं सभी समर्थकों को उनके दृढ़ समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

अपने उपनाम जेटीएन से लोकप्रिय नामग्याल 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने के नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले का बचाव करने के लिए लोकसभा में अपने जोरदार भाषण से सुर्खियों में आए थे। 5 अगस्त 2019 की शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर नामग्याल के भाषण का वीडियो साझा किया था और प्रत्येक भारतीय को देखने के लिए कहा था। उसी प्रतिभाशाली नामग्याल को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने किनारे लगा दिया।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर से अलग होने और केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठन पर शुरुआती उत्साह के बाद, लद्दाख क्षेत्र केंद्र की नीतियों के खिलाफ असंतोष से उबल रहा है। व्यापक रूप से सम्मानित स्थानीय सुधारक और पर्वतक सोनम वांगचुक ने हाल ही में भारत के संविधान की छठी अनुसूची के रूप में लद्दाख क्षेत्र की संवैधानिक सुरक्षा की मांग करते हुए एक बड़े सार्वजनिक आंदोलन का नेतृत्व किया है। 2019 से एक केंद्र शासित प्रदेश, लद्दाख क्षेत्र स्थानीय रूप से लेह और कारगिल जिलों के लिए स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद द्वारा शासित है। लेह में काउंसिल का नेतृत्व ताशी ग्यालसन के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के पास है, जबकि करगिल में दूसरा काउंसिल नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन के तहत है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट– जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे– टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

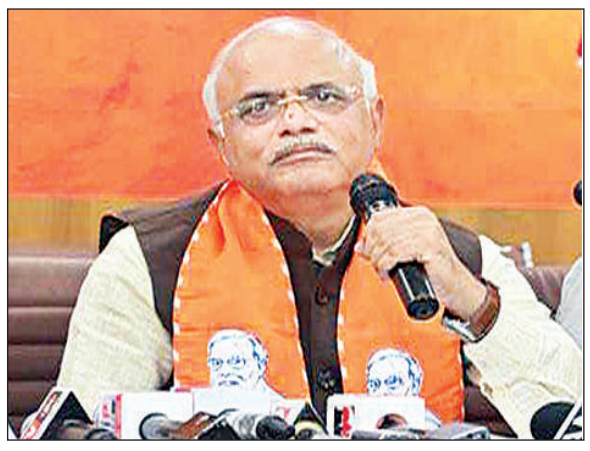

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस–पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ख़ुशनसीब हैं कि आपके ऐसे सगे–संबंधी हैं। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप अपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। अगर थोड़ी–सी कोशिश करेंगे तो जीवनसाथी के मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 25 अप्रैल 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 06:47 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 02:24 तक
योग : व्यतिपात उत्तर रात्रि 04:51 तक
करण : कौलव प्रातः 06:47 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 08:00 तक
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैशाखे विष्णु पूजन

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पाई : सहस्त्रबुद्धे

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कांग्रेस पर मजहब आधारित आरक्षण की वकालात और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वर्ग के अधिकारों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पाई।

डा सहस्त्रबुद्धे ने बुधवार को यहां भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा विकास की राजनीति करती है लेकिन दुर्भाग्यवश प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी अभी भी अपने पुराने ढंग सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पा रही है। सभी जानते हैं कि संविधान निर्माताओं ने इन शब्दों का विरोध किया और बहस होने के बाद संविधान सभा ने यह तय किया था कि इन शब्दों की कोई आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस ने यह गलत काम संविधान निर्माता की आकांक्षाओं के विपरीत किया और इन शब्दों को समाहित किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओवरसीज बॉडी के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स की वकालत करते हुए भारत को अमेरिका जैसा बनाने की बात कही। पित्रोदा ने कहा है कि जैसे घर, कुटुंब के किसी सदस्य की मृत्यु होती है तो उसके वारिसों को उस धन का कुछ प्रतिशत देकर बाकी सारा धन सरकार के पास जमा होना चाहिए। सैम पित्रोदा के इस बयान से कांग्रेस के नेताओं की सोच सामने आती है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूर्व में संपत्ति के पुर्नवितरण की वकालत कर चुके हैं। राहुल गांधी के इस बयान से मतदाता आशंकित है क्योंकि लोगों ने अपना खून पसीना बहाकर संपत्ति कमाई और ये उसे बांटने की बात करते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को खत्म करने के लिए धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालत की है जबकि हमारी संविधान सभा ने धर्म आधारित आरक्षण को सिरे से खारिज किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कर्नाटक और अन्य जगहों पर कहा था कि कांग्रेस पार्टी ने वोट बैंक की राजनीति के चलते अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का अतिक्रमण कर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने की वकालत की है। यह न केवल संविधान निर्माताओं का अपमान है बल्कि अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों के अधिकारों पर भी अतिक्रमण है।

ऑस्ट्रेलिया का फर्जी वीजा देकर साढ़े 18 लाख की धोखाधड़ी

श्रीगंगानगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में पदमपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने कुछ व्यक्तियों पर ऑस्ट्रेलिया का फर्जी वीजा देकर 18 लाख 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार चक 23 बीबी निवासी हरजिंदर सिंह द्वारा अदालत में दायर किये गये इस्तगासा के आधार पर कपिल शर्मा (28) निवासी चक 7–ईईए, उमेश (36) निवासी चक 2–आरबी तहसील पदमपुर, सुखविंदर सिंह (30) और सतनाम सिंह(30) निवासी चक 6–जेकेएम तहसील रायसिंहनगर हरविंदर सिंह (36) निवासी चक 6–पी तहसील अनूपगढ़ और सुमीर (40)के खिलाफ धारा 420 तथा 406 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

परिवादी हरजिंदर सिंह के अनुसार उसकी पुत्री सवेवी शेरगिल विदेश जाना चाहती थी। उसने अपने मित्र कपिल शर्मा से इस बारे में बात की। कपिल ने कहा कि उसका एक रिश्तेदार उमेश है, जिसके मित्र विदेश का वीजा जल्दी लगवा देते हैं। उसके कहने पर कपिल नौ मार्च 2023 को अपने साथ उमेश तथा चार अन्य व्यक्तियों सुखविंदर सिंह, सतनाम सिंह एवं उनके दामाद हरविंदर सिंह तथा सुमीर को लेकर उसके घर आये। इन व्यक्तियों ने 20 लाख रुपए में उसकी पुत्री का ऑस्ट्रेलिया का वीजा लगवा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सात दिन में वीजा लगवा देंगे, रुपए वीजा मिलने के बाद देना।

हरजिंदर सिंह के अनुसार 18 लाख 50 हजार रुपए में बात तय हो गयी। उसने अपनी पुत्री के सारे कागजात इन व्यक्तियों को दे दिये। तत्पश्चात 14 मार्च की रात को सुखविंदर सिंह का फोन आया कि रुपए तैयार करो।

उनका वीजा आ गया है। उनको वीजा की कॉपी भेज दी है। उसने अगले दिन पांच लाख रुपए अपने अकाउंट से, आढ़तियों और रिश्तेदारों से 14 लाख रुपये पदमपुर में गिल कॉलोनी में इंडिया स्नेक बार में सुखविंदर सिंह, सतनाम सिंह, हरविंदर सिंह, कपिल, उमेश और सुमीर को दे दिये।परिवादी के मुताबिक उसने चार लाख 50 हजार रुपए दो दिन बाद देने के लिये कहा।

उसने यह बाकी रुपए भी 17 मार्च को उक्त व्यक्तियों को बुड्ढा जोहड़ में दे दिये। तब इन व्यक्तियों ने कहा कि वे जल्दी ही टिकट करवा देंगे। अपनी पुत्री को भेज देना, लेकिन इन्होंने टिकट नहीं करवाई। उसने कई बार टिकट के लिये संपर्क किया लेकिन यह लोग टालमटोल करते रहे। परिवादी का आरोप है कि उक्त लोगों ने उसकी पुत्री के नाम का ऑस्ट्रेलिया का फर्जीवीजा देकर 18 लाख 50 हजार रुपए ले लिये जो कि वापस नहीं कर रहे। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गयी है।

कार–बाइक की टक्कर में युवक की मौत

श्रीगंगानगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर जिले में लूणकरणसर थाना क्षेत्र में कार और मोटरसाइकिल में टक्कर होने से एक युवक की मौत हो गयी है। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान संजय नाथ (20) निवासी लूणकरणसर के रूप में हुई है। कल रात लूणकरणसर– कालू मार्ग पर यह दुर्घटना होने की सूचना मिलते ही टाइगर फोर्स टीम एंबुलेंस सहित मौके पर पहुंची। साथ ही पुलिस को भी इस हादसे की जानकारी दी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने चेकअप किया तो संजय नाथ की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने आज उसका शव पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को दो नए पेटेंट प्रदान किए गए

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार के पेटेंट कार्यालय ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (केयू) को दो पेटेंट दिये हैं। अप्रैल माह में भारत के कार्बोक्सिमिथाइलसेलुलोज एस्टर आधारित ड्रग डिलीवरी सिस्टम और एप–प्टोसिस इंड्यूसिंग कंपोजिशन कॉम्प्रोमाइजिंग ट्रायज़ोलोथियाज़ोलिल–ट्रायाज़ोल बेंजीन का व्युत्पन्न हेतु केयू को दो पेटेंट दिये गये हैं।गौरतलब है कि केयू को अब तक 22 पेटेंट प्रदान किये जा चुके हैं और इनमें से अधिकांश पेटेंट कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा और बदलाव के बाद दिये गये हैं। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ ने शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिये बधाई देते हुये कहा कि पेटेंट का उद्देश्य नवाचार और नई प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देना है।शोध और अनुसंधान को बढ़ावा एवं प्रोत्साहन देने के लिये पेटेंट विशेषज्ञ के माध्यम से केयू शिक्षकों को पेटेंट दाखिल करने की सुविधा दे रही है। विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन स्टार्ट अप और इनोवेशन केंद्रों की स्थापना की गई है और अनुसंधान प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार किया गया।

देश के समग्र विकास के लिये भाजपा को जिताएं : चतुर्वेदी

अजमेर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने देश के समग्र विकास एवं मोदी गारंटी संकल्प पत्र में हर वर्ग का ध्यान रखते हुये भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कमल को जिताने का आह्वान किया है।

श्री चतुर्वेदी ने बुधवार को अजमेर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस आरक्षण का भ्रम जाल फहराकर वोट हासिल करना चाहती है, लेकिन उनके मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण के मुद्दे पर संविधान से छेड़छाड़ कांग्रेस ने की, तब बहुसंख्यकों के हितों पर कुठाराघात कर संविधान संशोधन किये गये, लेकिन मोदी सरकार ने संविधान को मजबूती प्रदान की।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने कांग्रेस के इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें भाजपा सरकार पर संविधान में बदलाव और भविष्य में चुनाव नहीं कराने की बातें कहकर मतदाता को भ्रमित करने का

काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने कर्नाटक मामलें में आरक्षण को लेकर धर्म के आधार पर कटौती की अनुमति देने से इन्कार किया है। आज कांग्रेस की जमीन खिसक रही है तो गुमराह करने वाले अनर्गल आरोप लगाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा किसी परिवर्तन के बजाय, यथास्थिति रखने की है। यहां तक की सरकारी नौकरी में भी किसी तरह की कोई कटौती नहीं होगी। श्री चतुर्वेदी ने केन्द्र में मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी सिलसिलेवार जिक्र किया और राजस्थान की जनता को लाभ के आंकड़े गिनाये। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी का लाभ अजमेर सहित राज्य के 23 जिलों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि श्री मोदी 140 करोड़ लोगों को परिवार मानते हुये सतत काम कर रहे हैं। वे देश का गौरव , विश्व में बढ़ा रहे हैं। 2047 का विकसित भारत आपके, हमारे लिये अकल्पनीय होगा।

उन्होंने मतदाताओं से अपील की ..मताधिकार सबसे बड़ा अधिकार है, इसका देश हित में ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। इस अवसर पर अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने भी कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि आरक्षण का संविधान में प्रावधान है। कांग्रेस ने 60 साल शासन किया। भाजपा के 400 पार पर, वे कहतें हैं कि मोदी की मंशा संविधान खत्म करने की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर को सदैव अपमानित किया है, लोकसभा में उनका चित्र तक कांग्रेस शासन में नहीं लगाया गया।

मोदी ने खुद मंगलसूत्र की लाज नहीं रखी : अभय

सिरसा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख से मंगलसूत्र की बात शोभा नहीं देती क्योंकि श्री मोदी ने खुद मंगलसूत्र की लाज नहीं रखी। उन्होंने कहा कि पहले चरण के हुए चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी को असलियत समझ में आ गई है बौखलाहट में ऐसे बयान बाजी कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 400 सीटें पार करना एक मिथक है।श्री चौटाला बुधवार को यहां एक प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने जिला भर के पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को भी संबोधित किया। इस दौरान पार्टी के घोषित प्रत्याशी संदीप लोट जिला अध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला, गोकुल सेतिया, कृष्णा फौगाट, कुंभाराम व पार्टी प्रवक्ता महावीर शर्मा भी उनके साथ मौजूद थे। श्री चौटाला ने कहा कि भारत में क्षेत्रीय पार्टियों का अपना महत्व है राष्ट्रीय पार्टी क्षेत्रीय पार्टियों का उपयोग करती हैं और छोड़ देती हैं। क्षेत्रीय पार्टियों का अस्तित्व में रहना जरूरी है क्षेत्रीय पार्टियों के दखल से राष्ट्रीय पार्टिय मनमर्जी से शासन नहीं कर पाती। क्षेत्रीय पार्टी आम आदमी की पीड़ा को समझती हैं। आज कांग्रेस व भाजपा अकेले अपने दम पर चुनाव नहीं लड़ पा रही

भाजपा राजग तो कांग्रेस इंडिया समूह के सहारे अन्य दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ रही हैं। वहीं दोनों दल क्षेत्रीय पार्टियों के विरोधी हैं और उन्हें वे खत्म करना चाहते हैं।

श्री चौटाला ने कहा कि हरियाणा में भाजपा उम्मीदवारों से नहीं बल्कि पार्टी की नीतियों का विरोध है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा घोटालों की जांच के दिए बयान पर अभय सिंह चौटाला ने पलटवार करते हुए कहा कि वे पिछले साढ़े चार वर्ष से मनोहर लाल खट्टर के मुख्यमंत्रीकाल के चलते शराब घोटाला, रजिस्ट्री घोटाला, दवा घोटाला सर्विस व कमीशन घोटाला सहित अन्य घोटालों की जांच की मांग कर चुके हैं परंतु अब तक कुछ नहीं हुआ। नायब सैनी को चाहिए कि पहले पूर्व के घोटाले उजागर करें हम शिकायत देने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री मात्र अखबारों में वाह वाही लेना चाहते हैं।

श्री चौटाला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर सवाल खड़े करते हुए कहां कि उनको चाहिए की सबसे पहले खनन घोटाले की जांच करवाई जाती है तो मुख्यमंत्री खुद फंसते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नायब सैनी ने मुख्य संसदीय सचिव रहते हुए बड़े पैमाने पर खनन घोटाला किया। हरियाणा की मंडियो में गेहूं खरीद का जिक्र करते हुए श्री चौटाला ने कहा कि किसान की गेहूं फसल में नमी का बहाना बताकर सरकार खरीदना नहीं चाह रही और दो अनाज मंडियो पूंडरी व ढांड को बंद भी कर दिया गया है। सरकार किसान को लूटना चाहती है।

कांग्रेस का घोषणापत्र तुष्टिकरण को बढ़ावा देने वाला : गुप्ता

हिसार, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने बुधवार कांग्रेस के घोषणापत्र को तुष्टिकरण का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अपने शासनकाल में देश को जाति और वर्ग में बांटने का काम किया। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणापत्र में हर वर्ग के उत्थान का संकल्प लिया गया और यह जनता के लिए बनाया गया है।श्री गुप्ता बुधवार भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र पर जमकर बरसे और कहा कि कांग्रेस ने सदा ऐसा ही किया है। देश को जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रवाद के नाम पर बांटकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकी है, लेकिन अब देश की जनता ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि पहले भी कांग्रेस ने तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया और भविष्य में उसके क्या इरादे हैं। ये कांग्रेस के घोषणापत्र में साफ झलक रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के युवराज अब मंदिरों में भी जा रहे हैं और घोषणापत्र के माध्यम से चुटकियों में गरीबी दूर करने का वादा कर रहे हैं लेकिन गरीबी दूर करने का वादा उनकी दादी ने किया था, वह तो ऐसा कर नहीं पाई, अब क्या ये युवराज अपनी दादी से बड़ा नेता है जो गरीबी को चुटकियों में दूर कर देगा।

सिरसा में दो करोड़ से अधिक की अवैध शराब व मादक पदार्थ जब्त : सिंह

सिरसा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आर.के सिंह ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर आदर्श चुनाव आचार संहिता की अनुपालना में अब तक दो करोड़ रुपए से अधिक की राशि के अवैध शराब व अन्य मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं। इसके अलावा राजस्थान व पंजाब सीमाओं पर अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए जिला में कुल 85 नाकें भी लगाए गए हैं।उपायुक्त बुधवार को वीडियो कॉफ्रेंस के दौरान मुख्य सचिव हरियाणा टीवीएसएन प्रसाद को जिला में लोकसभा चुनाव की तैयारियों व अन्य चुनाव गतिविधियों की जानकारी दे रहे थे। मुख्य सचिव ने कहा कि चिन्हित अपराधों को गंभीरता से ले ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके। उन्होने कहा कि ऐसे केसों में गवाहों के तुरंत बयान करवाए जाए। यदि तथ्यो की कमी के कारण केसों में छोटी अदालतों में पीड़ित को न्याय नहीं मिलता, तो ऐसे में अपील के लिए माननीय उच्च न्यायालय जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि जिन जिलों में चिन्हित अपराध के मामलें अधिक है उनका निपटान समय रहते करें। उपायुक्त ने बताया कि मुख्य सचिव कार्यालय के निर्देशानुसार जिला के 14 विभागों को हिट वेव से संबंधित आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं तथा मतदान के दिन जिला के सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल व छाया की समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसी प्रकार चिन्हित अपराधों के तहत जिला में कुल 46 केसों में से 11 केसों का फैसला हो चुका है। उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिए कि पानी के सैंपल लिए जाएं, ताकि दूषित पानी के उपयोग से बचाव हो सके। इसी प्रकार जनस्वास्थ्य विभाग को शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में समुचित पेयजल सप्लाई क निर्देश दिए। इसके साथ ही ये भी निर्देश दिए की कहीं पर पानी का जमाव ना हो।

श्री सिंह ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर जिला में अवैध रूप से शराब की सप्लाई, बिक्री व नकली शराब बनाने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस विभाग की ओर से सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संदिग्ध लोगों व स्थानों पर पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी नजर रखते हुए जिला में अवैध शराब की सप्लाई को रोकने में सजगता रखनी है। पुलिस प्रशासन सहित आबकारी विभाग द्वारा शराब के वैध वेंडर व उनके स्टॉक आदि की निरंतर चेकिंग की जाए।

गुरुवार का ये छोटा सा उपाय करेगा गुरु ग्रह को मजबूत

खुलेंगे तरक्की के नए द्वार

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन का स्वामी बृहस्पति है। इस दिन को धन, समृद्धि, ऐश्वर्य, ज्ञान और संतान का कारक माना जाता है। इस दिन बहुत से लोग व्रत रखते हैं। विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। इस दिन आप कई तरह के उपाय भी कर सकते हैं। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। करियर में सफलता मिलेगी। किसी भी कार्य को करने में बाधाएं आ रही हैं तो आप इन उपायों कर सकते हैं। ये इन बाधाओं से छुटकारा दिलाने में मदद करेंगे। विवाह में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए भी आप इस दिन कई तरह के उपाय कर सकते हैं। आइए जानें कौन से ये उपाय...

गुरुवार के दिन करें ये काम

इस दिन पीले रंग का इस्तेमाल अधिक करें। इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनें। पीले फलों और मिठाई का सेवन करें।

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। स्नान के बाद ॐ बृं बृहस्पतये नमः मंत्र का जाप करें। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

इस दिन भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा एक साथ करें। बृहस्पतिवार को व्रत कथा का पाठ करें। इससे दांपत्य जीवन सुखमय होता है। घर में सुख-समृद्धि आती है। गुरुवार के दिन गाय को आटे की लोई खिलाएं। लोई में चने की दाल, गुड़ और हल्दी डालकर खिलाएं। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। स्नान करने वाले पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर स्नान करें।

इस दिन किसी जरूरतमंद व्यक्ति को दाल, केले और पीले कपड़ों का दान करें। गुरुवार के दिन किसी से उधार ने लें। ऐसा करने से आपकी कुंडली में गुरु की स्थिति कमजोर होती है। इस कारण आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। गुरुवार के दिन पूजा करने के बाद अपनी कलाई और गर्दन पर हल्दी का टीका लगाएं। ऐसा करने से कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है। इससे हर कार्य में व्यक्ति को सफलता मिलती है।

गुरुवार के दिन केले के वृक्ष को जल अर्पित करें। इसके सामने देसी घी का दीपक जलाएं। गुरु के 108 नामों का उच्चारण करें। इससे विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। गुरुवार के दिन पूजा घर में हल्दी की माला लटकाएं। कार्यस्थल पर पीले रंग की वास्तुओं का इस्तेमाल करें। भगवान लक्ष्मी और नारायण को लड्डू का भोग लगाएं। इससे व्यवसाय में चल रही बाधाएं दूर होती हैं।

विकट संकष्टी चतुर्थी को होती है गणपति की पूजा

जानिए इस खास चतुर्थी की तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

पार्वती पुत्र गणपति को बुद्धि और समृद्धि का देवता माना जाता है । उन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। हर माह की चतुर्थी तिथि भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी विकट संकष्टी चतुर्थी कहलाती है। विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत बहुत महत्व रखता है। इस दिन गणपति की पूजा से जीवन के सभी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त होती है। आइए जानते हैं विकट संकष्टी चतुर्थी की तिथि, मुहूर्त और पूजा विधि.....

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी की तिथि अप्रैल की 27 तारीख को सुबह 8 बजकर 17 मिनट से शुरू होगी और अप्रैल की 28 तारीख को सुबह 8 बजकर 21 मिनट पर समाप्त होगी। संकष्टी चतुर्थी का व्रत 27 अप्रैल शनिवार को रखा जाएगा। विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन का ब्रह्म मुहूर्त 4 बजकर 17 मिनट तक है और अभिजीत मुहूर्त या शुभ मुहूर्त सुबह 11बजकर 53 से दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक है। व्रत के दिन शुभ-उत्तम मुहूर्त सुबह 7 बजकर 22 मिनट से 9 बजकर 1 मिनट तक है। सुबह में विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत की पूजा होगी और रात को चंद्रोदय होने पर पूजन एवं अर्घ्य दिया जाएगा।

विकट संकष्टी चतुर्थी की पूजा विधि

विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन प्रात: जल्दी स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें और वेदी पर भगवान भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करें। गंगा जल से पवित्र कर प्रभु को कुमकुम से तिलक करें। पीले फूलों की माला पहनाएं और मोदक का भोग लगाएं।

गणपति जी सामने देसी घी का दीपक जलाएं। वैदिक मंत्रों से भगवान गणेश का आह्वान करें और विधि विधान से पूजा के बाद संकष्टी चतुर्थी व्रत कथा का पाठ जरूर करें। आरती के बाद प्रदास ग्रहण करें।

इस मंत्र का पाठ करें

त्रयीमयायाखिलबुद्धिदात्रे बुद्धिप्रदीपाय सुराधिपाय।
नित्याय सत्याय च नित्यबुद्धि नित्यं निरीहाय नमोस्तु नित्यम्।

अक्षय तृतीया से लेकर सीता नवमी तक

वैशाख माह में आएंगे ये व्रत- त्यौहार

वैशाख माह हिंदू नववर्ष का दूसरा महीना होता है। इस माह में भगवान विष्णु की पूजा-उपासना की जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस माह में भगवान बुद्ध और भगवान परशुराम का जन्म भी हुआ था। इस माह में पुण्य और धन प्राप्ति के कई अवसर आते हैं। साथ ही इस माह में सीता जयंती भी पड़ती है। धार्मिक दृष्टि से यह माह बेहद खास होता है। इस महीने को माधव मास भी कहा जाता है। वैशाख माह में भगवान कृष्ण के माधव रूप की पूजा की जाती है। स्नान-दान, मांगलिक और शुभ कार्यों के लिए वैशाख माह बेहद शुभ माना जाता है।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह में कई खास महत्वपूर्ण त्योहार और व्रत आते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख त्योहार हैं- अक्षय तृतीया, वरुथिनी एकादशी, सीता नवमी और भगवान नृसिंह जयंती आदि। आइए जानते हैं वैशाख माह में कब कौन सा त्योहार-व्रत पड़ रहा है।

शुरू हो गया वैशाख माह 2024

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 24 अप्रैल को सुबह 5 बजकर 18 से मिनट से शुरू हो गई और इस तिथि का समापन 25 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 46 मिनट पर होगा। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि का सूर्योदय 24 अप्रैल बुधवार को हुआ था। इस दिन से ही वैशाख माह की शुरुआत हो चुकी और इस माह का समापन 23 मई को होगा।

वैशाख माह के व्रत-त्योहार 2024

27 अप्रैल 2024 (शनिवार) - विकट संकष्टी चतुर्थी
2 मई 2024 (गुरुवार) - पंचक शुरू
4 मई 2024 (शनिवार) - वरुथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती
5 मई 2024 (रविवार) - प्रदोष व्रत (कृष्ण)
6 मई 2024 (सोमवार)- मासिक शिवरात्रि
8 मई 2024 (मंगलवार) - वैशाख अमावस्या, टैगोर जयंती
10 मई 2024 (बुधवार) - अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती
11 मई 2024 (गुरुवार) - विनायक चतुर्थी
12 मई 2024 (शुक्रवार) - शंकराचार्य जयंती, रामानुज जयंती
14 मई 2024 (मंगलवार) - वृष संक्रांति, गंगा सप्तमी
15 मई 2024 (बुधवार) - बगलामुखी जयंती
17 मई 2024 (शुक्रवार) - सीता नवमी
19 मई 2024 (रविवार) - मोहिनी एकादशी
20 मई 2024 (सोमवार) - प्रदोष व्रत (शुक्ल)
22 मई 2024 (बुधवार) - नरसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयंती
23 मई 2024 (गुरुवार)- वैशाख पूर्णिमा व्रत, बुद्ध पूर्णिमा

वैशाख माह का महत्व

वैशाख मास में भगवान विष्णु की पूजा करने से कई गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख माह में ही भगवान विष्णु ने परशुराम अवतार लिया था। मान्यता है कि भगवान परशुराम की पूजा करने से सभी संकट दूर हो जाते हैं और शत्रुओं पर भी विजय प्राप्त होती है।

इसके अलावा वैशाख माह में गंगा स्नान और दान का भी महत्व माना जाता है। वैशाख में गंगा स्नान करने से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है।

भगवान को लगाते हैं भोग तो इतनी देर से ज्यादा न रखें प्रसाद

जानें इससे जुड़े नियम

कहते हैं जब हमारे घर में देवी-देवता विराजमान होते हैं, तो उनकी पूजा-पाठ करने के साथ ही उन्हें भोग लगाने का विशेष महत्व होता है। शास्त्रों में तो यह तक कहा गया है कि देवी देवताओं को दिन में चार बार भोग जरूर लगाना चाहिए और जो हम घर में खाना बनाते हैं, सात्विक तरीके से उसी को बना कर भोग स्वरूप भगवान को अर्पित करना चाहिए। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि जब हम भगवान को भोग या नैवेद्य अर्पित करते हैं तो इसका सही तरीका क्या है और कितनी देर तक हमें भगवान के समक्ष भोग रखना चाहिए?

भगवान के सामने कितनी देर रखें भोग

अमूमन हमें खाना खाने में 5, 10 या 15 मिनट लगता है। ऐसे में जब आप भगवान को भोग लगाते हैं तो उनके समक्ष लगाया हुआ भोग कभी भी तुरंत नहीं हटाना चाहिए, ना ही इसे बहुत देर तक उनके सामने रखना चाहिए। भोग को आप 10-15 मिनट बाद उनके सामने से हटा लें। जिस तरीके से हम खाना खाते हैं उसी तरीके से भगवान को भी खाना खाने में या भोग ग्रहण करने में इतना ही समय लगता है। ऐसे में आप 10 या 15 मिनट बाद भोग को हटाकर उसे वितरित करें। भोग बांटने का नियम यह कहता है कि आप जितने ज्यादा लोगों को भगवान के भोग को वितरित करते हैं उतना ही ज्यादा फल आपको मिलता है।

भोग से जुड़े अन्य नियम

जब आप भगवान को भोग लगाते हैं तो सबसे जरूरी होता है कि उनका भोग शुद्धता के साथ बनाया हुआ हो। इतना ही नहीं भोग लगाते समय आपको इस मंत्र (चरपींर) का जाप करना चाहिए- मत्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वरफ। याद रखें कि भोग लगाते समय आप भगवान को चांदी, तांबे, पीतल, सोने या मिट्टी से बने पात्र में भोग रखकर अर्पित करें, यह धातुएं शुद्ध मानी जाती हैं। एल्यूमिनियम, लोहा, स्टील, प्लास्टिक या कांच के बर्तन में भोग लगाने की गलती बिल्कुल भी ना करें।

छत्तीसगढ़ में रतनपुर के मंदिर में नारी रूप में पूजे जाते हैं हनुमान

भगवान श्रीराम के भक्त एवं पवनपुत्र हनुमान को बाल ब्रह्मचारी कहा जाता है और शास्त्रों में महिलाओं को उनकी मूर्ति को स्पर्श करना वर्जित है ,लेकिन छत्तीसगढ़ में एक ऐसा भी मंदिर है जहां हनुमान जी को नारी रूप में पूजा जाता है।बिलासपुर जिले में रतनपुर के समीप गिरजाबंध के मंदिर में बजरंगबली की नारीस्वरूप में प्रतिमा स्थापित है और माना जाता है कि यहां दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती है।

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस मंदिर का इतिहास करीब 10 हजार साल पुराना है।

इसका निर्माण स्थापना तत्कालीन राजा पृथ्वी देवजू ने करवाया था। एक समय राजा पृथ्वी को कुष्ठ रोग हो गया। अनेक उपाय किये जाने के बावजूद उनका रोग ठीक नहीं हुआ। तब उन्हें किसी ज्योतिष ने हनुमान जी की पूजा-उपासना करने की सलाह दी। राजा पृथ्वी ने हनुमान जी की कठिन भक्ति की, जिससे प्रसन्न होकर हनुमान जी ने एक रात स्वप्न में उन्हें दर्शन दिये और कहा कि अपने क्षेत्र में एक मंदिर बनवाने के साथ समीप ही सरोवर खुदवाओ तथा इस सरोवर में स्नान करने से ये कुष्ठ रोग दूर हो जायेगा। ऐसा करने पर राजा रोगमुक्त हो गये। इसके कुछ दिन बाद राजा को हनुमान जी का स्वप्न आया कि सरोवर में एक प्रतिमा अवस्थित है जिसे मंदिर में स्थापित करो। राजा के सेवकों ने सरोवर में प्रतिमा की तलाश की तो उन्हें हनुमान जी की नारी स्वरूप वाली प्रतिमा मिली, जिसे मंदिर में स्थापित किया गया।

कई विशेषताओं को समेटे इस मूर्ति में अद्भुत चमक है। इसका मुख दक्षिण की ओर है। मूर्ति में हनुमान जी के कंधों पर भगवान राम और लक्ष्मण की झलक है। उनके एक हाथ में माला और दूसरे हाथ में लड्डुओं से भरी थाली है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मंदिर में आने वाले भक्त हजारों मन्नत लेकर आते हैं और इस जगह से वे कभी निराश नहीं होते। लोगों की आस्था और इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है।

अपनाएं ये घरेलू उपाय नहीं महसूस होगी थकान

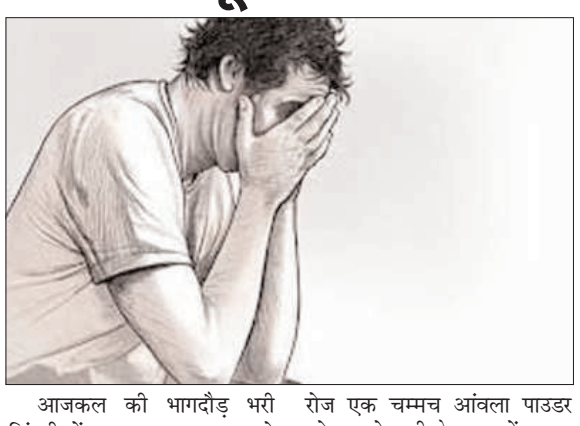

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान आम समस्या हो गई है लेकिन हर समस्या का हल होता है। अगर बिना वजह थकान महसूस हो रही है तो आप जीरे का सेवन कर सकते हैं।

अगर रोज गर्म जीरे की चाय या फिर भुना हुआ जीरा खाया जाए तो थकान दूर करने में मदद मिलती है। वहीं हल्दी भी इस मामले में काफी कारगर है। इससे न केवल हॉर्मोन्स नियमित होते हैं बल्कि इससे प्रतिरक्षा तंत्र भी मजबूत होता है। यह सभी प्रकार की बीमारियों के लिए फर्स्ट एड की तरह काम करता है।

गुग्गुल

इसमें तरोताजा करने का गुण होता है। यह खराब कॉलेस्ट्रॉल को कम करता है और हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही इसे लें।

अदरक

एक कप अदरक की चाय पिएं। इससे कुछ ही मिनटों में थकान दूर हो जाएगी। अदरक लेने से शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है और हॉर्मोनल इम्बैलंस दूर होता है।

आंवला

आंवले में विटामिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है। ये एड्रेनल ग्लैंड से तनाव को दूर करने वाले हॉर्मोन को स्रावित करने में सहायक होता है। अच्छे परिणामों के लिए रोज एक चम्मच आंवला पाउडर को गुनगुने पानी के साथ लें।

लहसुन

लहसुन में भी बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसका ऐंटी-इंफ्लेमेंट्री गुण इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा तंत्र) को मजबूत बनाते हैं। इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए इसे कच्चा ही खाएं।

राई के दाने

राई के दानों में विटमिन ए, विटमिन सी, विटमिन के, केरोटीन व मिनरल्स पाए जाते हैं जो हिमोग्लोबिन को बढ़ाने का काम करते हैं।

अश्वगंधा

जहरीले करौंदे या जंगली चेरी के नाम से पहचाने जाने वाले इस पौधे की जड़ों में बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं। यह एड्रेनल और थायरॉइड ग्लैंड्स के लिए फायदेमंद होता है और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है। साथ ही यह हार्मोन्स के असंतुलन को भी नियमित करता है।

दालचीनी

रोज सुबह उठकर एक टी-स्पून दालचीनी के पाउडर को शहद और पानी के साथ लिया जाए तो इससे थकान से छुटकारा मिलता है। आपको कुछ ही सप्ताह में इसका प्रभाव दिखने लगेगा। अगर इसे तिल के तेल के साथ मिलाकर माथे पर लगाया जाए तो थकान के कारण होने वाले सिरदर्द से छुटकारा मिलता है।

हेल्थ टिप्स: बीमारियों बचना है तो हर दिन करें नींबू का सेवन

गएक नींबू का सेवन जरूर करना चाहिए। आयुर्वेद के जानकार डॉ. कृष्णा सिंह की माने तो धूप और गर्मी की वजह से शरीर से निकलने वाले पसीने की मात्रा को यह संतुलित रखता है। इसलिए खाली पेट में और खाने में एक नींबू का उपयोग जरूर करना चाहिए।

नींबू खाने के फायदे :

- यह शरीर में पानी की मात्रा को संतुलित रखता है
- गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी बीमारी से भी बचाता है। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।
- गर्मी में पेट का इंफेक्शन काफी होता है। ऐसे में नींबू में पाए जाने वाला एंजाइम पेक्टिव फाइबर पेट संबंधी बीमारी को दूर करता है।
- पसीना अधिक निकलने से चक्कर आना, घबराहट और थकान बड़ी समस्या बनी रहती है। नींबू इन समस्याओं से बचाता है।
- पेशाब की समस्या भी गर्मी में बढ़ जाती है। ऐसे में नींबू का पानी पेशाब संबंधी बीमारी को दूर करने में मददगार साबित होता है।

ये तरीके आजमाएं, पिंपल्स को एक ही रात में दूर भगाएं!

पिंपल से लड़ने के लिए बेशक हम तमाम तरीके के प्रोडक्ट लगाते हैं, डॉक्टर के पास भी जाते हैं, लेकिन फिर भी पिंपल की समस्या अक्सर ज्यों की त्यों रहती है। जबकि हकीकत यह है कि पिंपल दूर भगाने के लिए प्राकृतिक और आसान तरीके मौजूद हैं। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि प्राकृतिक तरीकों से एक रात में ही पिंपल का सफाया किया जा सकता है। आइये इन तरीकों से रूबरू होते हैं।

बर्फ थैरेपी

अगर आपके घर में बर्फ का एक टुकड़ा मौजूद है तो पिम्पल होने पर दवाई लगाना और उसके हटने का इंतजार करना बेवकूफी है। जी, हां! बर्फ असल में पिम्पल की लालिमा को कम करता है, सूजन कम होती और जलन में भी कमी आती है। वास्तव में बर्फ लगाने से रक्तसंचार में वृद्धि होती है और रोमछिद्रों को भी प्रभावित करती है। बर्फ के जरिये पिम्पल के इर्द-गिर्द मौजूद गंदगी और तेल पूरी तरह निकल जाता है। आपको सिर्फ इतना करना है कि एक कपड़े में बर्फ के टुकड़े को लपेटना है और पिम्पल पर उसे कुछ सेकेंडों के लिए फेरना है। यही प्रक्रिया कुछ- कुछ मिनटों में दोहरानी है।

सफेद टूथपेस्ट

सफेद टूथपेस्ट काफी हद तक बर्फ ट्रीटमेंट की तरह काम करता है। सफेद टूथपेस्ट को तकरीबन एक घंटे के लिए पिम्पल पर लगाकर छोड़ दें, लेकिन यह ध्यान रखें कि आपका टूथपेस्ट जेलयुक्त न हो। पिम्पल हटाने के लिए सफेद टूथपेस्ट का ही इस्तेमाल करें। यह पिम्पल की सूजन कम करने में सहायक है।

लहसुन का चमत्कार

लहसुन पिम्पल को हटाने के लिए किसी चमत्कारिक उपचार से कम नहीं है। दरअसल लहसुन एंटीवायरल, एंटीफंगल, एंटीसेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट है जो तेजी से घाव आदि को भरता है। यही नहीं पिम्पल को भी आसानी से ठीक करता है।

इसमें सल्फर भी पाया जाता है। यह भी त्वचा के लिए लाभदायक तत्व है। आपको सिर्फ इतना करना है कि लहसुन छीलकर उसे अपने पिम्पल पर लगाना है। 5 से 7 मिनट तक लहसुन लगाने के बाद चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धोना है। आप इसी प्रक्रिया को एक घंटे बाद दोहरा सकते हैं।

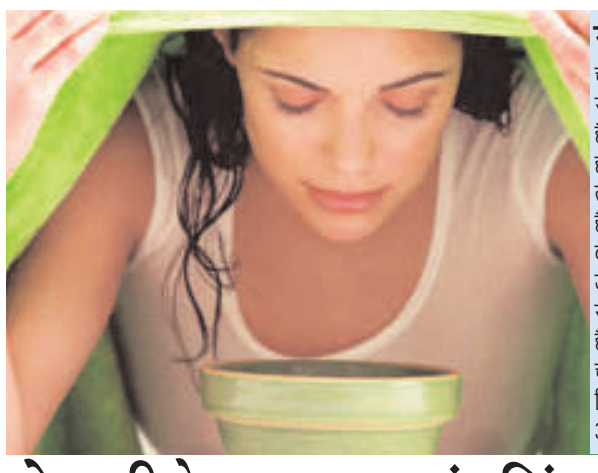

स्टीम उपचार

चेहरे की दमक के लिए स्टीम उपचार बेहद जरूरी है। यह न सिर्फ गंदगी हटाता है बल्कि चेहरे की त्वचा को मुलायम भी रखता है। दरअसल स्टीम उपचार के जरिये रोम छिद्र खुल जाते हैं। नतीजतन त्वचा को सांस लेने में आसानी होती है। स्टीम उपचार लेने से चेहरे में गंदगी नहीं जमती जिससे पिम्पल होने की आशंका में कमी आती है।

सेब युक्त सिरका

हालांकि यह हर घर में आसानी से पाया जाने वाला तत्व नहीं है, लेकिन जब बात पिम्पल की आती है तो यह पिम्पल हटाने के लिए पावरहाउस का काम करता है। सेब युक्त सिरका बैक्टीरिया को खत्म करता है और त्वचा के पीएच को संतुलित रखता है। चेहरे को अच्छी तरह धोने के बाद सेब युक्त सिरका में पानी मिलाकर एक किस्म का फेसवॉश बनाया जा सकता है। इसका इस्तेमाल चेहरे पर रूई के जरिये करें। इस पैक को दस मिनट तक चेहरे पर लगाए रखें। धोने के बाद अपने चेहरे का फर्क देखें।

अंडे का सफेद भाग

अंडे का सफेद भाग प्रोटीन से भरा हुआ होता है, जो कि कील-मुंहासों से लड़ने में सहायक है। अंडे का सफेद भाग आसानी से चेहरे के सभी दाग धब्बों को निकाल सकता है। इसके लिए आपको चाहिए कि तीन अंडे के सफेद भागों को एकत्रित करें। इसके बाद इन्हें अच्छी तरह मिक्स करें और कुछ क्षणों के लिए इन्हें अच्छे से मिक्स होने के लिए रख दें। अपने अंगुली से इस पेस्ट को पिम्पल पर लगाएं। जैसे ही पिम्पल पर लगा पेस्ट सूख जाता है, उसे धो दें। ऐसा नियमित चार बार करें। आखिर में पेस्ट को 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाए रखें। इसके बाद फर्क महसूस करें।

टमाटर का जादू

टमाटर तैलीय त्वचा के लिए सबसे सहायक पदार्थ है। इसमें लाइसोपीन नामक एंटीआक्सीडेंट होता है जो त्वचा की सुरक्षा करता है। यही नहीं टमाटर डैमेज त्वचा के लिए भी कारगर है। टमाटर में एंटीबैक्टीरियल तत्व भी मौजूद है जिससे ब्लैकहेड्स और चेहरे के कालेपन को खत्म किया जा सकता है। ताजे टमाटर से बने जूस को अपने चेहरे पर मास्क की तरह इस्तेमाल करें। उसके बाद एक घंटे बाद चेहरे को धो दें।

संतरे के छिलके

सबसे पहले अपने चेहरे को गर्म पानी से धोएं, ताकि चेहरे के छिद्र खुल सकें। इसके बाद संतरे के छिलके को पिम्पल पर लगाएं। ऐसा एक घंटे तक करते रहें। संतरे के छिलके में मौजूद विटामिन सी आपके पिम्पल को निकालने में मदद करेगा।

पपीता का कमाल

गर्म पानी से चेहरे को धोने के बाद चेहरे पर पपीता का मिक्सचर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को धोएं। इससे चेहरा मोएस्चराइज होता है साथ ही पिम्पल आने की आशंका भी कम होती है।

केले के छिलके

केला खाना जितना फायदेमंद है, उतना ही फायदेमंद केले का छिलका भी है। पिम्पल होने पर केले के छिलके को फेंके नहीं वरन चेहरे पर गोल गोल घुमाएं। जब आपको लगे कि केले के छिलके में मौजूद रैशे से चेहरा पूरी तरह भर चुका है तो वैसे ही चेहरे को 30 मिनट तक रहने दें। केले के छिलके से चेहरे पर पिम्पल से होने वाली जलन कम हो जाती है और चेहरा दमकता हुआ भी प्रतीत होता है। इतना ही नहीं केले के छिलके से स्वस्थ सेल भी पनपते हैं।

रक्त संचार बिगड़ने से कई बीमारियों का डर

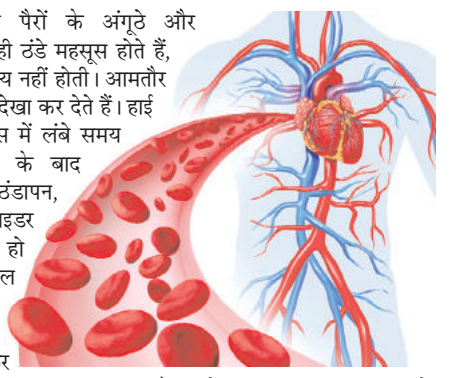

क्या आपके पैरों के अंगूठे और उंगलियां हमेशा ही ठंडे महसूस होते हैं, यह स्थिति सामान्य नहीं होती। आमतौर पर लोग इसे अनदेखा कर देते हैं। हाई हील्स के सैंडिल्स में लंबे समय तक खड़े रहने के बाद उंगलियों में ठंडापन, सूजन और स्पाइडर वेन्स की समस्या हो जाना क्या केवल महिलाओं को होने वाली समस्या या फिर यह खराब रक्तसंचार का परिणाम है। लंबे समय तक धूम्रपान करने, अत्यधिक वसा, खराब शारीरिक स्थिति, हाई ब्लड प्रेशर, ग्लूकोज का बड़ा हुआ स्तर और लिपिड का बड़ा हुआ स्तर धमनी के ब्लड वेसल्स को क्षतिग्रस्त करने का काम करते हैं। अनुवांशिकता की इसमें अहम भूमिका होती है। ऐसा रक्त संचार के सुचारू रूप से नहीं होने के कारण होता है।

लक्षण आते हैं नजर

यदि किसी का रक्तसंचार बेहतर नहीं होता तो उसके कुछ स्पष्ट लक्षण नजर आते हैं और इन स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना अहम होता है

सुन्नपन - शरीर के किसी हिस्से के आखिरी सिरे पर कुछ मिनट के लिए सुन्नपन महसूस होता है। वैसे अधिकांश लोगों को इस तरह का अनुभव कभी न कभी तो होता है लेकिन जिन लोगों का रक्त संचार बेहतर नहीं होता, उनमें यह परेशानी बार-बार नजर आती है।

पाचन समस्या - सेहतमंद पाचन के लिए पेट तक बेहतर रक्तसंचार की आवश्यकता होती है। यदि रक्तसंचार सही तरीके से नहीं होता है तो उसका असर पाचन तंत्र पर पड़ता है और कब्जियत की भी शिकायत हो सकती है।

कमजोर नाखून - रक्त द्वारा शरीर में पोषक तत्वों का संचार होता है और यदि यह रक्तसंचार ही बेहतर न हो तो इस प्रक्रिया पर भी प्रभाव पड़ेगा। यदि आपके नाखून कमजोर, टूटते हुए हों तो इसका मतलब है कि रक्तसंचार सही तरीके से नहीं हो पा रहा है।

बालों का झड़ना- रक्तसंचार के बिगड़ने का प्रभाव बालों पर भी पड़ता है। कमजोर हेयर फॉलिकल्स इस बात के संकेत होते हैं कि आपको पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पा रहा है, जिससे कि स्वस्थ बालों का निर्माण हो सके।

रंगत बदलना - सफेद या नीले रंग की उंगलियां और अंगूठे कम तापमान के कारण होता है, जिसे साइनोसिस कहा जाता है। ऐसी परेशानी रक्तसंचार के सुचारू नहीं होने के कारण भी हो सकती है।

सूजन - विशेषज्ञों का कहना है कि पैरों और हाथों में सूजन इस बात का संकेत होता है कि संचार व्यवस्था अपने ऊपर भार को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे कुछ मात्रा में फ्ल्यूड निकलता है, जिसे एडेमा कहा जाता है।

बोलने में लड़खड़ाहट - मस्तिष्क तक सही मात्रा में रक्त न पहुंचने के कारण बोलने में परेशानी होती है, खासकर जब लंबे समय से बैठे रहने के बाद एकदम से खड़े होते हैं।

सिरदर्द - यदि मस्तिष्क तक सही मात्रा में रक्त का संचार न हो सके तो उस स्थिति में सिरदर्द की परेशानी हो सकती है। अन्य समस्याओं के साथ बार-बार सिरदर्द की भी समस्या हो रही हो तो उस स्थिति में डॉक्टर से परामर्श लें।

रूखी त्वचा - बेहतर रक्तसंचार के बिना आपकी त्वचा नमी नहीं बनाए रख सकती है। सूखी और खुजलीदार त्वचा इस बात का संकेत देती है कि पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पा रहा है।

दस ऐसे कॉस्मेटिक जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं

खूबसूरत बनाने वाले कॉस्मेटिक में कई ऐसे रसायन होते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए जानें ऐसे ही दस कॉस्मेटिक के बारे में।

कॉस्मेटिक के नुकसान

आजकल खूबसूरत दिखने के लिए हर कोई कॉस्मेटिक की मदद लेने में संकोच नहीं करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन कॉस्मेटिक के लगातार संपर्क में आने से त्वचा पर कई तरह के साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। कई शोधों के मुताबिक इनके ज्यादा इस्तेमाल से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां होने का भी खतरा होता है। आइए जानें ऐसे 10 कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के बारे में जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

लिपस्टिक

ज्यादातर महिला होठों को खूबसूरत बनाने के लिए लिपस्टिक का प्रयोग करती हैं। लिपस्टिक में मौजूद रसायन आपके होठों को काला बनाने के साथ ही इसकी नमी चुरा लेते हैं। इसकी जगह अगर आप लिप बाम अपनाएं तो ज्यादा अच्छा रहेगा। लाल लिपस्टिक में रंग ज्यादा गाढ़ा करने के लिए लीड की ज्यादा मात्रा भी मिला दी जाती है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं।

मॉश्चराइजर

त्वचा में नमी बनाए रखने वाले मॉश्चरराइजर में ऐसे रसायन मिले होते हैं जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीन लेते हैं। अधिकतर मॉश्चरराइजर में डिटर्जेंट जैसे कई केमिकल मिले होते है जो आपकी त्वचा को काफी नुकसाच पहुंचाने के लिए पर्याप्त होते हैं।

काजल: काजल का ज्यादा प्रयोग आंखों से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकता है। काजल में मौजूद रसायन का आंखों से संपर्क होने पर आंखों में जलन, खुजली या पानी आने की समस्या हो सकती है।

नेलपॉलिश: कभी अपने नाखूनों पर हमेशा नेलपॉलिश ना लगाएं। इससे नाखूनों की प्राकृतिक चमक खो जाती है। डार्क रंग की नेलपॉलिश आपके नाखूनों पर धब्बे छोड़ सकती है और उनमें पीलापन ला सकती है।

टेल्कम पाउडर: टेल्कम पाउडर में सिलिकेट्स टेल्क पड़ा हुआ होता है, जो न केवल एक रासायनिक तत्व है बल्कि इसमें कैंसर कर देने वाले तत्व भी मौजूद होते है। इसके ज्यादा इस्तेमाल से एलर्जी और फेफड़ों में सक्रंमण होने का खतरा रहता है। टेल्क, बॉडी से मॉइश्चर को सोख लेता है और उसे ग्लो करता हुआ बना देता है, जो नुकसानदायक होता है।

ब्लीच क्रीम: ब्लीच क्रीम में रसायन होते है जो आपकी त्वचा की नमी को सोख लेते हैं और चेहरे की स्कीन में आने वाले ऑयल को भी सोख लेती है, वैसे यह ऑयल भी चेहरे पर आना जरूरी होता है। चेहरे पर आने ऑयल से त्वचा की नरमी बरकरार रहती है और झुर्रिया जल्दी नहीं होती है। इसके ज्यादा प्रयोग से बचें।

वैक्स: वैक्सिंग का उपयोग अनचाहे बालों को हटाने के लिए किया जाता है। लेकिन इसका उपयोग करने वाले विकसित बाल, लाल दाग व हल्की ब्लीडिंग जैसी समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं।

हेयर कलर और हेयर डाई

सफेद बालों को छिपाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले हेयर कलर और डाई में मौजूद रसायन आंखों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसके अलावा बालों का झड़ना, जलन होना, लाल चकत्ते होना, खुजली होना, चेहरे पर सूजन आ जाना और सांस सम्बंधी समस्या होना।

डियोड्रेंट्स

आपको पसीने की बदबू से निजात दिलाने वाले डियोड्रन्ट्स त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। शोध के मुताबिक, डिओडेंट्स में ऐसे कई रसायन मौजूद होते है जो आपकी त्वचा और शरीर को नुकसान पहुंचाते है। वास्तव में, डियोड्रेंट्स में एल्कोहल होता है जिसकी वजह से त्वचा में जलन और खुजली होती है।

न नहाने से शरीर पर होने वाले बदलाव

शाम को नियमित रूप से नहाने की आदत हैं लेकिन सर्दियों के आते ही उसको लगने लगा है कि क्यों न इस आदत में थोड़ा बदलाव किया जाये। नियमित रूप से नहाने के इस रूटिन में अगर मैं दो दिन नहीं नहाता, तो क्या फर्क पड़ता है। शाम की तरह बहुत से लोगों को ऐसा ही महसूस होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी भी समय, आप अपने शरीर पर आमतौर पर 1 हजार विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया और 40 प्रकार के फंगस कैरी करते हैं। हालांकि, यह सूक्ष्म जीव वास्तव में आपकी समग्र भलाई के लिए अच्छे होते हैं। या सीधे शब्दों में कहें, अच्छा बैक्टीरिया, बुरे बैक्टीरिया को दूर रखने के लिए हमारी मदद करता है। लेकिन दो दिनों तक नहाना छोड़ने से आपके शरीर में कुछ बदलाव होने लगते हैं आइए ऐसे ही कुछ बदलाव के बारे में जानें।

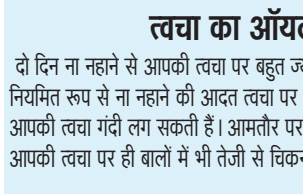

स्वास्थ्य को खतरा: ना नहाना से हानिकारक बैक्टीरिया शरीर पर बढ़ने लगते है, क्योंकि विभिन्न प्रकार के संक्रमण विशेष रूप से आपके मुंह, नाक या आंखों के माध्यम से शरीर के अंदर जाने का रास्ता खोज ही लेते हैं। और नियमित सफाई के अभाव में त्वचा साल्टी और ऑयली होकर विकृति और जलन पैदा कर सकती है।

खराब बैक्टीरिया के पनपने का डर: सीधे शब्दों में कहें, अच्छे बैक्टीरिया हमारे शरीर के बुरे बैक्टीरिया को दूर करते हैं। लेकिन अच्छे बैक्टीरिया को साबुन और शॉवर की मदद की जरूरत होती है। जब आप शॉवर छोड़ देते हैं तो पसीना ना आने के बावजूद आपको गंदे हो सकते हैं। पूरा दिन चीजों को छूने से खराब बैक्टीरिया को पनपने की जगह मिल जाती है।

शरीर से बदबू आना

आपको लगता है कि पसीना शरीर की बदबू का कारण बनता है, लेकिन वास्तव में इससे शरीर के प्रोटीन और फैटी एसिड का इस्तेमाल कर गैसे निकलती है। जो कम से कम 30 तरह की बदबू का कारण बन सकती है। हालांकि यह स्वास्थ्य के प्रति गंभीर मुद्दा नहीं हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से एक सामाजिक मुद्दा है। अगर आपमें बदबू आ रही है तो लोग आपसे बचने के उपाय खोजने लगेंगे।

त्वचा का ऑयली होना

दो दिन ना नहाने से आपकी त्वचा पर बहुत ज्यादा ऑयली हो जाती है, यानी नियमित रूप से ना नहाने की आदत त्वचा पर ऑयल को बढ़ा देती है जिससे आपकी त्वचा गंदी लग सकती हैं। आमतौर पर सफाई की उपेक्षा करने से आपकी त्वचा पर ही बालों में भी तेजी से चिकनाहट आने लगती है।

रेसिपी

लौकी का रायता

सामग्री

1 कप लौकी/दूधी, 1/4 कप स्लाइस प्याज, 1/4 चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च, 1 चम्मच बारीक कटी अदरक, 1 कप ताजी दही, 3 चम्मच रोस्ट और दरदरी पिसी मूंगफली, 1 चम्मच तेल, 1/2 चम्मच राई, 7 से 8 कड़ी पत्ते, नमक-स्वादअनुसार।

विधि

लौकी, प्याज, हरी मिर्च, अदरक और 3/4 कप पानी मिला कर एक नॉन स्टिक पैन में डाल कर ढक्कन लगा कर 10 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकाएं। इसे बीच बीच में चलाती रहें और जब पानी सूख जाए तब गैस बंद कर के इसे किनारे रख दें। फिर इस मिश्रण को एक बड़े कटोरे में दही, पिसी मूंगफली और नमक मिला कर किनारे रख दें। अब हम छौंकने की सामग्री तैयार करेंगे। इसके लिए एक नॉन स्टिक पैन में तेल गरम करेंगे और उसमें राई डालेंगे। उसके बाद इसमें कड़ी पत्ते डाल कर छौंक तैयार करेंगे। फिर इसे दही और लौकी के मिश्रण में मिला देंगे। आपका लौकी रायता तैयार हो चुका है, इसे गरमा गरम खाने के साथ सर्व करें।

लजानीया

सामग्री

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिये: 1/2 कप लाल शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप हरी शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप बीज निकाले हुए टमाटर के टुकड़े, 1 टेबल-स्पून जैतून का तेल 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, 1 1/2 कप व्हाईट सॉस, 1 कप पिज्जा सॉस, 4 हुए लजानीया शीट, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज।

विधि

रोस्टड वेजिटेबल्स के लिये: एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेंड तक भुनें। लाल और हरी शिमला मिर्च के टुकड़े और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धिमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। टमाटर, ऑरेगानो, लाल मिर्च के फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रखें। आगे बढ़ने की विधी ,रोस्टड वेजिटेबल्स् और व्हाईट सॉस को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रख दें। बेकिंग डिश के बेस पर 1/2 कप पिज्जा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और सॉस के उपर समान अंतर पर 2 लजानीया शीट रखें। व्हाइट सॉस-रोस्टड वेजिटेबल्स् के मिश्रण को डालकर फैला लें और इसके उपर 1/4 कप पिज्जा सॉस फैलाकर उपर और 2 लज़ानीया शीट्स् रखें। बचा हुआ 1/4 कप पिज्जा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और उपर अच्छी तरह से चीज छिड़के। पहले से गरम अवन में लजानीया को 8 मिनट के लिए बेक करें या माईक्रोवेव में उच्च पर 2 मिनट के लिए पका लें। गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

कांग्रेस बनाम वाम मोर्चा

इतिहास में झांकें, तो कांग्रेस और खासकर सीपीएम दोनों दुश्मन भी रहे हैं और अवसरवादी मित्र भी रहे हैं। प्रसंगवश 2004 का उल्लेख करता हूं। कांग्रेस 145 सीटें जीत कर लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा 138 सीटें ही जीत पाई थी। अर्थात जनादेश त्रिशंकु था, लिहाजा खिचड़ी सरकार ही बननी थी। उस लोकसभा में वामदलों के कुल 61 सांसद जीत कर आए थे। यह उस दौर में वाम की सबसे शानदार और बड़ी चुनावी जीत थी। तत्कालीन सीपीएम महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने मध्यस्थता की और कांग्रेस के नेतृत्व में, भाजपा-विरोधी दलों को जोड़ कर, यूपीए का गठन किया। सोनिया गांधी को उसका अध्यक्ष बनाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए और सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर का पद देकर वाममोर्चे को नवाजा गया। परोक्ष रूप से तब केंद्र में वाममोर्चे की ही सरकार थी, क्योंकि सभी महत्वपूर्ण निर्णय वाममोर्चे की सहमति से ही लिए जाते थे। कांग्रेस-वाम मित्रता की यह मिसाल कुछ और राज्यों में भी देखी गई, जहां दोनों ही दल विपक्षी गठबंधन के घटक थे। बंगाल, केरल, त्रिपुरा में वाम और कांग्रेस के बीच राजनीतिक शत्रुता बनी रही। केरल में तो दो ही मोर्चे सक्रिय रहे-वामदलों के नेतृत्व वाला फ्रंट तथा कांग्रेस नेतृत्व वाला यूनाइटेड फ्रंट। दोनों ही दल और मोर्चे मौजूदा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के भी औपचारिक घटक हैं। यूपीए के आखिरी दौर में 'परमाणु करार' के मुद्दे पर मनमोहन सरकार से वाममोर्चे ने समर्थन वापस ले लिया, लेकिन तब मुलायम सिंह यादव की सपा और अन्य सांसदों के समर्थन से सरकार बची थी, लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद जो भी विपक्षी गठबंधन बना, उसमें कांग्रेस और वामपंथी दोनों ही रहे। चूंकि अब लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है, लिहाजा बंगाल, केरल और त्रिपुरा में दोनों ही पक्ष 'कट्टर प्रतिद्वंद्वी' की भूमिका में हैं। केरल तो कांग्रेस के लिए चुनावी जीवन-रेखा है। 2019 के आम चुनाव में केरल में कांग्रेस नेतृत्व के यूनाइटेड फ्रंट ने 20 में से 19 सीटें जीत कर वाम को ध्वस्त कर दिया था। वाम का एकमात्र सांसद चुना गया था। हालांकि तमिलनाडु में वाममोर्चे के 2 सांसद चुने गए थे। कांग्रेस के कुल 52 सांसद चुने गए थे, जिसमें केरल के 15 सांसद थे। इस बार वाममोर्चा यूं ही हथियार डालने को तैयार नहीं है, लिहाजा शब्दों और अलंकारों की लड़ाई शुरू हो गई है। कांग्रेस और वाम एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने की राजनीति कर रहे हैं। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को केरल में भी है। मुख्यमंत्री पी. विजयन ने फरवरी में ही कांग्रेस की तीखी आलोचना करते हुए चुनाव-प्रचार शुरू कर दिया था। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा को 'एकाधिकारवादी' करार दिया। इस बार वायनाड की सीट पर राहुल गांधी का चुनाव भी आसान नहीं है। उनके खिलाफ सीपीआई की उम्मीदवार एनी राजा को उतारा गया है, जो सीपीआई महासचिव डी. राजा की पत्नी हैं और राजनीतिक तौर पर खूब सक्रिय रही हैं। वाम की पूरी सरकार उनके साथ प्रचार में व्यस्त है। केरल के नेता 'अमूल बेबी' नामक आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, तो कांग्रेस भी पीछे नहीं है। क्या ऐसी ही चुनावी प्रतिद्वंद्विता को 'मैत्री-लड़ाई' कह सकते हैं? मुख्यमंत्री और राहुल गांधी एक-दूसरे पर बंदूक ताने सक्रिय हैं। वाममोर्चे की लोकप्रियता और स्वीकार्यता लगातार घट रही है। 2019 में सीपीएम ने 69 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन मात्र 3 ही सांसद जीत कर संसद तक पहुंच पाए। मात्र 2 फीसदी वोट मिले, जो सबसे कम रहा है। इस बार सीपीएम केरल में ही 15 सीटों पर लड़ रही है, जबकि बंगाल में 23 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। केरल 'मरो या मारो' की स्थिति में है। बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस और वाम जिस तरह 'मैत्री-लड़ाई' की आड़ में चुनाव लड़ रहे हैं, उसकी प्रासंगिकता क्या है? क्या उससे भाजपा को ही फायदा नहीं होगा? विपक्ष में वामपंथी और कांग्रेसी लड़ रहे हैं। चुनाव के निष्कर्ष का आकलन यहीं से किया जा सकता है।

प्रसंगवश 2004 का उल्लेख करता हूं। कांग्रेस 145 सीटें जीत कर लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा 138 सीटें ही जीत पाई थी। अर्थात जनादेश त्रिशंकु था, लिहाजा खिचड़ी सरकार ही बननी थी। उस लोकसभा में वामदलों के कुल 61 सांसद जीत कर आए थे। यह उस दौर में वाम की सबसे शानदार और बड़ी चुनावी जीत थी। तत्कालीन सीपीएम महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने मध्यस्थता की और कांग्रेस के नेतृत्व में, भाजपा-विरोधी दलों को जोड़ कर, यूपीए का गठन किया। सोनिया गांधी को उसका अध्यक्ष बनाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए और सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर का पद देकर वाममोर्चे को नवाजा गया। परोक्ष रूप से तब केंद्र में वाममोर्चे की ही सरकार थी, क्योंकि सभी महत्वपूर्ण निर्णय वाममोर्चे की सहमति से ही लिए जाते थे।

वर्ष 2000 तक भारत का दवा निर्माण क्षेत्र लगभग पूरी तरह से आत्मनिर्भर था

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता दवा क्षेत्र

डा. अश्वनी महाजन

वर्ष 2000 तक दवा निर्माण के क्षेत्र में जिन एपीआई की आवश्यकता होती थी, वे अधिकांशत: भारत में ही निर्मित होते थे। देश में इनके निर्माताओं में आवश्यक प्रतिस्पर्धा भी थी, जिसके कारण दवा निर्माताओं को देश में एपीआई आसानी से और उचित कीमत पर उपलब्ध होते थे। इसके कारण देश का दवा उद्योग न केवल तेजी से आगे बढ़ रहा था, बल्कि दुनियाभर के लोगों को उचित कीमत पर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में भी समर्थ था। चीन ने एक षड्यंत्र के तहत भारत के एपीआई क्षेत्र को तबाह करना शुरू किया।

लंबे समय से चीन पर निर्भर भारत के फार्मा क्षेत्र को अब कुछ राहत मिलने लगी है। कारण है आत्मनिर्भर भारत अभियान। गौरतलब है कि वर्ष 2000 तक भारत का दवा निर्माण क्षेत्र लगभग पूरी तरह से आत्मनिर्भर था। दवा निर्माण में जो आवश्यक सामग्री इस्तेमाल होती है, उसे एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स, यानी एपीआई के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2000 तक दवा निर्माण के क्षेत्र में जिन एपीआई की आवश्यकता होती थी, वे अधिकांशतः भारत में ही निर्मित होते थे। देश में इनके निर्माताओं में आवश्यक प्रतिस्पर्धा भी थी, जिसके कारण दवा निर्माताओं को देश में एपीआई आसानी से और उचित कीमत पर उपलब्ध होते थे। इसके कारण देश का दवा उद्योग न केवल तेजी से आगे बढ़ रहा था, बल्कि दुनियाभर के लोगों को उचित कीमत पर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में भी समर्थ था। चीन ने एक षड्यंत्र के तहत भारत के एपीआई क्षेत्र को तबाह करना शुरू किया। चीन से आने वाले एपीआई को अत्यंत ही कम कीमतों पर भारत में भेजा जाने लगा। इसका असर यह हुआ कि भारत का एपीआई उद्योग प्रतिस्पर्धी नहीं रहा और हमारी एपीआई इकाइयां धीरे-धीरे करके बंद होने लगी। एक उदाहरण से यह बात स्पष्ट की जा सकती है। एमोक्सीसाइक्लिन नाम की एंटीबायोटिक दवा, एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट पेनीसिलिन-जी से व्युत्पन्न उत्पाद है। पेनीसिलिन-जी नाम की एपीआई भारत में पर्याप्त मात्रा में बनती थी और उसका अंतरराष्ट्रीय मूल्य लगभग 22 डॉलर प्रति किलोग्राम था। लेकिन चीन ने इस एपीआई की डंपिंग 9 डॉलर प्रति किलो से भी कम पर करनी शुरू कर दी। इसके कारण भारत की इस एपीआई को बनाने वाली इकाइयां बंद हो गईं। उसके बाद चीन ने इसी एपीआई को पहले दोगुणा और फिर चार गुणा कीमत पर बेचना शुरू कर दिया। किसी विकल्प के अभाव में भारत की दवा कंपनियों को यह एपीआई, चीन द्वारा निर्धारित कीमत पर खरीदना जरूरी हो गया। लगभग यही स्थिति अन्य एपीआई की भी रही और कई एपीआई पूर्व से 10 से 20 गुणा कीमत पर भी बेचे जाने लगे। उदाहरण के लिए फॉलिक एसिड, जो विटामिन की दवा बनाने के काम आता है, की कीमत 13 गुणा से भी ज्यादा बढ़ा दी गई थी। ऐसी स्थिति दवाओं के लगभग सभी एपीआई के संदर्भ में थी। कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि कोरोना काल में देखी गई और यह समझ में आना शुरू हुआ कि देश में एपीआई उद्योग की पुनर्स्थापना, केवल

दवा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए या दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए ही नहीं, बल्कि देश में स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। यह सर्वविदित ही है कि चीन भारत के साथ शत्रुतापूर्ण संबंध रखता है, इसलिए दवा के लिए आवश्यक सामग्री हेतु चीन पर निर्भर नहीं किया जा सकता। एपीआई में आत्मनिर्भरता : मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन सभी वस्तुओं, जिनका उत्पादन चीन और अन्य देशों द्वारा डंपिंग के कारण बाधित हो गया था, के उद्योगों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से और देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और विदेशों पर निर्भरता को समाप्त करने के उद्देश्य से, आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की। प्रारंभिक तौर पर इसके लिए जिन वस्तुओं की 13 श्रेणियों को चिन्हित किया गया, उनमें एपीआई भी शामिल थे। आत्मनिर्भरता हेतु अपनाए गए उपायों में से एक महत्वपूर्ण उपाय को उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के रूप में जाना जाता है। गौरतलब है कि एपीआई क्षेत्र के लिए इस पीएलआई स्कीम में 41 उत्पाद शामिल किए गए, जिनमें मधुमेह, तपेदिक, स्टेरॉयड और एंटीबायोटिक्स के लिए दवाओं पर विशेष आग्रह रखा गया, और उसके लिए 20000 करोड़ रुपए की राशि प्रस्तावित की गई। यह योजना 21 जुलाई 2020 को अधिसूचित की गई। हर्ष का विषय यह है कि यह योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने लगी है और देश दवा उद्योग के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। उदाहरण के लिए पेनिसिलिन-जी, जिसका भारत में उत्पादन बंद हो गया था, जिसके कारण भारतीय उद्योगों से इस एपीआई की ऊंची कीमत वसूली जा रही थी, अब उसके उत्पादन हेतु ऑरविन्दो फार्मा लिमिटेड, टोरेंट फार्मास्यूटिकल आदि कंपनियों ने इसकी उत्पादन इकाइयां शुरू कर दी हैं और माना जा रहा है कि ऑरविन्दो फार्मा इस पेनिसिलिन-जी एपीआई का उत्पादन अप्रैल, 2024 में और टोरेंट जून-जुलाई 2024 में शुरू कर देगा। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया का यह कहना है कि पीएलआई योजना और अन्य प्रयासों के कारण आज भारत अधिकांश एपीआई में आत्मनिर्भरता हासिल कर चुका है, जिसके कारण चीन पर निर्भरता कम हुई है। सितंबर 2023 तक पीएलआई स्कीम के तहत फार्मा कंपनियों को 4000 करोड़ रुपए और मेडिकल उपकरणों के लिए 2000 करोड़ रुपए के निवेश की अनुमति दी जा चुकी थी। इसके अलावा केन्द्र ने 3000 करोड़ रुपए की लागत से तीन बल्क (थोक) ड्रग पार्कों का निर्माण किया है। घटने लगी हैं कीमतें : जैसे-जैसे एपीआई के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के सुपरिणाम आने लगे हैं, वैसे-वैसे एपीआई की कीमतें भी घटने लगी हैं। फार्मा उद्योग के जानकार बता रहे हैं कि एपीआई की कीमतों में कोविड के समय से अभी तक 50 प्रतिशत की कमी आई है। इसमें से सबसे तेज गति से कमी पिछले दो महीनों में ही आई है। समझा जा सकता है कि कोविड काल में जब एपीआई के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रयास शुरू हुए थे, अब वे फलीभूत होना शुरू हुए हैं। इकॉनोमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार बुखार की दवा पैरासिटामोल के एपीआई की कीमत जो कोविड काल में 900 रुपए प्रति किलो पहुंच गई थी, वह घटकर अब मात्र 250 रुपए प्रति किलो रह गई है। उसी प्रकार अस्थमा की दवा मॉनटैलूकास्ट सोडियम 45000 रुपए प्रति किलो से घटकर मात्र 28000 रुपए प्रति किलो रह गई है। एंटीबायोटिक मेरोपिनेम की एपीआई की कीमत 75000 रुपए प्रति किलो से घटकर 45000 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। जानकारों का मानना है कि भारत में एपीआई उत्पादन में उठाव के चलते चीन का दवा (एपीआई और मध्यवर्ती उत्पाद समेत) कार्टेल पिछले छह महीने में टूट चुका है। शायद चीन को इस बात का आभास नहीं था कि भारत इतनी बड़ी तादाद में अपने दवा उद्योग को पुनर्जीवित करेगा। इसलिए उसने दुनिया भर के दवा उद्योग पर कब्जा जमाने की दृष्टि से अतिरिक्त क्षमता का निर्माण कर लिया था। अब ऊंची क्षमता के कारण चीन में एपीआई की आपूर्ति बहुत अधिक बढने के कारण कीमतों में कमी स्वाभाविक परिणाम है। गौरतलब है कि वर्ष 2021-22 में भारत द्वारा एपीआई के आयात में भारी वृद्धि हुई थी।

दृष्टि कोण

देश के लिए शहादत और बलिदान का महीना

भारत के इतिहास में अप्रैल का महीना ब्रिटिश राज द्वारा जलियांवाला में हुए नर संहार के लिए काले में पन्नों में दर्ज है तो यही महीना पेशावर में चन्द्र सिंह गढ़वाली और उनके मातहत सैनिकों द्वारा अपने जीवन और नौकरी की परवाह न करते हुए निहत्थे पठानों को बचाने तथा स्वाधीनता आन्दोलन के महायज्ञ में दी गई आहुति के लिए भी याद रखा जाएगा। भले ही आज पेशावर पाकिस्तान में है मगर गढ़वाली सैनिकों के साहस और जज्बे की मिसाल उस जमीन पर सदैव अक्षुण रहेगी। पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर और ब्रिगेडियर जनरल (अस्थाई प्रमोशन) रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर द्वारा अमृतसर के स्वर्णमंदिर के निकट स्थित जलियांवाला बाग में किया गया नरसंहार इसी अप्रैल के महीने की 13 तारीख को हुआ था जिसमें सरकारी तौर पर 379 लोगों के मारे जाने और लगभग 1200 के घायल होने की पुष्टि बाद में की गई मगर स्वतंत्र इतिहासकारों के अनुसार इस क्रूरतम नरसंहार में 500 से अधिक लोग मारे गए, जबकि हजारों अन्य घायल हुए जिनमें लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर का 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में गोली मारकर वध करने वाला महान क्रांतिकारी उधमसिंह भी शामिल था। सन 1930 में इसी अप्रैल महीने की 23 तारीख को चन्द्रसिंह गढ़वाली के नेतृत्व में गढ़वाली सैनिकों ने पेशावर में सीमान्त गांधी के नाम से पुकारे जाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल गफ्फार खान के समर्थन में जुटे पठानों पर गोलियां बरसा कर नर संहार करने से साफ इंकार कर दिया था। इस विद्रोह में इन सैनिकों को मृत्यु दण्ड से तो बचा लिया गया मगर विभिन्न जेलों में उन्हें लम्बी सजाएं अवश्य भुगतनी पड़ी। 23 अप्रैल, 1930 के पेशावर कांड में गोलीबारी के आदेश दने वाला कमांडिंग ऑफिसर जॉर्ज हर्बर्ट एडवर्ड पर्सी हैमंड था जो वहां ब्रिटिश सेना का क्षेत्रीय कमांडर था। उसने निहत्थे आन्दोलनकारी पठानों पर गोलीबारी से इंकार करने के बाद गढ़वालियों के हथियार छीनकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था और गोलियां चलाने के लिए दूसरी टुकड़ी को आदेश दे दिया था। गढ़वाली सैनिकों की गिरफ्तारी के बाद पेशावर शहर तथा थाने के पास गोलीबारी में अनेक लोग अवश्य मरे मगर जलियांवाला नरसंहार की पुनरावृत्ति अवश्य रुक गई। इस कांड से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को और बढ़ावा मिला। इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा पेशावर कांड की जांच के लिए

गठित वी.जे, पटेल की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार 23 अप्रैल 1930 के पेशावर कांड में पुलिस और सेनिक टकड़ी द्वारा फायरिंग की घटनाओं में कम से कम 20 आन्दोलनकारी मारे गए तथा 21 घायल हुए थे। रिपोर्ट में अपुष्ट स्रोतों से मरने वालों की संख्या काफी अधिक बताई गई, साथ ही उन्हीं अपुष्ट स्रोतों ने कमेटी को पुलिस द्वारा शवों को गायब करने और घायलों के सामने न आने की बात भी बताई। जांच कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार गिरफ्तारी के डर से कई घायल आन्दोलनकारी अस्पताल नहीं गये जिस कारण घायलों की सही संख्या का पता नहीं चल सका। दोनों घटनाएं ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा ब्रिटिश शासन के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे भारतीय नागरिकों के खिलाफ हिंसक बल का उपयोग करने के उदाहरण थीं। दोनों ही मामलों में निहत्थे नागरिकों को ब्रिटिश सेना द्वारा निशाना बनाया गया। इन दोनों ही घटनाओं में बड़ी संख्या में निहत्थे नागरिक मारे गये या घायल हुए। जलियांवाला बाग हत्याकांड में सैकड़ों लोगों की मौत हुई, जबकि पेशावर कांड में भी कई नागरिक मारे गए और घायल हुए। मगर गढ़वाली सैनिकों के विद्रोह के कारण भारी खून-खराबा नहीं हो सका। दोनों घटनाओं से भारतीयों में व्यापक आक्रोश और निंदा हुई, जिससे ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ गया। जलियांवाला बाग नरसंहार पंजाब के अमृतसर में दो राष्ट्रवादी नेताओं, डॉ. सत्यपाल और डॉ. सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी और निर्वासन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ था। जबकिपेशावर कांड, जो अब पाकिस्तान में है, 'फ्रंटियर गांधी' के नाम से जाने जाने वाले एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता अब्दुल गफ्फार खान की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। जलियांवाला बाग हत्याकांड का नेतृत्व मुख्य रूप से पंजाब के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किया था।

कुछ अलग

अंधे अंधा ठेलिया...

एक समय की बात है। ज़ोम्बीद्वीप में एक बुद्धिमान, न्यायप्रिय और संवेदनशील राजा राज्य करता था। देश में राजशाही के बावजूद लोकतंत्र में उसकी गहन आस्था थी। उसने एक संविधान के निर्माण के बाद उसे न केवल लागू करवाया बल्कि उसकी रक्षा के लिए क़ानून भी बनाया। देश का नाम भले ही ज़ोम्बीद्वीप था, परन्तु उसके लोग ज़ोम्बी नहीं थे। देश बहुधर्मी था और सभी धर्मों के लोग आपस में बड़े प्रेम, भाईचारे और सौहार्द से रहते। राजा का एक लडक़ा था। देखने में साधारण होने के बावजूद वह अपने आपको धर्मेन्द्र से कम नहीं समझता। आत्ममुग्धता का शिकार राजकुमार दिन में दस बार कपड़े बदलता। वह स्वभाव से मनमौजी, अक्ल से साधारण और नीयत से बेईमान था। झूठ बोलने में उसे विशेष आनन्द आता। धीरे-धीरे उसने झूठ बोलने में इतनी महारत हासिल कर ली थी कि वह दिन में एक ही व्यक्ति को दस बार मूर्ख बना सकता था। बूढ़े होते राजा ने शासन की बागडोर अपने बेटे को सौंपना चाही। परन्तु उसके खिलंदड़ स्वभाव से परेशान राजा ने सम्पूर्ण राजपाट सौंपने की बजाय पहले उसे युवराज घोषित किया। उसने सोचा कि जब राजकुमार शासन की बारीकियां सीख जाएगा तब उसे राजा घोषित करने के बाद वह जंगल की राह पकड़ लेगा। झूठ बोलने में माहिर युवराज ने अपने पिता को यह विश्वास दिला दिया कि पूरी दुनिया में ज़ोम्बीद्वीप का डंका बज रहा है। राजा ने 'सब चंगा है' सोच कर जंगल की राह पकड़ ली। युवराज ने राजा बनने के बाद अपने मनमौज़ी स्वभाव के अनुरूप प्रजा को हांकना शुरू कर दिया। देश के सभी अमीर सेठ उसके लंगोटिया यार थे, जो केवल अपना मुनाफा कूटने में मस्त रहते। फलस्वरूप देश में बेरोजग़ारी और महंगाई बढने लगी, कृषि उत्पादन गिर गया और देश की आर्थिकी डगमगाने लगी। इसके बावजूद राजा अपने आपको महान सिद्ध करने के लिए अपने पुरखों को गरियाते हुए राज्य की परिसम्पत्तियां बेचता रहता। उसकी देखादेखी प्रजा भी झूठ बोलने लगी। लोकतांत्रिक आदर्शों और मूल्यों को लतियाते हुए प्रजा ने विधर्मियों और कमज़ोर वर्गों को मारना-पीटना शुरू कर दिया। पर मौज-मस्ती में मगन रहने वाला राजा इतना झूठ बोलता कि धीरे-धीरे उसे यक़ीन होने लगा कि वह राजा हरीशचंद्र है। नारसिस्ट होने के अलावा अब वह मिथोमैनिक भी हो गया था। तुकबंदी में माहिर नए राजा ने लोगों को सपने बेचना शुरू कर दिए। राजा के वस्त्र विन्यास, साज-सज्जा और वृक्तता से अभिभूत बहुसंख्यक वर्ग के अधिकांश लोग उसके अंधभक्त हो गए। लेकिन अभी भी कुछ कथित बुद्धिजीवी थे, जो राजा की हाँ में हाँ मिलाने को तैयार नहीं थे। नारसिस्ट, मिथोमैनिक और खिलंदड़ राजा के दिल में अमर होने की चाह टमाटर और प्याज़ की पैदावार कम होने पर क़ीमतों में होने वाली वृद्धि की तरह आसमानी उछाल मार रही थी। वह उठते-बैठते सोचता कि इन बुद्धिजीवियों से कैसे पार पाया जाए। उसे परेशान देखकर उसके महामंत्री ने सलाह दी कि अक्ल से अंधे जो लोग पहले ही उसके साथ हैं, उनके साथ कुछ ख़ास करने की ज़रूरत नहीं। बस राष्ट्रवाद के नाम पर छद्म शत्रु, विधर्मियों और कमज़ोरों को गरियाते हुए अंधभक्तों को सुनहरे सपने बेचने हैं। ख़ाली जेबों के बावजूद राष्ट्रवाद के नाम पर ये अंधभक्त अपनी जान तक देने की बात करने लगेंगे। महामंत्री की सलाह मानते हुए राजा ने विरोधी बुद्धिजीवियों को बिना मुक़द्दमों के जेल में डालना शुरू कर दिया। कुछ विरोधी बुद्धिजीवियों को अंधभक्तों ने राष्ट्रविरोधी बताते हुए सडक़ों पर मार दिया। इसके बाद उन्हें बौद्धिक रूप से अंधा बनाने के लिए गोदी माडिया के माध्यम से फेक न्यूज़ के जो छप्पन भोग परसे जाते, उनमें राजा के वैश्विक चक्रवर्ती सम्राट होने, समस्त ब्रह्मांड में उसका डंका बजने, राष्ट्र का अग्रणी होना आदि शामिल थे। राजा को अब पूरा यक़ीन हो गया था कि अब उसे अमर होने से कोई नहीं रोक सकता।

देश दुनिया से

बेसहारा गोवंश को आश्रय दे प्रदेश सरकार

ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गउएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण जी ने द्वापर युग में खुद गऊओं की सेवा की। इसलिए उनका एक नाम श्री गोपाल आज भी संसार भर में प्रसिद्घ है। भगवान ने मानव जाति को गाय वरदान स्वरूप दी थी, लेकिन आज का स्वार्थी मानव गाय को आफत समझ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब गाय के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। जब गाय नहीं होगी तो किसान नहीं होगा। जब किसान नहीं होंगे तो गांव भी नहीं होंगे। जब गांव नहीं होंगे तो देश नहीं होगा। धीरे-धीरे तेल के भंडार कम हो रहे हैं।

भारतीय सभ्यता में गाय को सदैव देवी माता स्वरूप माना जाता है। भारत में गोपालन की प्राचीन काल से ही परंपरा रही है। इसलिए उस समय घी, दूध और दही की नदियां बहती थीं। ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गउएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण जी ने द्वापर युग में खुद गऊओं की सेवा की। इसलिए उनका एक नाम श्री गोपाल आज भी संसार भर में प्रसिद्घ है। भगवान ने मानव जाति को गाय वरदान स्वरूप दी थी, लेकिन आज का स्वार्थी मानव गाय को आफत समझ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब गाय के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। जब गाय नहीं होगी तो किसान नहीं होगा। जब किसान नहीं होंगे तो गांव भी नहीं होंगे। जब गांव नहीं होंगे तो देश नहीं होगा। धीरे-धीरे तेल के भंडार कम हो रहे हैं। जब तेल खत्म हो जाएगा, तब खेती के लिए बैलों की जरूरत होगी, लेकिन क्या तब तक बैल बच पाएंगे? खेद है कि 33 करोड़ देवी-देवताओं को धारण करने वाली, पंचगव्य देने वाली, सूतक-पातक से बचाने वाली गाय माता आज जूठन खा रही है, पत्थर व डंडे खा रही है। भाईयो व बहनो, जिस घर में, जिस गांव में संतान के कारण मां रोती है, वहां पर कभी कल्याण नहीं हो सकता है। गाय मां है और बैल धर्म है। गाय के पंचगव्य से अनेकों प्रकार की औषधियां बनती हैं। गऊ पूजन व गौदान का विशेष महत्त्व होता है। भैंस पूजन का महत्व नहीं है। प्रातः उठकर गाय के शरीर पर हाथ फेरो, परिक्रमा करके चरण वंदना करो तथा एक मु_ी घास या एक रोटी गाय को हर रोज दें, ऐसा करने से प्रभु के अवश्य दर्शन होते हैं। रोगी गाय को औषधि व सेवा करने वाला व्यक्ति रोगमुक्त हो जाता है। वर्तमान में गोबर से निर्मित वस्तुएं, यथा आभूषण, राखी, झूमर, मूर्तियां, गमले एवं नेम प्लेट सर्वाधिक चलन में हैं। अगर हम हिमाचल प्रदेश की वर्तमान स्थिति की बात करें तो यहां पर गौवंश की स्थिति ठीक नहीं है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस समय में लगभग 10000 से अधिक गौवंश बेसहारा चारे तथा पानी की तलाश में इधर से उधर धक्के खा रहे हैं, जो हमारे देवभूमि के लोगों के लिए बड़े ही दुःख और शर्म की बात है। पूर्व में रहे ग्रामीण पशुपालन मंत्री श्री वीरेंद्र कंवर और पूर्व मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश गौसेवा आयोग की स्थापना करके इन बेसहारा गौवंश को आश्रय देने के लिए प्रदेश में कई स्थानों पर बड़ी-बड़ी गऊ सैंक्चुरी और गौशालाओं की स्थापना करके बड़ा साहसिक और नेक कार्य किया है। लेखक ने सरकार के वर्तमान कृषि एवं पुशपालन मंत्री को 14.11.2023 को बेसहारा गौवंश के लिए गौसेवा आयोग द्वारा गौशालाएं व गऊ सैंक्चुरी बनाने तथा गौसेवकों की भर्ती करने बारे कुछ सुझाव एक पत्र द्वारा भेजे थे तथा उस पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, पीडब्ल्यूडी मंत्री तथा अन्य को भी भेजी थी। मुख्य जरूरी सुझाव ये हैं : एक, इस समय प्रदेश में जो लगभग 10000 से ज्यादा बेसहारा गौवंश हैं, इनकी सेवा के लिए गौसेवा आयोग प्रत्येक जिले के प्रत्येक विकास खंड में तीन-तीन बड़ी गौशालाएं बनाएं, ताकि इन अभागे पालतू छोड़े हुए बेसहारा गौवंश को इनका खोया हुआ रैन-बसेरा दोबारा मिले सके। दो, इन 10000 बेसहारा गौवंश की सेवा के लिए गौसेवा आयोग 1000 गौसेवकों की भर्ती करे, यानी प्रत्येक 10 गौवंश पर एक गौसेवक नियुक्त हो, जिसकी तनख्वाह प्रति महीना 6000 रुपए हो तथा साथ में मुफ्त रिहायश और भोजन की व्यवस्था हो। तीन, इन गौसेवकों को आठ या दस साल बाद की सेवा के बाद प्रदेश सरकार अपने विभागों या बोर्डों में चतुर्थ श्रेणी कर्मियों में नियुक्त करने का प्रबन्ध करे। चार, जितने भी लोगों ने प्रदेश में गाय या बैल पाल रखे हैं, उन सबकी रजिस्ट्रेशन होनी चाहिए यानी उन सबके गौवंश कार्ड बनाए जाने चाहिएं, जैसे आदमियों के राशन कार्ड बनाए जाते हैं। यह कार्य पशुपालन विभाग द्वारा पंचायतों के सहयोग से किया जाना चाहिए। पांच, अगर कोई पशुपालक अपने गौवंश को बेसहारा छोड़ता है तो ऐसे पशुपालक को पहली बार 15000 रुपए, दूसरी बार 20000 रुपए और तीसरी बार 25000 रुपए और एक साल की सजा भी होनी चाहिए। छह, प्रदेश सरकार राज्य में गोमूत्र आधारित कोई बड़ी आयुर्वेदिक फार्मेसी स्थापित करे ताकि गौवंश पालने वालों को आर्थिक सहायता भी मिल सके और प्रदेश की जनता को आयुर्वेदिक औषधियां भी मिल सके। सात, पशुपालकों को बढिया बैल पालने पर गौसेवा आयोग द्वारा सालाना लगभग 6000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जानी चाहिए। आठ, जो शामलात भूमि सरकार के पास वनों के साथ है, वहां सरकार उस भूमि का अधिग्रहण करके या किसानों से बंजर भूमि लेकर गौशालाएं बनाए। नौ, सरकार शराब की बिक्री से अढ़ाई रुपए प्रति बोतल की सैस को बढ़ाकर 10 रुपए प्रति बोतल के हिसाब से गौ कल्याण कोष के लिए निर्धारित करे। दस, प्रदेश सरकार बड़े मंदिर ट्रस्टों की आमदन के 15 प्रतिशत हिस्से को बढ़ाकर 25 प्रतिशत गौ कल्याण कोष के लिए निर्धारित करे।

आप का नजरिया

सादगी से दूर सियासत

पहली बार हिमाचल में सियासत ने ग्लैमर की राह पर अपना कद देखना शुरू किया है, ऐसा भी नहीं, लेकिन चुनाव की दहलीज अब कीमत मांगती है। राजनीति में सादगी या सादगी में राजनीति के तरकश में अब तीर कहां। ऐसे में पके पकाए नेताओं के घर में ग्लैमर की संभावना बढ़ गई है। सोशल मीडिया की मर्जी या बेहतर इस्तेमाल से जो नेता अपना आभामंडल बना पा रहे, उन्हें कबूल करने के तर्क बढ़ जाते हैं। मसलन मंडी संसदीय सीट में राज परिवार का ग्लैमर सिर चढक़र बोला है, तो प्रतिभा सिंह की पिछली जीत का मतलब पार्टी राजनीति से कहीं ऊपर देखा गया। इस बार परिवार के ग्लैमर में बेटा बाजी मार रहा है, तो मानना पड़ेगा कि विक्रमादित्य सिंह का इकबाल मां से भारी है। सामने फिल्मी पर्दे और हकीकत के बीच कंगना का अवतार हिमाचल की परीक्षा में उतर आया है। यकीनन प्रदेश और देश की राजनीति में इतना तो फर्क है कि चर्चाओं का मुकाबला ग्लैमर की चोंच से होने लगा है। देश में फिल्मी कलाकारों ने राजनीति को हमेशा ग्लैमर का तडक़ा दिया, लेकिन इस बार हिमाचल के परिदृश्य में बेटी और राजकुमार के बीच सामाजिक हालात और परिपक्वता का अनूठा इम्तिहान है। हिमाचल के नेताओं का आभामंडल देश की प्रवृत्ति से भिन्न है। यहां समाज का चयन परंपराओं से होकर गुजरता है और इसीलिए कंगना ने भाषा और पहरावे में पहाड़ी होने का कलात्मक प्रभाव चुना। वह मंडी संसदीय सीट की विरासत में अपने हक की सियासत में संस्कृति चस्पां कर रही है। यूं तो कई बार टोपियां उलझी हैं और धूमल बनाम वीरभद्र सिंह के दौर में हरे और लाल रंग के बीच कई दीवारें उभर आई थीं, तो मेजर विजय सिंह मनकोटिया तिरंगनी खोज लाए थे। स्व. वाईएस परमार ने सिरमौर के पारंपरिक लोइया को राजनीतिक परिधान बना दिया था, तो पहाड़ीपना कई बार क्षेत्रवाद में उलझ गया। अपनी-अपनी ड्रेरस सेन्स के बदौलत वीरभद्र सिंह व शांता कुमार का ठसक अंदाज रहा है और ये नेता ग्लैमरस भी दिखाई दिए। धूमल पुत्र सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर क्रिकेट से संसद तक के ग्लैमर में ब्रांड एंबेसडर माने जाते हैं। फतेहपुर के पूर्व विधायक एवं विधायक भवानी सिंह पठानिया के पिता सुजान सिंह पठानिया अपनी मूंछों के स्टाइल और बहस में पहाड़ी बोली के कारण हमेशा सुने गए। शांता कुमार ने राष्ट्रीय भाषा हिंदी की गरिमा में संबोधन की कला को इतना परिमार्जित किया कि हिमाचल से एकमात्र यही नेता रहे, जिन्हें सुनने के लिए राष्ट्रीय मीडिया कर्मी भी इंतजार करते रहे। ग्लैमर के एकदम विपरीत साधारण और पर्वतीय संघर्ष के प्रतीक बने जयराम ठाकुर के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू का अंदाज अपनी कहानी के आकर्षित पात्र बनने में काफी हद तक सफल रहे हैं। सुखविंदर सिंह सुक्खू की आल्टो गाड़ी का प्रदर्शन शिमला की राजनीति में जो मीलपत्थर खोज रहा है, उसके पीछे भावना यही है कि ग्लैमर के बिना भी राजनीति की हस्ती लाल बहादुर शास्त्री की तरह तरल व सरल हो सकती है। यह दीगर है कि हिमाचल की राजनीति नेताओं को कडक़ नहीं होने देती और न ही सरकारों को कड़वे घूंट पीने देती है।

न्यूज ब्रीफ

जल्द लॉन्च होने वाली है महिंद्रा की एक्सयूवी ३एक्सओ

नई दिल्ली।

महिंद्रा जल्द ही भारतीय बाजार में नई एक्सयूवी३०० फेसलिफ्ट के अपग्रेड यानी एक्सयूवी ३एक्सओ को लॉन्च करने जा रहा है। फिलहाल नई कार के ग्लोबल डेब्यू को कुछ दिन रह गए हैं और इससे पहले ही एक नया टीजर कंपनी ने जारी किया है। नए टीजर में फ्यूल एफिशिएंसी फीगर और स्प्रिंट टाइम का खुलासा किया गया है। लेटेस्ट टीजर के मुताबिक एक्सयूवी ३एक्सओ 4.5 सेकेंड्स में ही 0-60kph की स्पीड तक जा सकेगी। इसके अलावा टीजर में कंफर्म किया गया है कि इस अपडेटेड कॉम्पैक्ट एसयूवी में मल्टीपल ड्राइव मोड्स मिलेंगे। टीजर से पता चलता है कि इसमें जिप और जैप वाले ड्राइव मोड्स मिलेंगे। महिंद्रा ने ये भी खुलासा किया है कि एक्सयूवी ३एक्सओ में 20.1kpl का माइलेज मिलेगा। हालांकि, ये आंकड़ा डीजल इंजन के लिए होने की उम्मीद है। न कि टर्बो-पेट्रोल इंजन की। तुलनात्मक तौर पर बात करें तो टाटा नेक्सॉन डीजल की फ्यूल एफिशिएंसी 24.07kpl तक Sonet डीजल की 22,3kpl तक है। एक्सयूवी ३एक्सओ पुराने मॉडल की तरह तीन इंजन ऑप्शन्स- 110hp, 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल, 131hp, 1.2-लीटर डायरेक्ट-इंजेक्शन टर्बो-पेट्रोल और 117hp, 1.5-लीटर डीजल के साथ आएगी। 131hp टर्बो-पेट्रोल इंजन को एक नया आइसिन-सोर्स्ड 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा। नए एक्सयूवी ३एक्सओ के टीजर से ये भी पता चलता है कि इसमें फुली-डिजिटल टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। ड्राइवर डिस्प्ले 10.25-इंच का होगा। जबकि कार में एक्सयूवी ४०० का 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी होगा। इसके अलावा ऑफर में एक फर्स्ट-इन-क्लास पैनोरमिक सनरूफ भी होगा, जो संभवतः इस सुविधा के साथ इसे भारत में सबसे किफायती एसयूवी बना देगा।

सोने-चांदी के भाव में फिर उछाल

नई दिल्ली।

एक छोटी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने 8 महीने में ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। 8 महीने में बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर बुधवार 24 अप्रैल को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने बुधवार को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 142.50 रुपये है। बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ 75 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 18 अगस्त 2023 को खुला था और यह 22 अगस्त तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 30 अगस्त 2023 को 142.50 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद से बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर लगातार नए हाई बना रहे हैं। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। 75 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले 6 महीने में 405 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2023 को 242.90 रुपये पर थे। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 24 अप्रैल 2024 को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अभी तक बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में 194 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 417.10 रुपये पर थे, जो कि अब 1200 रुपये के पार पहुंच गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के आईपीओ पर टोटल 112.28 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 100.05 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, अदर्स कैटेगरी में 115.46 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

बड़ी नहीं... बहुत बड़ी है बजाज की नई पल्सर बाइक, 3 मई को होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली।

बजाज पल्सर एनएस400 नई फ्लैगशिप मोटरसाइकिल होगी, जिसमें कंपनी की किसी भी मोटरसाइकिल पर सबसे बड़ी क्षमता वाला इंजन होगा और यह अब तक का सबसे फास्ट इंजन भी होगा। देश की दिग्गज दोपहिया वाहन निमार्ता कंपनी बजाज ऑटो अपने पल्सर प्रोफाइल में एक नई बाइक जोड़ने जा रही है। पल्सर प्रोफाइल वाली यह बाइक बड़ी ही नहीं, बहुत बड़ी है। साइज, वजन और कीमत तीनों मामले में यह दूसरी मोटरसाइकिलों से काफी बड़ी है। कंपनी इसे 3 मई 2024 को भारतीय बाइक बाजार में लॉन्च करेगी, लेकिन इसकी लॉन्चिंग से पहले उसने इसका टीजर जारी किया है। यह इसका पहला टीजर है। कंपनी ने इसका नाम बजाज पल्सर एनएस400 दिया है।

बजाज पल्सर एनएस400 का इंजन होगा सबसे फास्ट

बजाज ऑटो ने सोशल मीडिया पर अब तक की सबसे बड़ी पल्सर का पहला टीजर जारी किया है। आने वाली बजाज पल्सर एनएस400 नई फ्लैगशिप मोटरसाइकिल होगी, जिसमें कंपनी की किसी भी मोटरसाइकिल पर सबसे बड़ी क्षमता वाला इंजन होगा और यह अब तक का सबसे फास्ट इंजन भी होगा। कंपनी की ओर से जारी किए गए वीडियो टीजर में नई बजाज पल्सर एनएस400 के टायर हगर की झलक मिलती है। इसके साथ ही, बाइक की तेज स्पीड का भी संकेत मिलता है। नई पेशकश में केटीएम के साथ सह-विकसित नव-विकसित 399 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलने की उम्मीद है, जो केटीएम 390 ड्यूक को पावर देता है। हालांकि, यह एक री-ट्यून इंजन हो सकता है, जो चलने की लागत कम रखने के लिए केटीएम के मुकाबले थोड़ा कम पावर और टॉर्क जेनरेट करेगा। इस इंजन के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़े जाने पर 40 बीएचपी की पावर और 35-37 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करने की उम्मीद है।

बजाज पल्सर एनएस400 के फीचर्स

अब अगर बजाज पल्सर एनएस400 के फीचर्स की बात करें, तो इसमें असिस्ट-एंड-स्लिपर क्लच, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ऑल-एलईडी लाइटिंग, यूएसडी फ्रंट फोर्क्स, डिस्क ब्रेक, डुअल-चैनल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल भी देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा, इसमें ट्रैक्शन कंट्रोल के साथ राइड-बाय-वायर, 17-इंच के अलॉय व्हील्स भी मिल सकते हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ कार्रवाई, ऑनलाइन तरीके से नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक

नई दिल्ली।

बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आरबीआई ने बैंक के ऑनलाइन या मोबाइल बैंकिंग चैनल के जरिए नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी है। हालांकि, नियामक ने अपने निर्देश में कहा है कि वह अपने मौजूदा ग्राहकों जिसमें क्रेडिट कार्ड के ग्राहक भी शामिल हैं, को सेवाएं देना जारी रख सकता है।

आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक पर कार्रवाई का क्या कारण बताया?

रिजर्व बैंक के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन और सूचना सुरक्षा प्रशासन में खामियां मिलने के बाद ने यह कार्रवाई की गई है। आरबीआई ने अपने बयान में कहा है कि ये कार्रवाइयां वर्ष 2022 और 2023 के दौरान नियामक की ओर से बैंक के आईटी परीक्षण में पाई खामियों के आधार पर की गई हैं। नियामक ने कहा कि बैंक परीक्षण के बाद उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं व्यापक और समयबद्ध तरीके से दूर करने में विफल रहा है।

कोटक महिंद्रा बैंक की जांच में आरबीआई को क्या गड़बड़ियां मिली?

आरबीआई के बयान में कहा गया है कि बैंक के आईटी इन्वेंट्री प्रबंधन, पैच एंड चेंज मैनेजमेंट, यूजर एक्सेस मैनेजमेंट, वेंडर रिस्क मैनेजमेंट, डेटा सुरक्षा व डेटा लीक रोकने की रणनीति में कमी दिखी है। केंद्रीय बैंक के अनुसार बैंक की बिजनेस निरंतरता और डिजास्टर रिकवरी के लिए सखी व ड्रिल जैसे क्षेत्रों में भी गंभीर खामियां और अनुपालन में कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने बयान में कहा, ''लगातार दो वर्षों तक बैंक के आईटी जोखिम और सूचना सुरक्षा प्रशासन में कमी का आकलन किया गया। इसके बाद निष्कर्ष निकाला गया कि यह नियामकीय दिशानिर्देशों के तहत जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।''

मौजूदा ग्राहकों पर आरबीआई की कार्रवाई का क्या असर पड़ेगा?

देश में बड़ी संख्या में लोग कोटक महिंद्रा बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि रिजर्व बैंक की हालिया कार्रवाई से उनपर क्या असर पड़ेगा?

आरबीआई के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने व नए क्रेडिट कार्ड जारी करने की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से ''बंद करने'' का निर्देश दिया गया है। हालांकि, बयान में केंद्रीय बैंक की ओर से कहा गया है कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड उपयोगकताओं सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को पहले की तरह सेवाएं प्रदान करना जारी रख सकेगा।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई

हिंदुस्तान यूनिलीवर

मार्च तिमाही में 6% घटा नेट प्रॉफिट शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा

मुंबई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। यह स्टॉक बीएसइ पर 2259.15 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। कंपनी ने मार्केट क्लोज होने के बाद तिमाही नतीजे जारी किए हैं। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (हिंदुस्तान यूनिलीवर) ने एफवाई २४ की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 6 फीसदी घटकर 2,406 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,552 करोड़ रुपये था। हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। यह स्टॉक बीएसइ पर 2259.15 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। कंपनी ने मार्केट क्लोज होने के बाद तिमाही नतीजे जारी किए हैं।

कैसे रहे हिंदुस्तान यूनिलीवर के नतीजे

चौथी तिमाही में हिंदुस्तान यूनिलीवर की बिक्री मामूली रूप से बढ़कर 14,693 करोड़ रुपये हो गई। प्रमुख सेगमेंट ब्यूटी और पर्सनल केयर के रेवेन्यू में 2.7 फीसदी की गिरावट आई है। 9 ब्रोकरेज फर्मों के औसत अनुमानों के अनुसार, एनालिस्ट्स ने 14,913 करोड़ रुपये के रेवेन्यू पर 2,435 करोड़ रुपये के मुनाफे का अनुमान लगाया है। इसका मतलब है कि मार्च तिमाही में कंपनी के नतीजे अनुमान से कमजोर रहे।

हर शेयर पर 24 रुपए का डिविडेंड देगी हिंदुस्तान यूनिलीवर

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 1 रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों पर 24 रुपये प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की घोषणा की। कंपनी ने पहले 16 नवंबर 2023 को 18 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड का भुगतान किया था। इसका मतलब है कि वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने कुल डिविडेंड 42 रुपये प्रति शेयर है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीइओ का बयान

हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीइओ और एमडी रोहित जावा ने कहा, ''एफवाई २४ में हमने 3% यूएसजी के साथ एक लचीला प्रदर्शन दिया और 10,000 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट का आंकड़ा पार कर लिया। हम ऑपरेशनल एक्सीलेंस बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं और ब्रांडों और लॉन्ग टर्म कैपिबिलिटी में निवेश को बढ़ाते हुए अपने सकल मार्जिन का निर्माण जारी रखा है। भविष्य को देखते हुए मैं सामान्य मानसून और बेहतर मैक्रो-इकोनॉमिक इंडिकेटर के कारण कंज्यूरम डिमांड में धीरे-धीरे सुधार होने को लेकर आशावादी हूं।''

सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान में बंद, मेटल शेयर चमके, हिंडाल्को में तेजी, टाटा कंज्यूमर गिरा

नई दिल्ली।

बुधवार को शेयर बाजार के कामकाज की समाप्ति अच्छी तेजी पर हुई है। बीएसई सेंसेक्स 115 अंक की तेजी पर 73853 के लेवल पर बंद हुआ है जबकि निफ्टी 45 अंक मजबूत होकर 22413 अंक के लेवल पर बंद होने में सफल रहा है। शेयर बाजार दिन के कामकाज में तेजी बनी रही है। निफ़्टी आईटी पैक में 0.69 फीसदी की कमजोरी दर्ज की गई जबकि निफ़्टी एफएमसजी इंडेक्स मामूली तेजी पर बंद हुआ है। निफ़्टी ऑटो इंडेक्स में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई। निफ़्टी स्मॉल कैप 50 और निफ़्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स भी कमजोरी पर बंद हुए हैं जबकि निफ्टी मीडिया इंडेक्स में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई है।

निफ्टी ऑटो-निफ्टी आईटी में कमजोरी

बुधवार को दिनभर शेयर बाजार हरे निशान में कामकाज करता रहा। शेयर बाजार एक कामकाज में निफ़्टी आईटी इंडेक्स में मामूली कमजोरी दर्ज की गई और निफ़्टी ऑटो इंडेक्स भी मामूली गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी मिडकैप 100, बीएसई स्मॉल कैप, निफ़्टी बैंक, निफ़्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के टॉप गैनर्स की बात करें तो हिंडालको, जेएसडब्ल्यू स्टील, सिप्ला, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयरों में अच्छी तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के टॉप लूजर्स में टाटा कंज्यूमर, बजाज ऑटो, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लाइफ, टीसीएस, टेक महिंद्रा और अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर शामिल थे। शेयर बाजार के कामकाज में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनियों की बात करें तो गौतम अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से तीन के शेयर तेजी पर रहे जबकि सात कंपनियों के शेयर में नुकसान दर्ज किया गया। अडानी पावर एक फीसदी गिरकर बंद हुआ जबकि एसीसी लिमिटेड 4.5 फीसदी की तेजी पर बंद हुआ है।

मल्टीबैगर शेयर का हाल

गेल इंडिया, कजरिया सेरेमिक्स, साउथ इंडियन बैंक, एबीबी इंडिया लिमिटेड, बंधन बैंक, एलआईसी, इंडियन ऑयल, सवोर्टेक पावर, पंजाब नेशनल बैंक, डीपी वायर्स, वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में तेजी दर्ज की गई जबकि गेल, इरेडा, स्पाइसजेट और हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज घरेलू कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज मार्केट में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। अभी इसमें एलजी, सैमसंग, वर्लपूल, हायर और डाइकिन जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों का दबदबा है। एसी कैटगरी में टाटा की कंपनी वोल्टास का वर्चस्व है।

टाटा, सैमसंग और एलजी को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में मुकेश अंबानी

नई दिल्ली।

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी टेलिकॉम और रिटेल के बाद एक और सेक्टर में तहलका मचाने की तैयारी में है। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एक नए मेड-इन-इंडिया ब्रांड वायजर के साथ घरेलू कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज मार्केट में मल्टीनेशनल कंपनियों के दबदबे को खत्म करना चाहती है। अभी देश में टीवी, होम अप्लायंसेज और स्मॉल अप्लायंसेज का मार्केट 1.1 लाख करोड़ रुपये का है। इसमें एलजी, सैमसंग, वर्लपूल, हायर और डाइकिन की 60% है। इसी तरह एसी मार्केट में टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास का दबदबा है।

सूत्रों के मुताबिक रिलायंस की दो घरेलू कॉन्ट्रैक्ट मैन्यूफेक्चर कंपनियों डिक्सन टेक्नोलॉजीज और मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ बातचीत चल रही है। मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनी ओनिडा की पैरेंट कंपनी है। ब्रांड की बाजार में हिस्सेदारी बढ़ने के बाद कंपनी मीडियम टर्म में अपना प्लांट स्थापित कर सकती है।

रिलायंस की रिटेल यूनिट रिलायंस रिटेल ने हाल ही में वायजर ब्रांड से एयर कूलर लॉन्च किया है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी टेलीविजन, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, स्मॉल अप्लायंसेज और एलईडी बल्ब जैसी श्रेणियों में रेंज का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी इन प्रॉडक्ट्स को इन-हाउस डिजाइन और डेवलप करना चाहती है क्योंकि वह विदेशी लेबल के दबदबे वाले इस बाजार में एक घरेलू ब्रांड स्थापित करना चाहती है। कंपनी ने पहले प्राइवेट लेबल ब्रांड रीकनेक्ट लॉन्च किया था, जिसमें थर्ड पार्टी द्वारा बनाए गए प्रॉडक्ट थे। रिलायंस रिटेल के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर दिनेश तलुजा ने 22 अप्रैल को आरआईएल की चौथी तिमाही की अर्निंग कॉल के दौरान एनालिस्ट्स को नए ब्रांड लॉन्च के बारे में बताया था। लेकिन इस बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया था।

क्या है योजना

सूत्रों का कहना है कि कंपनी अपने रिलायंस डिजिटल स्टोर्स के साथ-साथ इंडिपेंडेंट डीलरों, रीजनल रिटेल चेन और ऐमजॉन तथा फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए वायजर के प्रॉडक्ट बेचना चाहती है। इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट के बी२बी डिस्ट्रीब्यूशन में लगी जियोमार्ट डिजिटल (जेएमडी) वायजर के प्रॉडक्ट्स को दूसरे स्टोर्स तक ले जाएगी। एक सूत्र ने कहा, 'रिलायंस ने पहले ही जियोफोन के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के वर्चस्व वाले फीचर फोन बाजार में खलबली मचा दी थी। कंपनी मेक-इन-इंडिया की लहर पर सवार होकर इलेक्ट्रॉनिक्स में भी इसी सफलता को दोहराना चाहती है।' साल 2022 में, रिलायंस ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में विस्तार करने के लिए 1,670 करोड़ रुपये में अमेरिका की कंपनी सनमिआ की भारतीय इकाई में 50.1% हिस्सेदारी खरीदी थी। सनमिआ का चेन्नई में 100 एकड़ का परिसर है, जहां वह वायजर उत्पादों के लिए एक प्लांट स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। कंपनी की प्राथमिकता अभी उत्पादों को लॉन्च करना है।

पहले भी कोशिश कर चुकी है कंपनी

रिलायंस रिटेल ने इस बारे सवालों का जवाब नहीं दिया। मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के एमडी विजय मनसुखानी ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि डिक्सन को भेजी गई ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। रिलायंस रिटेल ने इससे पहले अपने ब्रांड रीकनेक्ट के तहत टेलीविजन और कुछ उपकरण बेचने की कोशिश की थी, लेकिन इसमें उसे सीमित सफलता मिली। इन्हें कंपनी के पार्टनर्स ने डिजाइन और डेवलप किया गया था। इन्हें बिना किसी मार्केटिंग पुश के केवल रिलायंस डिजिटल स्टोर्स के जरिए बेचा गया था और इसका मकसद फ्यूचर ग्रुप के प्राइवेट लेबल कोर्यो और टाटा ग्रुप के क्रोमा को टक्कर देना था। रिलायंस रिटेल अभी भी एक्सेसरीज के लिए रीकनेक्ट ब्रांड का इस्तेमाल करता है। इसने कुछ साल पहले बीपीएल और केल्विनेटर ब्रांड के लिए लाइसेंस हासिल किया और कुछ टीवी, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन मॉडल लॉन्च किए थे।

माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी

टेस्ला प्लांट के लिए भारत को अभी करना होगा इंतजार, कंपनी सस्ती इलेक्ट्रिक कार बाहर से बनाकर देश में बेचेगी

नई दिल्ली

सरकार की नई ईवी पॉलिसी के बाद टेस्ला के लिए भारतीय बाजार की राह आसान हो गई है। माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इस बीच, कंपनी भारत में अपना प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है। अब टेस्ला ने कहा है कि वो इस साल के आखिर में नए और अफॉर्डेबल ई-व्हीकल बनाने के लिए अपने मौजूदा प्लांट का इस्तेमाल करेगी। ऐसे में कंपनी फ्यूचर में मैक्सिको और भारत में नए प्लाटं पर जो निवेश करने वाली है उसकी संभावना कम हो गई है।

टारगेट पूरा नहीं, फिर भी शेयर में तेजी

कंपनी ने बताया कि वो नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन में निवेश करने से पहले 2023 से लगभग 3 मिलियन व्हीकल की अपनी मौजूदा प्रोजक्शन कैपेसिटी को 50% तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि इसके चलते पहले की तुलना में लागत में कमी आ सकती है। प्लांट में निवेश करने वाले निवेशकों ने भी नई फैक्ट्रियों में नए मॉडल बनाने का जोखिम ना लेने के फैसले पर खुशी जताई। इस तिमाही नतीजों में कंपनी का फाइनेंशियल टारगेट पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी टेस्ला के शेयर 12% तक ऊपर चले गए थे।

मॉडल 2 लॉन्च करने की योजना रद्द

इवॉल्व ईटीएफ के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर इलियट जॉनसन ने कहा, ''मुझे लगता है कि बाजार में नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने मौजूदा प्लांट में सस्ते प्रोडक्ट को तैयार करना पॉजिटिव कदम है। हालांकि, कंपनी अपनी योजना के साथ आगे नहीं बढ़ रही है। रॉयटर्स ने 5 अप्रैल की एक रिपोर्ट में कहा था कि टेस्ला ने अपने सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2 को लॉन्च करने की योजना को रद्द कर दी है। जिसे टेस्ला ने टेक्सास, मैक्सिको और एक तीसरे देश में बनाने की योजना बनाई थी। उम्मीद की गई थी कि मॉडल 2 की कीमत 25,000 डॉलर होगी। हालांकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि 'रॉयटर्स झूठ बोल रहा है'।

पुराने प्लांट से ही नए व्हीकल तैयार होंगे

जनवरी में मस्क ने कहा था कि टेस्ला का लक्ष्य 2025 की दूसरी छमाही में नया सस्ता मॉडल पेश करने पर है। इस मॉडल में 'रिवॉल्यूशनरी मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी' का इस्तेमाल किया जाएगा जो टेस्ला के लिए नई राह तैयार करेगी। अब टेस्ला के इंजीनियरिंग हेड लार्स मोरावी ने मंगलवार को कहा कि नई मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और प्रोडक्शन लाइनें कुछ रिस्क के साथ आती हैं। ऐसे में कंपनी ने कम लागत वाले व्हीकल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्लांट की 'मेजर शिफ्ट' में बदलाव किया है।

भारत की योजना पर फिलहाल चुप्पी

उम्मीद इस बात की थी कि मस्क सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वे एक छोटे और अफॉर्डेबल मॉडल के प्रोडक्शन के लिए एक ऑटो फैक्ट्री में बड़े निवेश की घोषणा करेंगे। मस्क ने पिछले साल कहा था कि टेस्ला मैक्सिको में अपना प्लांट बनाएगी, लेकिन प्लांट कब तक तैयार होगा इस बात का फैसला अर्थव्यवस्था और ब्याज दरों पर निर्भर करेगा। टेस्ला ने मेक्सिको और भारत में अपनी योजनाओं पर अभी कोई जवाब नहीं दिया।

6,000 कर्मचारियों की होगी छंटनी

टेस्ला ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। जनवरी से मार्च की इस तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 55% तक घट गया। दूसरी तरफ कंपनी ने बड़ी छंटनी का ऐलान कर दिया। कंपनी कॉस्ट कटिंग के चलते 6,000 लोगों को नौकरी से निकालने जा रही है। टेस्ला ने कहा कि वो टेक्सास और कैलिफोर्निया में 6,020 कर्मचारियों की छंटनी करेगी।

टोरंटो में भारतीय भूचाल, फिडे कैंडिडेट्स में गुकेश की जीत विश्व शतरंज में बड़ा बदलाव: गैरी कास्परोव

नई दिल्ली

रूस के महान शतरंज खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने विश्व चैंपियनशिप के लिए चुनौती पेश करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बनने के लिए भारत के किशोर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश की सराहना करते हुए कहा कि 'टोरंटो में भारतीय भूचाल' आया और यह जीत विश्व शतरंज में बड़े बदलाव का संकेत है। सत्रह साल के गुकेश ने 40 साल पहले कास्परोव के बनाए रिकॉर्ड को तोड़ा। रूसी का यह खिलाड़ी जब 22 वर्ष का था तब उन्होंने 1984 में विश्व खिताब के लिए हमवतन अनातोली कारपोव से भिड़ने के लिए क्वॉलिफाई किया था और वह उस समय के सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। कास्परोव ने अतीत में रूस के दबदबे का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'बधाई हो! टोरंटो में भारतीय भूचाल शतरंज की दुनिया में बदलाव का संकेत है क्योंकि 17 वर्षीय डी गुकेश सर्वोच्च खिताब के लिए चीन के चैंपियन डिंग लिरेन का सामना करेंगे।' यह जीत गुकेश को साल की आखिरी तिमाही में मौजूदा विश्व चैंपियन लिरेन के खिलाफ मुकाबले का हकदार बनाती है। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने

भारत में शतरंज संस्कृति को जन्म दिया और देश इस ग्रैंडमास्टर की सफलता का लाभ उठा रहा है जिसमें हजारों युवा शतरंज को अपना रहे हैं। कास्परोव ने भारतीय शतरंज में आनंद के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा, 'विशी आनंद के 'बच्चे' छाए हुए हैं।' कास्परोव यहां गुकेश की सफलता के बाद ग्रैंड चेस टूर के बधाई ट्वीट का जवाब दे रहे थे। ग्रैंड चेस टूर ने 'एक्स' पर लिखा, 'डी गुकेश को फिडे कैंडिडेट्स में उनकी जीत के लिए बधाई,उन्होंने विश्व चैंपियनशिप मैच में चैलेंजर के रूप में अपनी जगह पक्की की है। हम उत्सुकता से हमारे ग्रैंड शतरंज टूर कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी का इंतजार कर रहे हैं।' एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कास्परोव ने शतरंज के शक्ति केंद्र में बदलाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'अमेरिका और इंग्लैंड के कई शीर्ष जूनियर खिलाड़ियों के नाम देखें, यह देखने के लिए कि चीन और भारत के प्रवासी शतरंज में उपलब्धि हासिल करने के लिए उतने ही जुनूनी हैं।' वर्ष 1985 से 1993 तक निर्विवाद विश्व चैंपियन रहे कास्परोव ने लिखा, 'कास्परोव शतरंज फाउंडेशन ने इस लहर को बढ़ते देखा है और गुकेश की सफलता इसे और ऊपर उठाएगी।' अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के साथ विवाद के बाद कास्परोव ने एक प्रतिद्वंद्वी संगठन पेशेवर शतरंज संघ की स्थापना की थी। वह 1984 से 2005 में नियमित प्रतिस्पर्धी शतरंज से संन्यास लेने तक कुल मिलाकर रिकॉर्ड 255 महीनों के लिए विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे।

मनिका को पछाड़कर भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी श्रीजा

नयी दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित युगल चैंपियन श्रीजा अकुला मंगलवार को नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंची और मनिका बत्रा को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। नवीनतम रैंकिंग में श्रीजा को एक स्थान का फायदा हुआ जबकि पिछले कुछ समय से भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका दो स्थान के नुकसान से 39वें पायदान पर खिसक गईं। इस साल 25 साल की श्रीजा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर कॉरपस क्रिस्टी और डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टूर्नामेंट में क्रमशः जनवरी और मार्च में खिताब जीते। वह गोवा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची। श्रीजा ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अनुभवी अचंता शरत कमल के साथ मिलका स्वर्ण पदक जीता था। यशस्विनी घोरपड़े और अर्चना कामत क्रमशः 99वें और 100वें स्थान पर बरकरार हैं। शरत रैंकिंग में 37वें स्थान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। जी साथियान और मानव ठाकर ने क्रमशः 60वें और 61वें स्थान पर एक दूसरे की जगह ली है। कुछ महीने पहले शीर्ष रैंकिंग के भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई नवीनतम सूची में और नीचे 64वें स्थान पर खिसक गए हैं। भारत पहले ही पेरिस ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई कर चुका है। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ 16 मई तक उस समय की विश्व रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल में दो एकल खिलाड़ियों की प्रविष्टियों पर फैसला करेगा।

केकेआर प्रबंधन ने स्टार्क का समर्थन किया

एजेंसी ■ कोलकाता

आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विफल रहे हैं। स्टार्क गेंदबाजी के दौरान विकेट के लिए संघर्ष करते हुए दिखे हैं। इसके बाद भी आईपीएल इतिहास के इससे सबसे महंगे खिलाड़ी का टीम प्रबंधन ने समर्थन किया है। केकेआर ने नीलामी में स्टार्क को 24 करोड़ रुपये में खरीदा था। केकेआर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा कि वह इस अनुभवी खिलाड़ी को 'निवेश के नजरिये से नहीं देखते हैं। केकेआर ने आईपीएल नीलामी स्टार्क को रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये की बोली के साथ टीम में शामिल किया था जबकि इसे तभी सही फैसला नहीं माना जा रहा था क्योंकि इस तेज गेंदबाज के पास टी20 प्रारूप में काफी कम अनुभव था। वह नौ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे। वहीं वेंकी मैसूर ने कहा, वह सुपरस्टार है और बेहतरीन खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, हम इसे निवेश के रवैये से नहीं सोचते हैं, क्योंकि आप नीलामी में जाते हैं और नीलामी में ऐसी चीजें होती हैं, जो न तो खिलाड़ी के हाथ में होती हैं और न ही किसी और के हाथ में होती हैं। उन्होंने कहा, हमें बस यही लगा कि स्टार्क जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल करने से काफी महत्व बढ़ेगा। मेरा मतलब है कि टीम में उसकी मौजूदगी से मजबूती मिलती है। उनके पास उस तरह की विशिष्ट कौशल है जिसकी हमारे सहयोगी स्टाफ को तलाश थी। स्टार्क ने अपने शुरुआती दो मैचों में ही 100 रन से ज्यादा दे दिये थे।

आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स जीती गुजरात टाइटंस को चार रन से हराया

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों की दमदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 40वें मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हरा दिया है।225 रनों के लक्ष्य का पीछ करते हुए गुजरात ने आखिरी गेंद तक संघर्ष दिखाया। राशिद खान आखिर गेंद पर छक्का लगाने से चूके और दिल्ली को चार रन से जीत हासिल हुई। दिल्ली की यह नौ मैचों में चौथी जीत है। ऋद्धिमान साहा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने गुजरात के लिए तेजी से रन बनाने का प्रयास किया। इसी दौरान एनरिक नॉर्टिज दूसरे ओवर में गिल (6) रन को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद साहा ने साई सुदर्शन के दूसरे विकेट के लिये 82 रन जोड़े। साहा को कुलदीप ने आउट किया। साहा ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 39 रन बनाये। 11वें ओवर में अमतउल्लाह उमरजई (1) रन पर आउट हुये। उसके बाद डेविड मिलर ने कमान संभाली। साई सुदर्शन ने 39 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक 65 रन बनाये। वहीं मिलर ने 23 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 55 रनों की अहम पारी खेली। शाहरुख खान (8), राहुल तेवतिया (4), साई किशोर (13) रन बनाकर आउट हुये। राशिद खान 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की टीम निधारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 220 रन ही बना सकी और मुकाबला चार से हार गई। गुजरात की नौ मैचों में यह पांचवी हार है।

दिल्ली की ओर से रसिख सलाम ने तीन विकेट लिये। कुलदीप यादव को दो विकेट मिले। एनरिक नॉर्टिज, मुकेश कुमार और अक्षर पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कप्तान ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 225 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली मुकाबले की शुरुआत चौके से करते हुये अपने इरादे को जाहिर कर दिया। चौथे ओवर में वॉरियर ने नूर के हाथों जेक फ्रेजर को आउट कराकर गुजरात को पहली सफलता दिलायी। फ्रेजर 14 गेंदों में 23 रन बनाये। उसके बाद पृथ्वी शॉ (11) और शो हॉप (5) रन बनाकर आउट हो गये। अक्षर पटेल और ऋषभ पंत ने पारी को संभाला। अक्षर पटेल ने 43 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 66रनों की पारी खेली। उन्हें 17वें ओवर में नूर ने साई किशोर के हाथों कैच आउट कराया। पंत ने 43 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद 88 रनों की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स सात गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 224 रन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात टाइटंस की ओर से संदीप वॉरियर ने तीन विकेट लिये और नूर अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर होगा ISL फाइनल

नई दिल्ली

आईएसएल ने कहा कि चार मई को होने वाला 2023-24 सत्र का फाइनल खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली दोनों टीम में से लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा।

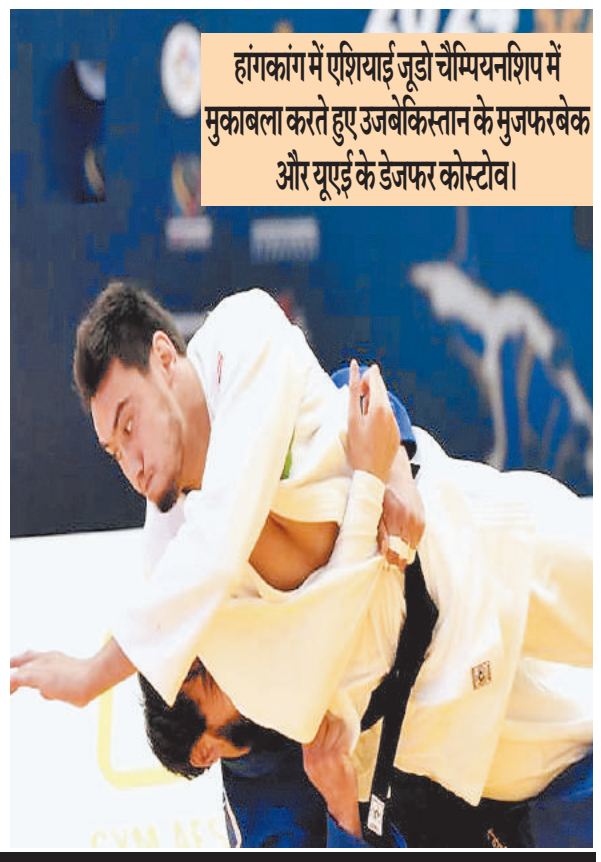

हांगकांग में एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में मुकाबला करते हुए उजबेकिस्तान के मुजफरबेक और यूएई के डेजफर कोस्टोव।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

फिर लीग के साथ ...

1937 में जब मुस्लिम लीग ने काउंसिल के अंदर वंदे मातरम् गान का विरोध किया, तब नेहरू ने ही समझौता किया था कि केवल पहले के दो अंतरे गाए जाएं। हालांकि सुभाषचंद्र बोस ने नेहरू को साफ-साफ लिखा था, साम्प्रदायिक मुसलमानों ने समय-समय पर बेकार के मुद्दे उठाने की आदत बना ली है। कभी मस्जिदों के सामने संगीत, कभी मुसलमानों के लिए उपयुक्त नौकरियां न होना और अब वंदे मातरम्। यद्यपि मैं खुशी से राष्ट्रवादी मुसलमानों द्वारा उठाए गए संशयों और कठिनाइयों से जूझने के लिए तैयार हूं, मेरी उन विषयों की ओर ध्यान देने की तनिक भी अभिलाषा नहीं है, जो सांप्रदायिक लोग उठाते हैं। यदि आप आज उन्हें वंदे मातरम् के मुद्दे पर संतुष्ट भी कर देते हैं, तो वह समय दूर नहीं, जब कल वे कोई नया सवाल लेकर उठ खड़े होंगे, क्योंकि उनका उद्देश्य मात्र साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़का कर देश को परेशान करना है।

नेहरू का यह निर्णय मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस के उस तुष्टिकरण की नीति को और आगे ले गया, जो कांग्रेस ने 1916 में लखनऊ में मुस्लिम लीग से समझौता कर अपनाई थी। इस समझौते के अंतर्गत मुसलमानों के अलग निर्वाचन के आरक्षण की मांग के अलावा यह मांग भी मान ली गई थी कि जब तक किसी सम्प्रदाय विशेष के तीन चौथाई सदस्य काउंसिल में स्वीकृति नहीं देंगे, तब तक मुस्लिमों से संबंधित कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार, हिंदू-मुस्लिम एकता के नाम पर खिलाफत को समर्थन देकर कांग्रेस ने यह स्वीकार कर लिया था कि ऐसे इस्लामिक मुद्दे, जिनका भारत से कोई संबंध नहीं है, वे भी कांग्रेस के लिए स्वीकार्य हैं। ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं। मसलन, राजगोपालाचारी द्वारा पाकिस्तान पर योजना देना या महात्मा गांधी द्वारा जिन्ना को कायदे आजम कहकर संबोधित करना।

इससे पहले भी गांधी एक कमाल कर चुके थे। उन्होंने शुद्धि आंदोलन के नेता स्वामी श्रद्धानंद के हत्यारे अब्दुल रशीद को अपना भाई बताया था। यह भी कहा था कि उसने जो भी कुछ किया, वह इस्लाम को बचाने के लिए किया। गांधी तो अदालत में उसकी पैरवी भी करना चाहते थे। गांधी ने कभी भी इस्लाम में कन्वर्जन का विरोध नहीं किया। लेकिन एक संन्यासी द्वारा इस्लाम अपनाने वाले हिंदुओं को वापस हिंदू धर्म में लाने का प्रयास गांधी की निगाह में अपराध था। सिंध के नेता अल्लाह बख्श सामरू ने जब मुस्लिम लीग के विरुद्ध 13 दलों का संघ बनाकर पाकिस्तान और मुस्लिम लीग का विरोध किया, तो कांग्रेस ने उसे महत्व नहीं दिया और जिन्ना को मनाने के लिए बातचीत जारी रखी। मुस्लिम लीग ने सोमरू की हत्या करा दी, पर कांग्रेस चुप रही। इसी प्रकार खाकसारों ने पाकिस्तान की मांग और जिन्ना का विरोध ही नहीं किया, बल्कि दो बार जिन्ना पर हमले भी करवाए। लेकिन कांग्रेस खाकसारों के साथ अरहर दाल का भी विरोध करती रही।

मुस्लिम लीग को रोकने के लिए कांग्रेस न तो प्रजा कृषक पार्टी को समर्थन देने को तैयार थी और न ही यूनियनिस्ट पार्टी को। बजाए इसके कि आम जनता को साथ लेकर पाकिस्तान की मांग के विरोध में आंदोलन छेड़ा जाए, कांग्रेस ने अंग्रेजों के साथ मिलकर विभाजन स्वीकार किया। यही नहीं, भारत को बांटने वाले माउंटबेटन को भारतीय डोमीनियन का आमंत्रण देकर पहला गवर्नर जनरल बना दिया। यहां उल्लेखनीय है कि जिन्ना ने पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच एक गलियारा मांगा था, जिसका गांधी ने समर्थन किया था। उन्होंने तो पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों पर हिंसा की अनदेखी कर उन्हें वहीं रहने की नसीहत भी दी थी। नेहरू और गांधी की अक्षम्य भूलों पर कांग्रेस ने आज तक देश से माफी क्यों नहीं मांगी? यह भी एक बड़ा सवाल है।

1948 में सेना के सुझाव की अनदेखी कर एडविना माउंटबेटन के आग्रह पर पाकिस्तान से युद्ध विराम कर तथाकथित आजाद कश्मीर बनवाने का कुश्रेय भी नेहरू को ही जाता है। उन्होंने शेख अब्दुल्ला से साठगांठ कर अनुच्छेद-370 लगवाया, लेकिन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से हिंदू शरणार्थी ही नहीं, मुस्लिम घुसपैठिए भी आकर बसते रहे। 1950 के बाद लगभग दो लाख पाकिस्तानी वीजा पर भारत आए और यहां गायब हो गए। लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने उन्हें वापस भेजने की कोशिश तक नहीं की, क्योंकि वे सब उनकी पार्टी के वोटर बना दिए गए थे। ठीक वैसे ही, जैसे 2014 के पहले संप्रग के शासनकाल में रोहिंग्या मुसलमानों को दिल्ली और जम्मू-कश्मीर समेत पूरे देश में बसाया गया और उन्हें आधारकार्ड और वोटर आईडी देकर कांग्रेस का वोटर बनाया गया।

1955 में गणतंत्र दिवस पर नेहरू ने पाकिस्तान के गवर्नर जनरल मलिक गुलाम मुहम्मद को मुख्य अतिथि बनाया। केरल में नंबूदीरीपाद का मंत्रिमंडल बर्खास्त करने के बाद भी कांग्रेस ने प्रदेश में मुस्लिम लीग के साथ गहरी दोस्ती बनाए रखी। उसके सदस्यों को केंद्र में मंत्री भी बनाया। यह संबंध आज भी कायम है। क्या मुस्लिम लीग एक पंथनिरपेक्ष पार्टी हो गई थी, जो पंथनिरपेक्षता का ढोल बजाने वाली कांग्रेस उसके साथ मिलकर चुनाव लड़ती है और सरकारें बनाती है? मुस्लिम लीग साम्प्रदायिक और कट्टरपंथी विचारधारा से कभी दूर नहीं गई। यह कांग्रेस ही है, जिसने मुस्लिम लीग को राजनीति में सशक्त बनाया। केरल इसका प्रमाण है।

कांग्रेस की नीति केवल तुष्टीकरण तक सीमित नहीं है। मुस्लिम विरोध के कारण समान नागरिक संहिता नहीं बनाना क्या दर्शाता है? वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां देना और मुस्लिम पर्सनल बोर्ड को सिर पर बैठाना कांग्रेस का डीएनए है। 1986 में स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया (सिमी) का गठन हुआ, जिसका उद्देश्य इस्लाम द्वारा भारत को स्वतंत्र कराना था, जो गजवा-ए-हिंद का दूसरा रूप है। वे भारत को दार-उल-हर्ब की जगह दार-उल-इस्लाम बनाना चाहते हैं। सब कुछ जानते हुए भी कांग्रेस ने सिमी पर प्रतिबंध नहीं लगाया। 2001 में राजग सरकार ने उसे प्रतिबंधित किया।

इसी प्रकार, संप्रग के काल (2006) में पीएफआई का गठन हुआ, जिसका उद्देश्य सिमी से भी घातक था। पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई, अलकायदा, आईएसआईएस से संबंधों की जानकारी होने के बाद भी कांग्रेस सरकार ने पीएफआई प्रतिबंध नहीं लगाया था। सितंबर 2022 में राजग सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाकर इसके गुर्गों को गिरफ्तार किया। मुंबई हमले में कांग्रेसी हिंदुत्व में आतंकवाद ढूंढ़ रहे थे, वह तो तुकाराम आंबले थे, जिन्होंने कसाब को जिंदा पकड़ा, नहीं तो चिदंबरम जैसे कांग्रेसी मुंबई हमले को हिंदू आतंकी हमला ही साबित करने की जद्दोजहद करते रहते।

कश्मीर के श्रीनगर में क्रालखुद स्थित प्राचीन शीतलनाथ भैरव मंदिर और इसके आसपास का बड़ा परिसर कभी कश्मीरी पंडितों की राजनीतिक अभिव्यक्ति का केंद्र हुआ करता था। इसी परिसर में नेशनल कान्फ्रेंस के निमंत्रण पर 7 अगस्त, 1945 को जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीरी पंडित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा था, यदि गैर-मुस्लिम कश्मीर में रहना चाहते हैं, तो उन्हें नेशनल कान्फ्रेंस में शामिल हो जाना चाहिए या देश को अलविदा कह देना चाहिए। नेशनल कान्फ्रेंस ही असली राष्ट्रीय संगठन है और अगर एक भी हिंदू इसका सदस्य नहीं बनेगा, तो भी यह बना रहेगा। यदि पंडित इसमें शामिल नहीं होते हैं, तो कोई भी सुरक्षा उपाय और प्रभाव उनकी रक्षा नहीं कर पाएगा। (स्ट्रगल फॉर फ्रीडम इन कश्मीर, प्रेमनाथ बजाज, पृ. 248)

दिग्विजय सिंह और मणिशंकर जैसे कांग्रेसी नेता पाकिस्तान का राग खुलेआम अलापते ही रहते हैं। फरार आतंकवादी धर्म प्रचारक जाकिर नाईक दिग्विजय सिंह का आदर्श है। आज तक शाहबानो प्रकरण लोगों के दिमाग में ताजा है जब राजीव गांधी ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बावजूद कानून नहीं बनाया। कश्मीर में पाकिस्तान का शोर मचाने वाले अब्दुल्लाओं से कांग्रेस का गठबंधन जगजाहिर है। लोग सवाल उठाते हैं कि क्या इन कांग्रेसी नेताओं के मुंह से सिर तन से जुदा का विरोध करते कभी सुना है? कांग्रेसी भारत में हज सब्सिडी, इमाम और मदरसों के मौलवियों को वेतन दिलाने में लगे रहते हैं और गैर-कानूनी मदरसों को सही ठहराते हैं। लेकिन हिंदू मंदिरों पर जजिया-कर के मुद्दे चुप रहते हैं। मुस्लिम अपराधी इनके चहेते होते हैं। ऐसा नहीं होता तो अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे कुख्यात अपराधी राजनीति में नहीं आते। कांग्रेस की सर्वेसर्वा नेता बाटला हाउस में आतंकियों के मारे जाने पर आंसू बहाती हैं। इस बार वायनाड में कांग्रेस मुस्लिम लीग के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। राहुल गांधी की सभाओं और रैलियों में कांग्रेस का झंडा कम मुस्लिम लीग का झंडा अधिक दिखता है। राजनीतिक दल और उसके नेता देश के लिए जीते हैं या वोट के लिए? यह फर्क देश के लोगों को पता होना ही चाहिए...

आतंकियों के मरने ...

कांग्रेस ने कहा कि एससी/एसटी और ओबीसी का जो कोटा है, उसमें से चुरा कर धर्म के आधार पर कुछ लोगों को आरक्षण दिया जाए। जब संविधान बन रहा था, तब बाबा साहेब अंबेडकर के नेतृत्व में तय किया गया था कि भारत में धर्म के अनुसार आरक्षण नहीं होगा। लेकिन वोट बैंक की भूखी कांग्रेस ने इन महापुरुषों की बातों की परवाह नहीं की, संविधान की पवित्रता की परवाह नहीं की और न ही बाबा साहेब अंबेडकर के शब्दों की परवाह की। पीएम ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ आपके आरक्षण को ही लूटना नहीं चाहती है, इनके और भी अनगिनत कारनामे हैं। कांग्रेस के इरादे नेक नहीं हैं। इनके इरादे संविधान के अनुरूप नहीं हैं, सामाजिक न्याय के अनुरूप नहीं हैं। अगर आपके आरक्षण की कोई रक्षा कर सकता है, तो सिर्फ और सिर्फ भाजपा कर सकती है।

स्वदेशी रक्षा ...

सैन्य उपकरणों के आधुनिकीकरण के लिए सरकार से मिलने वाले सहयोग के बारे में जनरल पांडेय ने कहा, सरकार द्वारा चार चरणों में दी गई आपातकालीन खरीद शक्तियों ने हमें इसके तहत 18,000 करोड़ रुपए के अनुबंधों के साथ खुद को आधुनिक बनाने में मदद की है। इन उपकरणों का उपयोग अब सीमा पर किया जा रहा है। गौरतलब है कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की एक इकाई ने देश की सबसे हल्की बुलेटप्रूफ जैकेट विकसित की है। जैकेट उच्चतम खतरे के स्तर छह से सुरक्षा प्रदान करेगी। बुलेट प्रूफ जैकेट में नई प्रक्रियाओं के साथ नवीन सामग्री का उपयोग किया गया है।

जनरल मनोज पांडेय ने बताया कि डीआरडीओ के कानपुर प्रतिष्ठान ने 7.62 द 54 आर एपीआई गोला बारूद के का मुकाबला करने लायक सबसे हल्का बुलेटप्रूफ जैकेट सफलतापूर्वक विकसित किया है। हाल ही में टीबीआरएल, चंडीगढ़ में बुलेटप्रूफ जैकेट का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। जैकेट का फ्रंट हार्ड आर्मर पैनल (एचएपी) आईसीडब्ल्यू (इन-कंजक्शन) और स्टैंडअलोन डिजाइन दोनों में 7.6254 आर एपीआई (स्नाइपर) के कई हिट (छह शॉट) झेलने की शक्ति है। एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किया गया फ्रंट एचएपी पॉलिमर बैकिंग के साथ एक मोनोलिथिक सिरेमिक प्लेट से यह जैकेट बना है। ऑपरेशन के दौरान यह पहनने की क्षमता और आराम को बढ़ाता है।

हाल ही में डीआरडीओ ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज मिसाइल (आईटीसीएम) और एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। इनकी लॉन्चिंग ओड़ीशा के तटीय क्षेत्र चांदीपुर से की गई। परीक्षण के दौरान सभी सिस्टम से अपेक्षा के अनुसार प्रदर्शन किया। मिसाइल की निगरानी के लिए आईटीआर ने पूरे उड़ान मार्ग को विभिन्न रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम, टेलीमेट्री और कई रेंज सेंसर से लैस कर दिया था। मिशन में भारतीय वायुसेना ने भी सहायता की। सुखोई एसू-30 एमके-1 से भी पूरे उड़ान की निगरानी की गई थी।

नई बैलिस्टिक ...

परीक्षण की गई मिसाइल इज़राइली मूल की क्रिस्टल मेज-2 हवा से लॉन्च की जाने वाली मिसाइल है, जिसे रॉक्स नाम दिया गया है। भारतीय वायुसेना मेक इन इंडिया योजना के जरिए इज़राइली मिसाइलों को हासिल करने की कोशिशों में लगी हुई है। माना जाता है कि इज़राइली मिसाइलों की क्षमता अनोखी है। भारत सरकार पहले से ही इज़राइली मिसाइल क्रिस्टल मेज-1 का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन क्रिस्टल मेज-2 की क्षमताएं पूरी तरह से अलग स्तर की हैं। यह एयर टू सरफेस मिसाइल है। वायुसेना की योजना इस मिसाइल को दुश्मन के लंबी दूरी के टार्गेट, एयर डिफेंस सिस्टम और हाई वैल्यू टार्गेट को नष्ट करने के लिए इस्तेमाल करने की है। कहा जा रहा है कि इस मिसाइल की सटीकता को इस बात से समझा जा सकता है कि यह मिसाइल बिना जीपीएस के ही अपने लक्ष्य को भेदने में सक्षम है।

...तो आंध्र प्रदेश...

रुपए के इनामी नक्सली शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में करीब सौ दिनों के अंदर 63 मुठभेड़ हुई, जिसमें 54 नक्सलियों के शव, 77 हथियार और 135 विस्फोटक बरामद किए गए हैं। 304 माओवादियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। 165 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सल गतिविधियों से जुड़े 26 गंभीर प्रकरण एनआईए को सौंपे गए हैं। बीते 4 महीने में 24 अग्रिम सुरक्षा शिविरों की स्थापना की गई है। निकट भविष्य में 29 नए आधार शिविरों की स्थापना प्रस्तावित है। स्थानीय अधिकारी भी बताते हैं कि पिछले तीन महीने में बस्तर के अलग-अलग जिलों में हुई मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने अब तक 90 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है।

इससे कुछ दिन पहले मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में नकद इनामी दो नक्सली मारे गए। जिनकी पहचान संजती उर्फ क्रांति और रघु उर्फ शेर सिंह के रूप में हुई। इसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा, 29 लाख रुपए के इनामी डिविजनल कमांडर का मारा जाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही 14 लाख का इनामी नक्सली भी मध्य प्रदेश पुलिस के हाथों मारा गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा था, हम नक्सलाइट मूवमेंट को पनपने नहीं देंगे। तीन महीने पहले सरकार बनने के तीसरे दिन भी बड़ा एनकाउंटर हुआ था। अब जब तक नक्सलियों का पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता, इस प्रकार की कार्रवाइयां होती रहेंगी।

ऐसी ही एक बड़ी कार्रवाई महाराष्ट्र में नक्सल विरोधी अभियान के तहत हुई। यहां के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने चार नक्सली को मार गिराया।

इन चारों नक्सलियों पर सरकार ने 36 लाख रुपए के इनाम रखे थे। महाराष्ट्र पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि एक बड़ा नक्सल ग्रुप लोकसभा चुनावों में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए गढ़चिरौली के जंगलों में छिपा है, जिसके बाद एक्शन में आई महाराष्ट्र पुलिस ने ये बड़ी कार्रवाई की। महाराष्ट्र नक्सल ऑपरेशन को लेकर पुलिस अधिकारी आईपीएस संदीप पाटिल कहते हैं कि महाराष्ट्र के नागपुर, पुणे, नासिक, मुंबई, थाणे, नासिक और गोंदिया जैसे शहरों में नक्सली घुसपैठ हुई है। माओवादियों से जुड़े अर्बन नक्सली स्लम इलाकों में युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें शासन, प्रशासन के खिलाफ लडाई लड़ने के लिए तैयार कर रहे हैं। पिछले दिनों पुलिस ने ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के गोपनीय दस्तावेज जब्त किए थे। इससे साफ पता चला है कि नक्सली शहरी भागों में खास तौर पर स्लम इलाकों में सक्रिय हैं। ये गरीब युवक जो किसी न किसी वजह से सरकार या सरकारी मशीनरी से नाराज हैं, उन्हें अपना हथियार बना रहे हैं। यह वाकई चिंताजनक है, लेकिन पुलिस प्रशासन मुस्तैद है, किसी भी नक्सली को नहीं छोड़ा जा रहा है। पुलिस ने अब शहरी क्षेत्रों में सक्रिय नक्सल समर्थकों पर निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

इन्हीं सख्तियों का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सक्रिय छह बड़े इनामी नक्सलियों ने बस्तर से निकलकर आंध्र पुलिस के जंगलों में शरण ली है। इन नक्सलियों में एरिया कमेटी के सचिव मिथिलेश उर्फ राजू समेत बरसे मासा, वेट्टी भीमा, वंजम रामे उर्फ कमला, मडकाम सुक्की और दूडी सोनी के रूप में हुई है। इन नक्सलियों पर 19 लाख रुपए का इनाम छत्तीसगढ़ पुलिस ने रखा था।

लोकसभा चुनाव ...

जिसमें उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू करने के लिए जरूरी नियमावली दर्ज की जाएगी। यानि, सम्पूर्ण कानून का मौजूदा उसमें समाहित किया जाएगा। यह काम जून में पूरा किया जाना है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी का मानना है कि आम चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के तत्काल बाद संबंधित कमेटी सरकार को नियमावली सौंप दे। ताकि आगे स्थानीय निकाय चुनाव में यह मुद्दा एक बार फिर से सरकार की उपलब्धियों में गिना जाए।

उत्तराखंड विधानसभा से 7 फरवरी को यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक पारित होने के बाद सरकार ने इसे लागू करने की नियमावली पर काम शुरू कर दिया था।

इसके लिए पूर्व मुख्य सचिव और यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तय करने वाली कमेटी के सदस्य शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। यह विधेयक राष्ट्रपति द्वारा मंजूर किया जा चुका है। भाजपा ने भी इसे अपने राष्ट्रीय संकल्प पत्र में शामिल कर लिया है। स्पष्ट है कि मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद पूरे देश में इसे लागू करेगी।

नेता और...

कि यदि जांच में यह पता चले कि कंपनियों की ओर से राजनीतिक दलों को दी गई राशि अपराध के जरिए अर्जित की गई है, तो उसे विभिन्न पार्टियों से वसूली का निर्देश भी अधिकारियों को दिया जाना चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मीडिया से मुखातिब हुए योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस की मंशा मुस्लिमों को आरक्षण देने की: योगी

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इनकी मंशा एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में डकैती डालने की है। सीएम योगी ने कहा कि यूपीए सरकार अपने शासनकाल में पूर्व चीफ जस्टिस एवं कांग्रेस सांसद रंगनाथ मिश्रा कमीशन सिफारिशों को लागू करना चाहती थी। बता दें कि रंगनाथ मिश्रा कमीशन के तहत ओबीसी को मिलने वाले 27 प्रतिशत आरक्षण में छह प्रतिशत अल्पसंख्यक समुदाय को देने की बात कही गई थी। सीएम योगी बुधवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पाटी कार्यालय में मीडिया सेंटर का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मंशा एससी, एसटी के अधिकारों में भी घुसपैठ करने की है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यूपीए सरकार में आई सच्चर कमेटी की रिपोर्ट है, जिसे भाजपा के भारी विरोध के कारण उन्हें वापस लेना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने घोषणात्र में संपत्ति का सर्वे कराने की बात कर रही है। वे लोग उसके बाद संपत्ति का अपने अनुसार बंदरबांट करेंगे। यूपीए सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस बात का उल्लेख भी किया था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने देश में चार जातियों की बात की है, गरीब, किसान, युवा और महिला। इसमें किसी जाति, मत-मजहब की बात नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस को देश की कीमत पर येन केन प्रकारेण सत्ता चाहिए। वह महिलाओं पर बर्बर अत्याचार करने वाले तालिबानी प्रवृत्ति को भारत में लागू करना

चाहती है। ये लोग तीन तलाक का समर्थन करते हैं। कांग्रेस देश में शरीया कानून लागू करके तालीबानी विध्वंस की समर्थक है। उनके घोषणापत्र में आधी आबादी के अपमान के इरादे साफ दिखाई देते हैं। ये देश की सुरक्षा, संप्रभुता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिसमें कांग्रेस की मंशा स्पष्ट उजागर होती है। इसके कारण 1947 में देश का विभाजन हुआ, देश आतंकवाद और उग्रवाद की चपेट में आया। सभी संस्थाएं भ्रष्टाचार में डूब गई थीं। देश में अविश्वास का माहौल खड़ा हो गया था। कांग्रेस फिर से देश को उधर लेकर जाना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1970 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था। गरीबी नहीं हट पाई, क्योंकि उनके पास इसे लेकर कोई ठोस कार्यक्रम नहीं थे। उनके 19-20 सूत्री कार्यक्रम फाइलों में रह जाते थे। योजनाएं कमीशनखोरी की भेंट चढ़ जाते थे। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देने की प्रवृत्ति जो उस समय प्रारंभ हुई थी वो यूपीए के शासनकाल में हमें और विभत्स रूप में देखने को मिला था। 65 साल तक शासन करने के बाद भी उनका पॉलिटिक्स परफॉर्मेंस के आधार पर नहीं बन पाया। इनकी योजनाएं पिक एंड चूज की थीं, चेहरे देखकर योजनाओं का लाभ देने का कार्य किया जाता था। अब एक बार फिर दादी के दिये नारे को पोते के द्वारा किस प्रकार से तोता रटंत किया जा रहा है कि हम गरीबी हटाएंगे। ये कैसे करेंगे, इसे इनके घोषणा पत्र में देखा जा सकता है, ये खतरनाक भी है और हास्यास्पद भी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये जनता को तय करना है, क्योंकि देश आपका है, सुरक्षा आपकी है, जीवन आपका है और वोट भी आपका है। आपका एक वोट आतंकवाद के पुराने दौर को वापस ला सकता है। वहीं भाजपा को वोट जाने का मतलब आतंकवाद को सीमापार ही निपटाना।

भाजपा को मिलने वाला एक-एक वोट हर व्यक्ति की सुरक्षा, सुशासन और संप्रभुता को सुनिश्चित करता है। भारतीय जनता पार्टी भारत को विकसित भारत के रूप में स्थापित करने की संकल्पना को लेकर आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, मंत्री असीम अरुण, मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, महामंत्री अनूप गुप्ता, हरीश श्रीवास्तव, हिमांशु दुबे सहित अन्य लोग मौजूद थे।

18 दिन में 2 लाख घरों को मिलने लगा नल से जल

प्रदेश के सभी 2.65 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 50 लाख से ज्यादा शेष बचे घरों में नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत नए वित्तीय वर्ष के मात्र 18 दिनों में ही 2 लाख से अधिक घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है, जो पहले क्वार्टर के लिए दिए गए 5 लाख से अधिक के लक्ष्य के सापेक्ष 40 प्रतिशत है। उल्लेखनीय हैं की योगी सरकार प्रदेश के 2.65 करोड़ से ज्यादा घरों में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। इस क्रम में योजना की शुरुआत से लेकर 18 अप्रैल 2024 तक 2.17 करोड़ से ज्यादा घरों तक नल का

कनेक्शन देने में सफलता मिली है, जबकि शेष 50 लाख घरों ने भी इस वित्तीय वर्ष में नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।2024-25 के एक्शन प्लान के अनुसार पहले क्वार्टर में 5.29 लाख कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित है, जबकि दूसरे क्वार्टर में भी 5.29 लाख से ज्यादा का लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं आखिरी दोनों क्वार्टर में शेष 40 लाख कनेक्शन का लक्ष्य है। इसके तहत तीसरे क्वार्टर में 10.5 लाख से ज्यादा का, जबकि चौथे और अंतिम क्वार्टर में करीब 30 लाख कनेक्शन दिए जाने हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के शुरुआती 18 दिनों में 2 लाख से ज्यादा कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे यह संभावना मजबूत होती दिख रही है कि सरकार लक्ष्य से पहले ही इसे हासिल कर लेगी। इससे पहले 2023-24 में 85 लाख कनेक्शन दिए जाने के लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष करीब 140 प्रतिशत या करीब 1.19 करोड़ कनेक्शन वितरित किए गए थे।

मतदान कर्मियों को फिर दी जाएगी हीट स्ट्रोक और मेडिकल किट

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में गर्मी के प्रकोप को देखते हुए लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण की 8 सीटों पर 26 अप्रैल को होने जा रहे मतदान के लिए मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक और मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ-साथ मतदान केंद्रों पर भी मतदान कर्मियों और मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 25 अप्रैल (गुरुवार) को मतदेय स्थलों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। उल्लेखनीय है कि दूसरे चरण में प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों में अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर (अ.जा.), अलीगढ़ और मथुरा में मतदान होना है। यह 8 लोकसभा सीटें प्रदेश के 9 जनपदों (अमरोहा, हापुड़, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ तथा मथुरा) के अंतर्गत आती हैं।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दूसरे चरण चरण की 8 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को

रवाना करने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मियों के लिए जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके।

अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा प्रदेश भर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। सघन जांच के लिए 480 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 23 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए। 4553 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराए गए। शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत 25,32,068 लोगों को पाबंद किए जाने के लिए नोटिस दिया गया है, जिनमें से 20,61,166 लोगों को पाबंद किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7650 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7753 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 411 बम बरामद कर सीज किए गए। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 3153 केंद्रों पर रेड डाली गई और 148 केंद्रों को सीज किया गया। 23 अप्रैल को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 249 लाइसेंसी शस्त्र का लाइसेंस निरस्त कर जमा कराया गया। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 36978 लोगों को पाबंद किया गया। साथ ही 105 बिना लाइसेंसी शस्त्र व 171 कारतूस बरामद कर सीज किए गए। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 96 केंद्रों पर रेड डाली गई।

कन्नौज से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे अखिलेश यादव

कन्नौज, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सियासी सरगर्मियों के बीच सपा ने कन्नौज से प्रत्याशी बदल दिया है। अब पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं यहां से चुनाव लड़ेंगे। दो दिन पहले सोमवार को सपा प्रत्याशी के रूप में तेज प्रताप का नाम

घोषित करने के बाद स्थानीय नेताओं में में निराशा और नाराजगी दिखने लगी थी। कार्यकर्ताओं की मांग पर दोपहर में संकेत देने के बाद शाम को अखिलेश यादव का नाम घोषित कर दिया गया है।

सपा के गढ़ की महत्वपूर्ण लोकसभा सीट कन्नौज से लगातार अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने की स्थानीय सपा नेता मांग कर रहे थे। लंबे समय से यहां के नेताओं और कार्यकर्ताओं को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लड़ने का आश्वासन भी देते आ रहे थे। इस बीच सोमवार को सपा ने कन्नौज से अखिलेश के यादव के भतीजे और मैनपुरी के पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह को टिकट दे दिया था।

इसके बाद से भाजपा ने जहां राहत की सांस ली थी, वहीं सपा नेताओं में नाराजगी और निराशा नजर आने लगी थी। वह लगातार सपा मुखिया से संपर्क करके उनसे लड़ने की मांग पर ही अड़े हुए थे। मंगलवार रात से जिले के ग्रुपों में उनके चुनाव लड़ने के संदेश भी वायरल होने लगे थे। इसे लेकर जब इटावा में जनसभा करने आए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से पत्रकारों ने सवाल पूछा था तो उन्होंने ऐतिहासिक जीत होने का दावा करते हुए खुद लड़ने का संकेत दिया था। इस बीच सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने भी अखिलेश के कन्नौज से चुनाव लड़ने की पुष्टि कर दी थी।

योगी की धुआंधार रैलियों ने ध्वस्त किए विपक्षियों के अरमान

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बेतहाशा गर्मी भी योगी आदित्यनाथ के इरादों को तनिक भी न डिगा सकी। बिना रुके, बिना थके वे लगातार भारतीय जनता पार्टी और गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए धुआंधार जनसंवाद कर रहे हैं। 25 दिन में योगी आदित्यनाथ ने 67 से अधिक रैलियां, रोड शो, प्रबुद्ध सम्मेलन कर जनसंवाद साध लिया। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश की सभी आठों सीटों पर उन्होंने कई-कई बार रैलियां, रोड शो, प्रबुद्ध सम्मेलन कर बता दिया कि 400 पार में 80 ही आधार बनेगा। साथ ही योगी आदित्यनाथ ने अब तक छह अन्य राज्यों में भी भगवा पताका फहराने के लिए प्रचार कर लिया है। पीएम मोदी के यूपी के सारथी योगी आदित्यनाथ ने मथुरा से प्रबुद्ध सम्मेलन कर अपनी चुनावी यात्रा का आगाज किया था तो दूसरे चरण में हनुमान जयंती के दिन श्रीराम के लिए आखिरी कार्यक्रम रोड शो का किया। यूपी व अन्य राज्यों में योगी की रैलियों से जहां एनडीए प्रत्याशियों को संजीवनी मिल रही है, वहीं विपक्षियों के अरमान ध्वस्त हो रहे हैं।दूसरे चरण का चुनाव 26 अप्रैल को है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश की कमान सौंपने का आह्वान योगी

25 दिन में 67 से अधिक रैलियां, रोड शो और प्रबुद्ध सम्मेलन

आदित्यनाथ ने 27 मार्च से प्रारंभ किया था। योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को पहला प्रबुद्ध सम्मेलन मथुरा में किया। यहां से अभिनेत्री, सांसद व भाजपा की उम्मीदवार हेमा मालिनी के लिए योगी आदित्यनाथ ने प्रबुद्धजन से संवाद साधा तो दूसरे चरण का आखिरी प्रचार उन्होंने रामायण धारावाहिक के श्रीराम और मेरठ से भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल के लिए किया। 23 अप्रैल को अरुण गोविल के रोड शो में योगी आदित्यनाथ को देखने मेरठ में बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक समाज की जबर्दस्त भीड़ उमड़ी। बागपत सीट से वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के सांसद सत्यपाल सिंह हैं। इस बार यह सीट गठबंधन के कारण लोकदल के खाते में गई। यहां से लोकदल के उम्मीदवार डॉ. राजकुमार सांगवान चुनाव मैदान में हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के लिए योगी आदित्यनाथ ने जहां कई-कई बार धुआंधार प्रचार किया तो वहीं राजकुमार सांगवान के लिए भी योगी ने रात-दिन एक कर दिया। गठबंधन धर्म निभाते हुए योगी आदित्यनाथ ने राजकुमार सांगवान के पक्ष में दो जनसभा और एक विजय संकल्प रैली भी की।

साथ ही 31 मार्च को चौधरी चरण सिंह गौरव सम्मान समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मेरठ से बागपत वासियों से राजकुमार सांगवान को सदन भेजने की अपील भी की।दूसरे चरण की उत्तर प्रदेश की जिन आठ सीटों पर चुनाव होना है, उसमें से गाजियाबाद व मेरठ में इस बार भारतीय जनता पार्टी ने नए प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। गाजियाबाद से वर्तमान में जनरल वीके सिंह और मेरठ से राजेंद्र अग्रवाल सांसद हैं। भाजपा ने गाजियाबाद से विधायक अतुल गर्ग को मैदान में उतारा है तो मेरठ में अरुण गोविल उम्मीदवार हैं। इन दोनों के लिए योगी आदित्यनाथ ने कई बार आमजन से संवाद साधते हुए यहां भी कमल खिलाने की अपील की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यहां की कानून व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के लिए समृद्धि का पर्याय माना जाता है। 'बुलडोजर बाबा' के रूप में विख्यात योगी आदित्यनाथ को पूरे देश में लोगों का स्नेह प्राप्त होता है।

लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ अब तक महाराष्ट्र, जम्मू, उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार व छत्तीसगढ़ में भी रैली कर चुके हैं। इनमें से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव, महाराष्ट्र के वर्धा, राजस्थान के जोधपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ व बाड़मेर सीटों पर 26 अप्रैल को चुनाव होगा।

हटाये गये पोस्टर बैनर व प्रचार सामग्री

बिना अनुमति के सभा व अन्य मामलों में 94 एफआईआर

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के प्रभावी अनुपालन में सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से 1,17,51,475 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। सार्वजनिक स्थानों से 71,57,735 तथा निजी स्थानों से 45,93,740 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी।

सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग 7,81,420, पोस्टर 33,19,983, बैनर 20,19,431 एवं अन्य 10,36,901 मामलों में कार्यवाही की गयी। निजी स्थानों में वालराइटिंग 6,19,589, पोस्टर 21,09,873 बैनर 11,32,312 एवं अन्य 7,31,966 मामलों में कार्यवाही की गयी। वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग के 1275 मामलों में , लाउडस्पीकर एक्ट के उल्लंघन के 2192 मामलों में कार्यवाही की गयी।

बिना अनुमति के सभा व भाषण करने, मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने, वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग एवं अन्य मामलों में 94 एफआईआर दर्ज, 06 एनसीआर सहित 100 प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

नरेन्द्र मोदी का बज रहा है डंका

100 में 80 प्रतिशत वोट हमारा : केशव प्रसाद

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अमांपुर कासगंज में एटा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2014 में मोदी की हवा थी, 2019 आंधी थी और अब 2024 में तूफान चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रोकने के लिए भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हुए लोगों ने गठबंधन बनाया है। जनता इनके गठबंधन की गांठ खोलने वाली है। देश की जनता ने सपा-बसपा

मुक्त उत्तर प्रदेश, कांग्रेस मुक्त भारत देश का संकल्प लिया है। समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाना है। उन्होंने नारा लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के अन्दर नरेन्द्र मोदी का बज रहा है डंका और सपा, बसपा, कांग्रेस की जल रही लंका।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस के लोगों का भ्रष्टाचारी व आपराधिक इतिहास किसी से छुपा नहीं है। सपा की गुंडागर्दी, अपराध, दंगाई और माफियाराज से मुक्ति के लिए जनता ने भाजपा को 2017 में आशीर्वाद दिया था। जिससे डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश को माफिया, गुण्डों व भ्रष्टाचारियों से मुक्त करके भयमुक्त वातावरण दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा-कांग्रेस सभी एक हो गए थे। गरीब मां-बाप के बेटे, पिछडे वर्ग से आने वाले नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में विपक्ष को बर्दास्त नहीं कर पा रहा है।उन्होंने कहा कि 100 में 80 प्रतिशत वोट हमारा है। 20 में बंटवारा है और बंटवारे में भी हमारा है।श्री मौर्य ने कहा कि कांग्रेस के काले कारनामे उजागर हो रहे है।

सपा बसपा और कांग्रेस के लोग आम आदमी की गाढ़ी कमाई का आधा हिस्सा अपने खाते में जमा करना चाहते है।

अमित शाह ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है

वाराणसी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी ने काशी क्षेत्र में विकास के ढेर सारे काम किए हैं। उन्होंने काशी के गौरव को बढ़ाने का काम किया है।

पहले पूर्वांचल को चंबल माना जाता था, आज डबल इंजन की सरकार में पूर्वांचल माफिया मुक्त हो गया है। पीएम मोदी ने देश को परिवारवाद और भ्रष्टाचार से मुक्त किया है। महिलाओं व युवाओं को योजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का काम पीएम मोदी ने किया है।

अमित शाह ने काशी के कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी को तीसरी बार प्रचंड जीत दिलाने की जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि 30 साल से मैं विधायक और सांसद रहा हूं, लेकिन मेरे सिर पर कभी भी नरेंद्र मोदी

जितनी जिम्मेदारी नहीं रही। 100 साल के वरिष्ठ नागरिकता तक सबकी चिंता पीएम को है। गांव में रहने वाली गरीब माताओं से लेकर युवाओं के भविष्य व देश की सुरक्षा हर पहलू पर पीएम मोदी कार्य कर रहे हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी की लोकप्रियता 542 सांसदों में सबसे बेहतर है। किसी से उनका मुकाबला नहीं है। इतनी व्यस्तता के बावजूद सांसद बनने के बाद पीएम मोदी काशी दौरे पर आते हैं। हर बार काशीवासियों के लिए सौगातें लेकर आए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

जीवन में विश्वास के बिना राम आ नहीं सकते : मुरलीधर महाराज

नुमाईश मैदान में श्रीरामकथा के तीसरे दिन उमड़ा भक्तों का सैलाब
श्रीराम के जन्म से जुड़े प्रसंग की भक्ति धारा में बहे श्रद्धालु, बजी थालियां

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गोपाल गौशाला की सहायतार्थ नुमाईश मैदान में आयोजित 9 दिवसीय श्रीरामकथा के तीसरे दिन श्री राम भक्ति का ऐसा ज्वार उमड़ा कि भाग्यनगर में भक्ति की बहार ने सारी सीमाएं लांघ डाली। श्रीरामकथा में तीसरे दिन मानस मर्मज्ञ संत मुरलीधर महाराज ने राम जन्म का वर्णन ऐसे अंदाज में सुनाया कि पूरा पंडाल राम नाम की चौपाइयों से गूंज उठा। तृतीय दिवस को श्रीरामकथा का प्रारंभ मुरलीधर महाराज ने श्री राम की चौपाई, श्रीराम की वंदना और हनुमान चालीसा के साथ दोपहर 3 बजे आरंभ किया, जो शाम 8 बजे तक निरंतर जारी रही। इस मौके पर मुरलीधर महाराज ने अपनी मधुर वाणी से श्री रामचंद्र जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

मुरलीधर महाराज ने बताया कि शिव विवाह के बाद सभी देवी-देवता अपने लोक की ओर प्रस्थान कर गये। धीरे-धीरे समय बीता तो कार्तिकेय का जन्म हुआ, और उसके बाद दूसरे बेटे के रूप में गजानन ने अवतार लिया। मुरलीधर महाराज ने कहा कि बिना भगवान को जाने ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती, ज्ञान को प्राप्त करने के लिए भगवान को जानना जरूरी है। जीवन में अगर विवेक होगा तो रामचन्द्र की प्राप्ति अवश्य होगी। संसार में जीना झूठ है, और मृत्यु सत्य। हम लोग सिर्फ कहते है कि मृत्यु सत्य है परन्तु मानते नही हैं। भगवान अनुराग से मिलते हैं। जीवन में विश्वास के बिना राम नहीं आ सकते। राम जहां हैं वहां कामनाए नहीं होती, कमाना समाप्त हो जाती है। दुसरे को सुनाना बहुत आसान है, अपने मन को सुनना बहुत कठिन। जब श्रोता जिज्ञासु होता है, तो वक्ता को सुनाने में आनंद आता है। कोई सुने या न सुने पर हमेशा याद रखना सुनने वाला तो बैठा है। कैलाश जहां शिव हमेशा उमा के साथ निवास करते हैं, कैलाश में एक वट का वृक्ष का पेड़ है, जहां पर शिव विश्राम करने के लिए जाते हैं, तब माता पार्वती उनके पास जाती हैं और पार्वती शिव के पास जाकर 12 प्रश्न पूछती हैं, परन्तु मानस में आठ का ही उत्तर है। शिव ने आठ का ही उत्तर दिया। जैसे ही उमा ने शिव से आठों उत्तर को जाना, शिव जी के हदय में राम उमड़े। राम ने शिव को स्मरण कराया कि पार्वती के प्रश्नों में छल नही हैं। शिव उमा को धन्य-धन्य करने लगे, तब पार्वती ने बोला, कि प्रभु आप ने मुझे क्यों धन्य-धन्य बोला। तो शिव बोले कि आपने हमसे प्रश्न पूछा, इसलिए हम देवी आपको धन्य बोल रहे है । शिव बोले देवी जो हम आपको जो कहानी सुनने जा रहे हैं उसके लिए आपको हरिद्वार जाना पड़ेगा, आप तो देवी उमा के चरणों की अनुरागी हो। आपने तो प्रश्न पूछ कर संसार का कल्याण किया है। शिव ने कहा उमा जिन्होने इंसानो का शरीर लेकर अपने कानों से शिव कथा नही सुनी उनके कान सांप का घर है देवी। जीते -जीते मर जाने को ही भगवान की भक्ति कहते हैं। विश्वास का दीप जलाने को भगवान की भक्ति कहते हैं। प्रभु की इच्छा में इच्छा मिलाने को ही भगवान की भक्ति कहते हैं। इसके बाद मुरलीधर महाराज ने प्रभु श्री राम के जन्म के प्रसंग को जिस तरह से सुनाया, उसे सुनकर पूरा का पंडाल ही झूम उठा। अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्म के बाद जश्न और आनंद का जो माहौल बना, उसे मुरलीधर महाराज ने बड़े ही रोचक अंदाज में सुनाया।

इस मौके पर श्रीरामकथा के मुख्य उद्घोषक हरिनारायण व्यास ने उपस्थित जनमानस को श्री गोपाल गौशाला की कल्याणकारी योजनाओं से रूबरू करवाया, साथ ही सभी से गौवंश को बचाने के लिये गौशाला को आर्थिक सहयोग करने की अपील की। हरिनारायण व्यास ने बताया कि गौशाला में एक कट्टा घास प्रतिदिन एक महीने तक की सेवा रूपए 500 देकर कर सकते हैं। एक गाय की मासिक भोजन सेवा 2,100 रूपए देकर कर सकते हैं। गौशाला में गुड़-दलिया या चुन्नी भूसा एक दिन की सेवा रूपए 3,100 देकर एवं गौशाला में पचास गौवंश की एक दिन की भोजन व्यवस्था की सेवा 5,100 रूपए देकर कर सकते हैं। तो वहीं एक डीसीएम गाड़ी घास या एक समय की संपूर्ण गौवंश की भोजन व्यवस्था रूपए 11,000 एवं गाय दत्तक योजना के तहत एक गाय को एक वर्ष तक दत्तक लेने की सेवा 21,000 रूपए देकर की जा सकती है। गौशाला में संपूर्ण गौवंश की एक दिन की भोजन व्यवस्था 21,000 रूपए देकर हो सकती है। वहीं अपने और अपने परिवार में किसी के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, मंगलकार्य या प्रियजनों की याद में विशेष सेवा भी 21,000 रूपए देकर की जा सकती है। वहीं गौशाला की खास सेवा यानी गौदान सेवा जिसमें एक गाय जिसने पहली बार बछड़े को जन्म दिया हो, उसका गोदान 51,000 रूपए की राशि दान करके की जा सकती है। इस मौके पर गौशाला में सहयोग करने वाले भक्तों के बारे में भी सबको बताया गया।श्रीरामकथा का विश्राम सामूहिक आरती के साथ किया गया। जिसमें आमंत्रित भक्तगण के तौर पर तुलसीराम बंसल, अर्जुन कुमार गोयल, वेद प्रकाश अग्रवाल, कैलाश नारायण भांगड़िया, आनंद कुमार गुप्ता, संजय कुमार गुप्ता, महावीर प्रसाद अग्रवाल, सतीश कुमार गोयल, अर्जुन लाल अग्रवाल, रतनसिंह शेखावत और रमेश चंद अग्रवाल ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कमलचंद अग्रवाल, हनुमानदास भालवाले, विश्वनाथ श्याम प्लाईवुड वाले, अर्जुन फिटकरी वाले को गौशाला हेतु राशि भेट की, जिसके चलते उनका महाराजजी की द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर ज्योतिषाचार्य पवन गुरु का महाराज का सम्मान किया गया।

तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश में चक्रवात की स्थिति

अमरावती, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

तेलंगाना और उससे सटे तटीय आंध्र प्रदेश में समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर ऊपर चक्रवात की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने बुधवार को यहां दैनिक मौसम रिपोर्ट में बताया कि हवा का दबाव तेलंगाना और उससे सटे तटीय आंध्र प्रदेश से लेकर दक्षिण तमिलनाडु तक समुद्र तल से औसतन 0.9 किमी ऊपर है। वहीं, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और आसपास के क्षेत्र में समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर चक्रवात की स्थित है।मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों के दौरान उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर और शुक्रवार से रविवार तक दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में लू चलने के आसार हैं।अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गर्म, आर्द्र और असुविधाजनक मौसम रहने की संभावना है। वहीं अगले सात दिनों के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में तथा 26 से 30 अप्रैल तक उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश में एक या दो स्थानों पर और अगले 48 घंटों के दौरान यानम हल्की बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश के कलिंगपट्टनम, विशाखापत्तनम में लू की स्थिति बनी रही। इसी अवधि के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश में एक या दो स्थानों पर बारिश हुई और रायलसीमा तथा यनम में शुष्क मौसम बना रहा। मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगलवार को रायलसीमा के अनंतपुर में अधिक तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्री राम सत्संग समिति हैदराबाद के तत्वाधान में श्री हनुमान जन्म उत्सव पाटीदार भवन मुसापेट में धूमधाम से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर निजामाबाद से सारडा बंधु द्वारा संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आनंद सभी सनातन हिन्दू परिवार ने लिया। अवसर पर मुख्य अतिथि श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास वृतधर रामानुज जीयर स्वामीजी ने सभी को मंगलासासन दिया एवं श्री हनुमान जी के प्रताप और उनकी भक्ति के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर योग गुरु श्री शांति दूत नरेंद्र बंधु ने सारडा बंधु का सम्मान स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। अवसर पर श्री राम सत्संग समिति हैदराबाद के कार्यकर्ता एवं सुंदरकांड का आनंद लेते हुए भक्तगण।

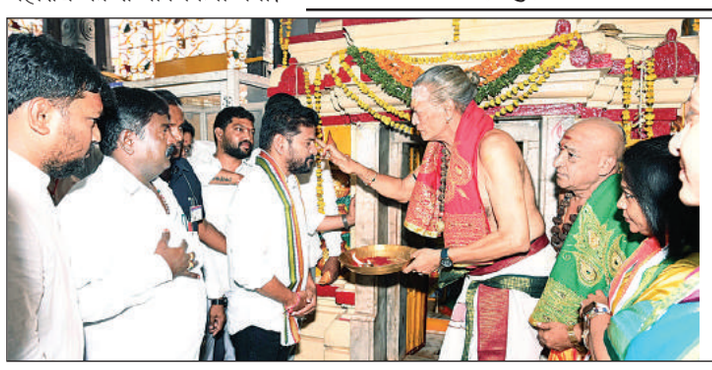

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को सिकंदराबाद में महाकाली मंदिर का दौरा किया और पूजा की।

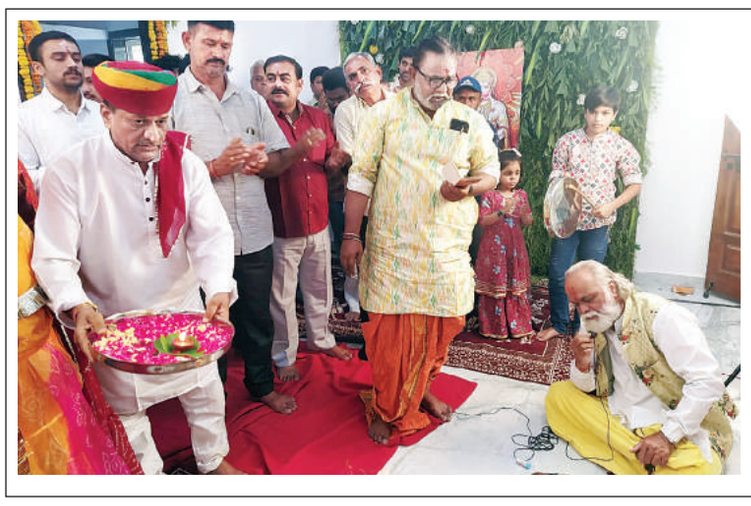

तिलकनगर में सत्यनारायण कथा करवाते पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली। साथ में आरती पूजा का आनंद लेते भक्तगण।

लड्डू बबिता, आदित्य, मेहुल बंग, श्रीगोपाल कविता वंश, दर्श अटल एवं आनंद मोनिका मारू ने श्री खाटू धाम श्री श्याम बाबा दर्शन किए।

श्री वैष्णव सत्संग मण्डल सुल्तान बाजार द्वारा आयोजित बाल संस्कार शिविर का शुभारम्भ के अवसर पर दीप प्रज्वलित करती हुई सुरेखा सारड़ा, माया पटेल, राजेश तोषनीवाल एवं संचालक राधेश्याम राठी।

गौरक्षकों ने दो वाहनों में भरे 94 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दूसरे राज्यों से हैदराबाद में काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना एवं गोरक्षा दल टाइगर फोर्स, ध्यान फाऊंडेशन, हिंदूतख्त के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी भी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। गौरक्षकों ने पुलिस की सहायता से दो वाहनों में भरे 94 गोवंश को कटने से बचाया। गाड़ियों में भरे गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने ले जाया जा रहा था। गोवंश को पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में सुरक्षित छोड़कर गोवंश को जीवन दान दिया गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौ रक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महा अभियान में गौरक्षा दल टाइगर फोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह, गौरक्षा दल तेलंगाना प्रेसिडेंट कालू सिंह, गोरक्षा दल आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष विजय रामकुमार यादव, बजरंग दल के ऊपल जिला कन्वीनर सुनील नायक, गौज्ञान फाऊंडेशन के नितेश विजयवर्गीय, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल तेलंगाना के जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, गौ रक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, मोटू, पवन, सोनू सिंह, बी डाला साईं, अनिल रेड्डी, मुन्नी, विनय, भारत, चरण, क्रांति, पारसनाथ, पवन, सुमन, भानु, मधु, कार्तिक, लोकेश, छोटा चिंटू, बगीश, गौतम, मिलन, मोहन, सचिन, केदार सिंह, सतीश सिंह, कोटी मयूरेश, प्रणीत सहित अन्य कार्यकर्ता एवं अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भाग्यनगर के पुराने शहर चारकमान, घांसी बाजार में आयोजित हिंदू धर्म प्रेमी तथा चंपा दरवाजा मंदिर द्वारा निकाली गई श्री हनुमान शोभायात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत करते हुए कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन के संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, बृजमोहन राजकमल भट्टड़, पवन भट्टड़, बालाजी एवं अन्य तथा भंडारा चौक रिकाबगंज में आयोजित भंडारा कार्यक्रम में प्रसाद का लाभ लेते हुए भक्तगण

हनुमान जयंती के अवसर पर गोशाला में पशु आहार वितरित

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद समर्पण के तत्वावधान में बुधवार को हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में श्री वीरांजनेया स्वामी देवस्थानम द्वारा संचालित गौशाला में पशु आहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष महेन्दर गुप्ता, मानद मंत्री निर्मल कुमार जैन , कोषाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत, प्रवीण खंडेलवाल, नीता खंडेलवाल, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे। लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद समर्पण की कार्यकारिणी द्वारा प्रति माह गोशाला को नि:शुल्क चारा प्रदान करने वाले निर्णय के तहत आज श्री वीरांजनेया स्वामी देवस्थानम द्वारा संचालित गौशाला में सूखे चारा का वितरण किया गया।

लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद समर्पण द्वारा लिए गए इस निर्णय का तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने स्वागत किया एवं उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद्, बजरंग दल, हिन्दू वाहिनी एवं सभी सामाजिक संस्थाओ से आग्रह किया है की वे भी आगे आकर एक एक गोशाला को दत्तक ले। महेश अग्रवाल ने बताया की नगर में कार्यरत छोटी गोशालाओ के लिए संस्थाओ द्वारा सेंधा नमक निशुल्क रूप से प्रदान किया जा रहा है, इच्छुक गोशाला संपर्क कर सकते है। कार्यक्रम में गोशाल अध्यक्ष दिलीप कुमार, बाबूराव, चेपुरी लक्ष्मण चारी, मनोहर राजू, दासजु लक्ष्मण चारी आदि भी उपस्थित थे।

राजेंद्र नगर के कांटेदन में बाल गणेश यूथ एसोसिएशन की ओर हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य रूप से हनुमान जी महाराज की झांकी के साथ शोभा यात्रा कांटेदान के विभिन्न मार्गो से होते हुए गाजे बाजे के साथ निकाली गई। इस विशाल शोभायात्रा में हजारों लोग नाचते-गाते हुए हनुमान जी महाराज का जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

श्रीराम दरबार सत्संग समिति बेगम बाजार भाग्यनगर के तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर धीरेन राणा परिवार एव मित्र मंडल के सौजन्य से कमला रमना अपार्टमेंट कुतुबीगुडा काचीगुडा में आयोजित संगीतमय सुन्दरकाण्ड पारायण की राममय प्रस्तुति देते कन्हैया वैष्णव, आनंद शर्मा, चेतन पाराशर, जगजीत सिंह एवं पारायण का आनंद लेते हुए भक्तगण।

केंद्र में सरकार बनाएगी कांग्रेस : रेवंत रेड्डी

कांग्रेस प्रत्याशी दानम नागेंद्र ने दाखिल किया नामांकन

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दावा किया कि उनकी कांग्रेस केंद्र में अगली सरकार बनाने जा रही है। सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवार डी. नागेंद्र के लिए प्रचार अभियान के तहत एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस यह सीट भाजपा से छीन लेगी।

उन्होंने कहा, सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र का इतिहास बताता है कि जो पार्टी यह सीट जीतती है वह केंद्र में सरकार बनाती है। इस बार कांग्रेस यह सीट जीतेगी और केंद्र में सरकार बनाएगी। पूर्व मंत्री और खैरताबाद से मौजूदा बीआरएस विधायक नागेंद्र पिछले महीने कांग्रेस में शामिल हुए और पार्टी ने उन्हें सिकंदराबाद से मैदान में उतारा, जहां केंद्रीय मंत्री और राज्य भाजपा प्रमुख जी. किशन रेड्डी फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि 2004

में जब कांग्रेस उम्मीदवार अंजन कुमार यादव ने भाजपा के बंडारू दत्तात्रेय को हराया था, तब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आई थी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि 13 मई के चुनावों में यह दोहराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सिकंदराबाद सीट जीतने के बाद नागेंद्र को केंद्र में अहम पद मिलेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि इस निर्वाचन क्षेत्र से जीतने वाले भाजपा नेता केंद्र में मंत्री बने, लेकिन उन्होंने शहर के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब हैदराबाद बाढ़ की चपेट में था तो किशन रेड्डी केंद्र से कोई सहायता पाने में विफल रहे।बीआरएस उम्मीदवार पद्मा राव की एक सज्जन व्यक्ति के रूप में प्रशंसा करते हुए, रेवंत रेड्डी ने उन्हें बीआरएस प्रमुख के.चंद्रशेखर राव पर भरोसा न करने की चेतावनी दी और आरोप लगाया कि बीआरएस ने उन्हें अपमानित करने के लिए पद्मा राव को मैदान में उतारा है। उन्होंने पूछा कि पार्टी प्रमुख और उनके बेटे और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. जब पद्मा राव ने नामांकन दाखिल किया तो रामा राव नहीं आये। वे उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने सिकंदराबाद का टिकट बीजेपी के पास गिरवी रख दिया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की सरकारों ने ही हैदराबाद का विकास किया। उन्होंने याद दिलाया कि जुड़वां शहरों के लिए मेट्रो रेल परियोजना कांग्रेस द्वारा विकसित की गई थी, जिसने कृष्णा और गोदावरी नदियों का पानी हैदराबाद तक लाया था और बीआरएस को इस पर बहस करने की चुनौती दी थी। चुनाव प्रचार से पहले सिकंदराबाद के उज्जैनी महानकाली मंदिर में पूजा करने वाले रेवंत रेड्डी ने कहा कि पार्टी ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखा है। इस बात पर जोर देते हुए कि भगवान को मंदिर में और भक्ति को दिल में होना चाहिए, उन्होंने टिप्पणी की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान को बाजार में ले आए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी सांप्रदायिक विभाजन पैदा करके चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं। इस अभियान में पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अज़हरुद्दीन, पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव और अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया। सिकंदराबाद कांग्रेस सांसद उम्मीदवार दानम नागेंद्र ने बुधवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी मौजूद रहे।

मोदी के नेतृत्व पर निर्भर है देश की समृद्धि : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने देश की प्रगति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपरिहार्य भूमिका पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि श्री मोदी के बिना देश की कल्पना नहीं की जा सकती और देश तभी विकसित होगा जब श्री मोदी होंगे।

श्री रेड्डी ने जुबली हिल्स में चुनाव अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हम श्री मोदी के बिना देश की कल्पना नहीं कर सकते। देश तभी विकसित होगा जब श्री मोदी होंगे। उन्होंने मतदाताओं से 13 मई को अपने मतपत्रों के माध्यम से देश के नेतृत्व का निर्धारण करने का आग्रह किया। श्री रेड्डी ने राष्ट्र के लिए श्री मोदी के योगदान पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, जहां नागरिकों को मुफ्त टीके और आवश्यक राशन आपूर्ति प्रदान की गयी तथा गरीबों के उत्थान के उद्देश्य से मुफ्त चिकित्सा देखभाल, रसोई गैस सिलिंडर और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के तहत की जा रही वित्तीय सहायता पहल के बारे में भी बात की।भाजपा नेता ने भविष्य में मुफ्त दवा उपलब्ध कराने और आर्थिक वृद्धि एवं औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बचत समितियों को ऋण की सुविधा प्रदान करने की श्री मोदी की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने श्री मोदी को स्वच्छ भारत और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी परिवर्तनकारी योजनाएं शुरू करने का श्रेय दिया, जिससे क्रमशः स्वच्छता और कन्या भ्रूण हत्या के मुद्दों से निपटा जा सका।श्री मोदी के कार्यकाल में हासिल की गई स्थिरता और सुरक्षा पर प्रकाश डालते हुए, श्री रेड्डी ने इसकी तुलना पिछले सरकार के दौरान व्याप्त रही सांप्रदायिक अशांति से की तथा कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व ने देश में शांति एवं सद्भाव सुनिश्चित किया है। उन्होंने मतदाता भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए भाजपा के प्रतीक कमल के लिए समर्थन का आग्रह करते हुए कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश में विभिन्न विकास कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

हैदराबाद से भाजपा लोकसभा प्रत्याशी माधवी लता ने दाखिल किया नामांकन

समर्थकों के साथ चारमीनार से निकाली रैली, भाग्य लक्ष्मी मंदिर में की पूजा-अर्चना

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर भी नामांकन रैली में हुए शामिल

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा की हैदराबाद लोकसभा उम्मीदवार के. माधवी लता ने बुधवार को चारमीनार से एक रैली का नेतृत्व करने के बाद अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के लिए हैदराबाद जिला कलेक्टरेट जाने से पहले उन्होंने अपने समर्थकों के साथ ऐतिहासिक स्मारक से सटे भाग्य लक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना की। सैकड़ों भाजपा समर्थकों ने पार्टी के झंडे लेकर और नारे लगाते हुए रैली में भाग लिया, जो गुलजार हौज, पथरगट्टी, मदीना, नया पुल और अफजल गंज से होकर गुजरी।भगवा वस्त्र पहने माधवी लता ने मंदिर में अनुष्ठानों में भाग लिया और शंख भी बजाया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर भी नामांकन रैली में शामिल हुए और लोगों से भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने की अपील की। इससे पहले, चारमीनार में पत्रकारों से बात करते हुए, भाजपा उम्मीदवार ने सांप्रदायिक एआईएमआईएम, कांग्रेस और बीआरएस को हराने के लिए लोगों से समर्थन मांगा। भाजपा उम्मीदवार, जिन पर रामनवमी जुलूस के दौरान एक मस्जिद की ओर काल्पनिक तीर चलाने के उत्तेजक इशारे के लिए पुलिस ने मामला दर्ज किया था, ने दोहराया कि वीडियो उन्हें निशाना बनाने के लिए संपादित किया गया था। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी इन हथकंडों का सहारा ले रहे हैं क्योंकि उन्हें चुनाव हारने का डर है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मदरसों में पढ़ने वाली मुस्लिम महिलाएं हिजाब पहन सकती हैं लेकिन आम स्कूलों में धार्मिक ड्रेस कोड की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यकों को मदरसों की तरह अपने स्कूल खोलने का अधिकार है और वहां लड़कियां हिजाब के साथ जा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि हिंदू अपने धर्म की शिक्षा देने के लिए ऐसे स्कूल नहीं खोल सकते। हालांकि, उन्होंने मदरसा प्रबंधन द्वारा मदरसों में अंग्रेजी और आधुनिक शिक्षा शुरू न करने पर अफसोस जताया। एआईएमआईएम द्वारा चारमीनार के पास ऐतिहासिक मक्का मस्जिद से इसी तरह की रैली आयोजित करने के कुछ दिनों बाद माधवी लता की नामांकन रैली आयोजित की गई थी।

मस्जिद में शुक्रवार की नमाज अदा करने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख और मौजूदा सांसद असदुद्दीन ओवैसी अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए एक रैली में रवाना हुए थे। हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र एआईएमआईएम का गढ़ है, जो पिछले चार दशकों से इस सीट पर जीत हासिल कर रही है। वह 1984 के बाद से यहां कभी चुनाव नहीं हारी है।

पवन कल्याण की संपत्ति 215 फीसदी बढ़ी, 11 वाहनों के हैं मालिक

विजयवाड़ा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

अभिनेता से राजनेता बने कोनिडेला पवन कल्याण की संपत्ति में पिछले पांच वर्षों के दौरान 215 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। पवन कल्याण ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते समय 164.52 करोड़ रुपए की पारिवारिक संपत्ति घोषित की। जन सेना नेता ने 2019 में 52 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की थी। इस बार, उन्होंने अपने नाम और अपनी पत्नी कोनिडेला अन्ना और चार निर्भर बच्चों के नाम पर संपत्ति की घोषणा की है। काकीनाडा जिले के पीथापुरम निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने वाले पवन कल्याण ने कहा कि उनके पास 41.65 करोड़ रुपए की चल संपत्ति है। इनमें 14

करोड़ रुपए कीमत की 11 गाड़ियां शामिल हैं। अभिनेता के वाहनों के बेड़े में मर्सिडीज बेंज आर क्लास 350, महिंद्रा स्कॉर्पियो एस8, दो महिंद्रा स्कॉर्पियो एस11, बेंज मेबैक-एस क्लास 560, रेंज रोवर स्पोर्ट्स, टोयोटा लैंडक्रूजर, टोयोटा वेलफायर, जीप रैंगलर, पिक-अप ट्रक टाटा योद्धा और एक हार्ले डेविडसन-हेरिटेज बाइक शामिल हैं।

पवन कल्याण की पत्नी के पास 1 करोड़ इनमें 14 करोड़ रुपए की चल संपत्ति है। अभिनेता के पास 94.41 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है, जिसमें कृषि और गैर-कृषि भूमि तथा हैदराबाद के जुबली हिल्स में दो आवासीय भवन शामिल हैं। अभिनेता की पत्नी के पास बंजारा हिल्स में उनके द्वारा उपहार में दिया गया 1.95 करोड़ रुपए का एक फ्लैट है। उनके दो निर्भर बच्चे जुबली हिल्स में 22 करोड़ रुपए की एक आवासीय इमारत को समान रूप से साझा करते हैं। अभिनेता पर 65.76 करोड़ रुपए की देनदारी है। अभिनेता पर आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से ज्यादातर भड़काऊ भाषण देने के हैं। पवन कल्याण ने 2019 में चुनावी शुरुआत की थी, लेकिन दोनों विधानसभा सीटों पर चुनाव हार गए। मेगास्टार के. चिरंजीवी के छोटे भाई ने 2014 में जन सेना पार्टी बनाकर राजनीति में प्रवेश किया। पार्टी ने चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन, टीडीपी-भाजपा गठबंधन का समर्थन किया। जन सेना ने 2019 का चुनाव बसपा और वामपंथी दलों के साथ गठबंधन में लड़ा, लेकिन सिर्फ एक विधानसभा सीट हासिल की। पार्टी अगले महीने होने वाले चुनाव टीडीपी और भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ रही है। सीट बंटवारे के तहत उसे 21 विधानसभा और दो लोकसभा सीटें आवंटित की गई हैं।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर कवियों ने बहाई भक्ति रस की धारा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी के 42वें वर्ष का छठवाँ प्रतिमास आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन पूर्णिमा के दिन श्री हनुमान जन्मोत्सव पर मच्छा बोलारम स्थित लालदास बाबा मठ के प्रसिद्ध श्री एकादशमुखी हनुमान मंदिर के प्रांगण में संपन्न हुआ। मंदिर में प्रात: 4 से 6 बजे तक एकादश मुखी रुद्र श्री हनुमान जी का पंचामृत अभिषेक किया गया। उसके पश्चात सायं 6 बजे तक दर्शन, तीर्थ और प्रसाद के कार्यक्रम संपन्न हुए। दिन में 11 बजे श्री सत्यनारायण स्वामी भगवान की कथा का आयोजन संपन्न हुआ। सायं 6 बजे से भंडारे की व्यवस्था थी, जिसमें हज़ारों भक्तों ने भाग लिया। मंदिर के महंत सरजू दास

और लालदास बाबा मठ के मैनेजिंग ट्रस्टी पंडित राजेंद्र जोशी ने मंदिर में आयोजित सभी धार्मिक एवं पूजा कार्यक्रमों को सफलता के साथ संपन्न करवाया। शिवशंकर तिवारी, रवींद्र सिंह भदौरिया, डॉ. संगीता पांडेय, जेडी मनोहर सिंह और जेडी जगवेंदर सिंह बतौर विशेष अतिथि कवि सम्मेलन के मंच पर विराजमान थे।

इस अवसर पर गीत चाँदनी के तत्वावधान में भक्ति कवि सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता श्रुतिकांत भारती ने की और कवि गोविंद अक्षय ने संचालन का भार सँभाला। उन्होंने श्री हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की। गीत चाँदनी की बहुआयामी गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए याद दिलाया कि लालदास बाबा मठ के बाबा शंभू दयाल दुबे इटावा से घुमते हुए हैदराबाद आये थे और इसी मठ में रह गये।

उन्हें साहित्य से बहुत रुचि थी। वह एक अच्छे ज्योतिषाचार्य थे। उन्हें रामायण से बहुत प्रेम था। तुलसीकृत रामायण सदा उनके हाथ में रहती थी। इसके अतिरिक्त उन्होंने देश में हिंदी में लिखी गयी रामायणों का संग्रह भी किया था। वह गीत चाँदनी के संरक्षक सदस्य थे। प्रतिवर्ष उनकी स्मृति में श्री एकादश हनुमान जी की प्रतिमा के सम्मुख कवि सम्मेलन किया जाता है। लालदास बाबा मठ में पिछले तीन दशकों से गीत चाँदनी कवि सम्मेलन का आयोजन सफलता के साथ संपन्न हो रहा है।

मंदिर के महंत सरजूदास ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट किये और कहा कि श्री हनुमान जन्मोत्सव के दिन बजरंगबली के अलग-अलग रूपों की पूजा होती है।

धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्री हनुमान जी के 108 नामों का जाप करने से भय, कष्ट, दरिद्रता दूर होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज परमात्मा के गुणों का गान और बयान कर लोगों में जागृति लाने की अत्यंत आवश्यकता है। अपने निर्मल कर्मों के माध्यम से ही हम परमात्मा के अंदर विलीन होने की शक्ति को प्राप्त कर सकते हैं।

रात्रि में कवि सम्मेलन के आरंभ में गायक अरुणा ठाकुर और डॉ संगीता पांडेय ने भजन एवं पंडित रामनिवास पाराशर ने श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हरिराम सिखवाल के सुंदर ख्याल प्रस्तुत किये।

कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य ने स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थतियों तथा जीवन की विभिन्न समस्याओं पर अपने मार्मिक गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं का पाठ किया तथा भक्ति रस प्रदान कविताओं की अविरल धारा बहाकर श्रोताओं को आनंदित किया।

कविता पाठ करने वाले कवियों में रत्नकला मिश्र, गोविंद अक्षय, डी. प्रेमराज, ठाकुर दिनेश सिंह, आर दुर्गाराज पटून, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य आदि के नाम सम्मिलित हैं। कवि सम्मेलन में अतिथियों एवं कवियों का सम्मान किया गया।

कवि सम्मेलन के अध्यक्ष श्रुतिकांत भारती ने कहा कि श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कवियों ने श्री राम और श्री हनुमान जी की विशेषताओं पर सुंदर धार्मिक कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को आनंदित किया। मैं सभी को श्री जन्मोत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ। हमारी भारतीय संस्कृति बहुत गहरी है। अंत में संयोजिका व कवयित्री रत्नकला मिश्रा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी कवियों, बुद्धिजीवियों और कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी श्रोताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

गर्मी के मौसम में रेलवे किफायती मूल्य पर उपलब्ध करा रहा भोजन

दमरे 12 रेलवे स्टेशनों पर 23 काउंटरों पर कर रहा बिक्री

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रेल यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण, किफायती और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए, भारतीय रेलवे ने भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर इकोनॉमी मील्स की अवधारणा पेश की है। गर्मियों के दौरान यात्री यातायात में वृद्धि को देखते हुए रेल यात्रियों को विशेषकर जनरल कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों को किफायती कीमत पर दो प्रकार का भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यह भोजन काउंटर अब भारतीय रेलवे के 100 से अधिक स्टेशनों और कुल मिलाकर लगभग 150 काउंटरों पर कार्यरत हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे पर 12 स्टेशनों पर इकोनॉमी भोजन परोसा जा रहा है। यात्रियों को भोजन परोसने के लिए 23 काउंटर है। इन स्टेशनों में हैदराबाद, विजयवाड़ा, रेनिगुंटा, गुंतकल, तिरूपति, राजमुंदरी,

विकाराबाद, पकाला, धोने, नंदयाल, पूर्णा और औरंगाबाद रेलवे स्टेशन शामिल हैं। किफायती भोजन जेब के अनुकूल कीमत 20 रुपए में, ये भोजन यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए एक संतोषजनक और किफायती विकल्प प्रदान करता है। इसके अलावा हल्का नाश्ता चाहने वालों के लिए 50 रुपए का नाश्ता भोजन भी उपलब्ध है। आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, ये भोजन और पानी प्लेटफार्मों पर सामान्य द्वितीय श्रेणी (जीएस) कोचों के पास सुविधाजनक रूप से स्थित काउंटरों पर उपलब्ध कराया जाता है। यात्री सीधे इन काउंटरों से अपना नाश्ता खरीद सकते हैं, जिससे विक्रेताओं की तलाश करने या स्टेशन के बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे पहले, इस सेवा को पिछले साल भारतीय रेलवे में लगभग 51 स्टेशनों पर सफलतापूर्वक चलाया गया था। उस सफलता के आधार पर, रेलवे ने कार्यक्रम का काफी विस्तार किया है, अब 100 से अधिक स्टेशनों पर काउंटर चालू हो गए हैं और कुल मिलाकर लगभग 150 काउंटर हैं। निकट भविष्य में और अधिक स्टेशनों को शामिल करते हुए इस पहल को और आगे बढ़ाने की योजना है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि इकोनॉमी भोजन का प्रावधान मुख्य रूप से सामान्य यात्रियों के लिए उपयोगी होगा। एससीआर पर, इन्हें सात स्टेशनों पर उपलब्ध कराया जा रहा है, इन स्टेशनों पर काम कर रही आईआरसीटीसी की रसोई इकाइयों से किफायती भोजन परोसा जाएगा।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का एक और कैंप ध्वस्त

नारायणपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के ओरछा थाना क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के कैंप पर धावा बोलकर कैंप को ध्वस्त कर दिया।

जवानों के पहुंचने के पहले ही सारे नक्सली मौके से भाग निकले। पुलिस ने मौके से बम बनाने का सामान सहित अन्य विस्फोटक सामान बरामद किए हैं।

नारायणपुर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से इनपुट मिला था कि अबूझमाड़ के बड़ेरायनार के जंगल और पहाड़ में नक्सलियों की मौजूदगी है। इस सूचना पर जिला पुलिस बल, डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ की 16वीं बटालियन की संयुक्त टुकड़ी को मौके के लिए रवाना किया गया। तलाश करते हुए जवान इस इलाके के जंगल में पहुंचे। इधर जवानों को आता देख नक्सलियों के इन्फॉर्मर ने इसकी सूचना दे दी। जिसके बाद मौका रहते सारे नक्सली कैंप छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने घेराबंदी कर नक्सलियों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्हें इसमें नाकामी हाथ लगी। जवानों ने नक्सलियों के कैंप को ध्वस्त कर दिया। मौके से बम बनाने का सामान, प्रेशर कुकर, बैटरी, बिजली वायर, नक्सली बैनर-पोस्टर और दैनिक उपयोग का अन्य सामान बरामद किया गया है।

नेहा की तस्वीरें लीक करने में कर्नाटक सरकार का हाथ : प्रह्लाद जोशी

हुबली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री एवं कर्नाटक में धारवाड़ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को आरोप लगाया कि नेहा हिरेमथ के कथित हत्यारे के मोबाइल से तस्वीरें लीक करने के पीछे राज्य की कांग्रेस सरकार का हाथ है। श्री जोशी ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से सवालिया लहजे में कहा कि जब आरोपी जेल में था तो उसके मोबाइल से तस्वीरें किसने लीक की। उन्होंने कर्नाटक सरकार पर तस्वीरें लीक करने में शामिल होने का आरोप लगाया और मामले की जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

नेहा की हत्या के बाद हुबली में एक युवती पर हमले की घटना के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा, धर्मान्तरण से इनकार करने पर युवती के साथ मारपीट की गयी। हुबली क्षेत्र में हिंदू संगठन और समुदाय मजबूत हैं तथा यहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो अन्य जगहों पर क्या स्थिति है। महिलाओं की सुरक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव पर व्यापक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उन्होने कहा, तुष्टिकरण की राजनीति में शामिल लोगों को सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहिए।

अन्यथा हमारे लिए हिंदू धर्म और संस्कृति को अपने घरों में बनाए रखना मुश्किल होगा। गौरतलब है कि हुबली-धारवाड़ नगरपालिक निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की पुत्री नेहा की गत 18 अप्रैल को उसके कॉलेज सहपाठी फयाज कोंडिकोप्पा ने कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी थी। नेहा के परिवार ने लव जिहाद का आरोप लगाया है।

TIBCON CAPACITORS
It`s all about SAVING ENERGY AND MONEY

GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

कांस्टेबल 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुग्राम के दुर्गा शक्ति-2 पर तैनात कांस्टेबल को 20 हजार रुपए रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपी विकास ने शिकायतकर्ता की सेक्टर-33 स्थित फास्ट फूड की दुकान पर छापा न कराने के बदले में रिश्वत की मांग थी। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि आरोपी ने दुकान पर सीआईए गुरुग्राम की टीम द्वारा नशीले पदार्थ को लेकर छापा डालने से डराया था।

प्रवक्ता ने आमजन से अपील करते हुये कहा कि यदि कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी सरकारी काम करने की एवज में रिश्वत की मांग करता है तो तुरंत इसकी जानकारी एसीबी के टोल फ्री नंबर -1800-180-2022 तथा 1064 पर देना सुनिश्चित करें।

जनता मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को आतुर: शर्मा

पन्ना, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को कहा कि खजुराहो की जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को आतुर है। जनता के मूड को देखते हुए पहले कांग्रेस ने और फिर समाजवादी पार्टी ने मैदान छोड़ दिया। श्री शर्मा ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पन्ना में भगवान जुगल किशोर मंदिर में पूजन अर्चन कर रोड शो में शामिल होकर जनता का अभिवादन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न समाज के पदाधिकारियों, व्यापारियों और आमजन से संवाद किया। श्री शर्मा ने गांधी चौक में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष का कौन उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है, नजर ही नहीं आता। इस क्षेत्र में इंडी गठबंधन का कोई भी बड़ा नेता प्रचार के लिए नहीं आया।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि खजुराहो लोकसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें पिछले चुनाव में भी भारी मतों से जिताकर संसद भेजा था। आज कड़ी धूप में रोड शो के दौरान विशाल जनसमुदाय का जो आशीर्वाद मुझे मिला है, उसने मुझे अहसास करा दिया है कि यहां की जनता भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकास कार्यों से कितनी प्रभावित है। वे इसके लिए हमेशा यहां की जनता का आभारी रहेंगे।

श्री शर्मा ने रोड शो में कहा कि इस बार खजुराहो के हर बूथ पर कमल खिलेगा। इस कमल को स्वर्ण कमल बनाकर श्री मोदी को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हर गरीब का जीवन बदला है, देश की दशा और दिशा बदली है। श्री शर्मा ने भगवान जुगल किशोर मंदिर प्रांगण से रोड शो प्रारंभ कर बड़ा बाजार, गोविंद मंदिर चौराहा, कोतवाली चौराहा से कटरा मोहल्ला होते हुए गांधी चौक पर संपन्न हुआ। रोड शो के दौरान आमजन ने घरों से फूल बरसाए और माला पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों पर नाचते कार्यकर्ताओं और आम लोगों को जोश देखते ही बनता था। रोड शो के दौरान युवा, महिलाएं एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अबकी बार 400 पार के नारे से शहर गुंजायमान हो गया। रोड शो के दौरान पूर्व मंत्री व विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह, लोकसभा संयोजक सदानंद गौतम, जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्री शर्मा ने रोड शो के पहले कटनी जिले के विजयराघवगढ़ के कैमोर मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमें हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य दिया है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए आंदोलन किया और अपना बलिदान दिया। इसलिए हम सभी कार्यकताओं को हर बूथ पर 370 नये वोट बढ़ाकर डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। उन्होंने कहा कि आमजन ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से खजुराहो में हर बूथ पर कमल खिलेगा।

बंगाल में आग लगने से दवा एवं रासायनिक पदार्थ का गोदाम जलकर खाक

कोलकाता, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के औद्योगिक केंद्र दनकुनी में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से एक दवा एवं रासायनिक पदार्थ का गोदाम जलकर खाक हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आग आज तड़के करीब पांच बजे औद्योगिक परिसर में लगी, जिसमें टिन की छत वाला पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया। इलाके में चारों ओर काले धुंए का गुब्बार दिखाई दे रहा था। आग लगने की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग ने दमकल कर्मी सहित दस अग्निशमन वाहन मौके पर भेजे और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से अभी तक किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है।

सोलह वर्ष से फरार 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने अंतर्राज्यीय ट्रेक्टर चोर गिरोह के 25 हजार रूपए के इनामी सरगना को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि 16 वर्षों से फरार महेश पण्ड्या (44) निवासी भरना खुर्द थाना बरसाना, जिला मथुरा उत्तर प्रदेश को भरतपुर से पकड़ लिया है। आरोपी महेश पण्ड्या और अन्य के विरुद्ध साल 2008 में कोटा ग्रामीण जिले के थाना कोथून में चोरी के ट्रैक्टर के कूटरचित कागज तैयार कर खरीद-फरोख्त का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें घटना के वक्त से ही आरोपी फरार चल रहा था।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,852.94
+114.49 +0.16% ↑
एनएसई :22,402.40
34.40 (0.15%) ↑

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 40^0
न्यूनतम : 27^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,250/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 83,150/-
(प्रति किलोग्राम)

भारत सरकार की लोक शिकायत प्रणाली को राष्ट्रमंडल की सराहना

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत की केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) की दक्षता और उपयोगिता को राष्ट्रमंडल देशों के मंच पर सराहा गया है और कहा गया है कि भारत की प्रणाली विश्व की इस प्रकार की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं में एक है जिसका उपयोग अन्य देशों में भी किया जा सकता है। राष्ट्रमंडल सचिवालय ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा लंदन में 22-24 अप्रैल तक आयोजित तीसरी द्विवार्षिक सम्पूर्ण राष्ट्रकुल देशों केलोक सेवा प्रमुखों/सचिवों की बैठक में एक प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया था।

भारत की ओर से बैठक में बताया गया कि देश में केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के लिए अगले 2 वर्षों में 128 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे लोक शिकायत प्रणाली में उन्नत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म के साथ सीपीजीआरएएमएस वर्जन 8.0 को लागू किया जाएगा।

इस प्रणाली पर भारत की ओर से प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को प्रस्तुति दी। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रस्तुति को वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में राष्ट्रमंडल सदस्य देशों से सराहना मिली है। भारत की प्रस्तुति में नागरिकों और सरकार के बीच अंतर को पाटने, नागरिकों को सशक्त बनाने और पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में उपयुक्त प्रौद्योगिकी की क्षमता को मान्यता, शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के चरणबद्ध सुधार से शिकायत निवारण की समयसीमा में आई कमी और प्रति माह 1.5 लाख से अधिक शिकायतों का निवारण करने में सफलता और आन लाइन पोर्टल पर 1.02 लाख शिकायत अधिकारियों की मैपिंग तथा स्मार्ट शिकायत निगरानी डैशबोर्ड और ट्री डैशबोर्ड में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस/मशीन लर्निंग प्रथाओं के उपयोग आदि पर प्रस्तुति दी गयी। बयान के मुताबिक राष्ट्रमंडल की महासचिव, सुश्री पेट्रीसिया स्कॉटलैंड केसी ने कहा, सीपीजीआरएएमएस एक अत्याधुनिक शिकायत निवारण प्रणाली है और स्मार्ट सरकार का सर्वोत्तम अभ्यास है। राष्ट्रमंडल के शेष 1.2 अरब नागरिक प्रौद्योगिकी मंच को अपनाने से लाभ उठा सकते हैं इसी तरह भारत के 1.4 अरब नागरिक लाभान्वित हुए हैं। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'सेवा वितरण में सुधार के लिए स्मार्ट सरकार का संस्थागतकरण' था। बैठक में राष्ट्रमंडल के लगभग 50 सदस्य देशों ने भाग लिया।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती शशिकला जी अग्रवाल
धर्मपत्नी : संजयकुमार अग्रवाल
पुत्रवधु : हरिद्वार अग्रवाल
स्वर्गवास : मंगलवार, दि. 25.4.2023
छाया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो।
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो ।।
-: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :-
हरद्वार अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल (चाचा ससुर), रमाकान्त अग्रवाल, दुलीचंद अग्रवाल, रविन्दर अग्रवाल , राधेश्याम अग्रवाल , पवन अग्रवाल (जेठ), अनिल, मनोज, शंभु, निरज (देवर) अदेश, सदेश (भतीजे) एवं समस्त टिबाबसईवाले परिवार।
प्रभुदयालजी पंच परिवार टिबाबसईवाले
शालिबण्डा, हैदराबाद. फोन: 9032137191

Classifieds

CHANGE OF NAME

I, Gunjah Singh spouse of Army No.JC 734113F Sub (Hony Lt) Dharmendra Kumar Singh, R/o.Vill&Po:Bihari- Bigha, Teh:Barh, Dist:Patna, Bihar-803214 have changed my name from **GUNJAH SINGH** to **GUNJAN SINGH** vide Affidavit dt:24-4-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Army No.JC 733249Y Sub Kondababu Medasetti of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad ,Telangana hereby state that my mother name is to be changed from **ACHIYYAMMA** to **MEDASETTI ACHIYYAMMA.**

CHANGE OF NAME

I, LAXMI Spouse of Army No.14216354M Ex.Hav YELLA SIVA RAMULU, R/o. H.No.8-436, New No.1-327, Shanthi Nagar Colony, Balaji Nagar, Jawahar Nagar, Teh:Kapra, Medchal Malkajgiri Dist have changed my name from **LAXMI** to **YELLA LAXMI** vide Affidavit dt:24-4-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SATYA KALA D/o. Army No.7018531F Ex.Hav Late S MURUGESAN, R/o.Plot No.7A, 1st Floor, Srinagar Colony, Near P N B Bank, Lal Bazar branch, Tirumalagiri, Hyderabad Telangana have changed my name, DOB & Relationship from **SATYA KALA** to **SATHYAKALA MURUGESAN**, DOB from **20-06-1956** to **15-5-1956** and relationship from **SON** to **DAUGHTER** vide affidavit dt:20-4-2024.

CHANGE OF NAME

I, Jiben akhil, is legally spouse of No-17017200L, Rank-CFN, Name - Akhil Kurian, residing at House Name - Murikkumthara, Vill-Vechoor & PO - Kudavechoor, Tehsil - Vaikom, Dist- Kottayam, Kerala, Pin-686144. I have changed my Name from - **JIBEN AKHIL** to **JIBEN JOSEPH** for all purpose vide affidavit dated:24/04/2024.

CHANGE OF NAME

I, SHAMALA KUMARI Daughter of Army No.7018531F Ex.Hav Late S.MURUGESAN, R/o.Plot No 7A, 1st Floor, Srinagar Colony, Tirumalagiri, Secunderabad,Telangana have changed my name from **SHAMALA KUMARI** to **SHYAMALA MURUGESAN** vide affidavit dt:23-4-2024.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No JC-780411W Rank-Nb Sub, Name- Satheesh Kumar Reddy K presently residing at H.No-20-46/1/55,Pannalla Enclave, Peerzadiguda, Distt-Medchal- Malkajgiri, State-Telangana, PIN-500098 have changed my Father name from SHEKHAR REDDY to KUKUNURU SHEKAR REDDY and date of birth from 01/07/1955 to 15/08/1958 add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 24/04/2024.In future, I will be known by KUKUNURU SHEKAR REDDY DOB-15/08/1958.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No JC-780411W Rank-Nb Sub, Name- Satheesh Kumar Reddy K presently residing at H.No-20-46/1/55,Pannalla Enclave, Peerzadiguda, Distt-Medchal- Malkajgiri, State-Telangana, PIN-500098 have changed my mother name from ANITHA to ANITHA KUKUNURU and date of birth from 01/07/1961 to 25/03/1963 add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 24/04/2024.In future, I will be known by ANITHA KUKUNURU DOB-25/03/1963.

कर्नाटक के चिक्कोडी लोस सीट पर कांग्रेस का समर्थन करेगी शिवसेना (यूबीटी)

चिक्कोडी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्नाटक के चिक्कोडी संसदीय सीट पर सात मई को मतदान होने वाला है और इसकी तिथि नजदीक आने के साथ ही सियासी लड़ाई और तेज होती जा रही है। सत्तारुढ़ कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों ही मतदाताओं को लुभाने के लिए हर सभव प्रयास कर रही हैं। इसी कड़ी में शिवसेना (यूबीटी) ने मंगलवार को कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका जारकीहोली को अपना समर्थन देने की घोषणा की। इस निर्वाचन क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं और महाराष्ट्र की सीमा से लगे हुए है तथा मराठी मतदाताओं की आबादी काफी है।

शिवसेना
उद्धव बाळासाहेब ठाकरे

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शिवसेना के समर्थन से पलड़ा कांग्रेस के पक्ष में झुक सकता है, क्योंकि मराठी वोटों का बड़ा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। इस समर्थन को सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस नेता विवेक जत्ती और मंजूर समशेर ने चिक्कोडी के पास कुरुंदवाड में शिवसेना (यूबीटी) नेता वैभव उंगले से मुलाकात की थी।

श्री उंगले ने चिक्कोडी में कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की और सुश्री प्रियंका के अभियान को मजबूत करने के लिए आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की सीमा से लगे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रचार करने का वादा किया। उल्लेखनीय है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ मौजूदा सांसद अन्नासाहेब जोले की जीत दर्ज की थी और उनकी जीत में मराठी मतदाताओं ने अहम भूमिका निभायी थी।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री ओमप्रकाश जी व्यास
(सुपुत्र स्व. श्री बंसीलाल जी व्यास)
स्वर्गवास : दि. 21 अप्रैल, 2023
गीठी मधुर स्मृतियां आपकी, कभी नहीं मिट पाएंगी
आपका व्यवहार आपकी बातें, सदैव हमें याद आएंगी
महिला भजन कार्यक्रम
आज, गुरुवार, दि. 25 अप्रैल, 2024. समय : 3.00 बजे से
स्थान : श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना, हैदराबाद
सायं 5.00 बजे से
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
रामेश्वरलाल, भगवानलाल, भगवान, चान्दमल, राजेश, गिरीराज (मिट्ठु) (भाई), अशोक कुमार, लक्ष्मीनारायण, कमल किशोर, गिरीराज, धर्मेन्द्र (पुत्र) सागर, प्रशांत, यश, हरिवंश, उद्धव, गोपाल, उत्कर्ष (पौत्र) एवं समस्त मंडोरिया व्यास परिवार निमबेड़ा
फर्म : रामेश्वरलाल विष्णुगोपाल
बेगमबाजार, कोलसावाड़ी, हैदराबाद
राम धरम सीट कवर, रामकोट, हैदराबाद
कनिष्का फैशन, फीलखाना, बेगम बाजार, हैदराबाद
फोन : 9246338907, 8885558300

विश्वस्तर पर फैली है मोदी की गारंटी : जयशंकर

हैदराबाद 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दावा किया है कि मोदी की गारंटी भारत की सीमाओं से परे है और इसका वैश्विक स्तर पर महत्व है। डॉ जयशंकर मंगलवार की शाम यहां फोरम फॉर नेशनलिस्ट थिंकर्स, हैदराबाद चैप्टर की ओर से आयोजित भारत की विदेश नीति : संदेह से विश्वास तक' विषय पर एक वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर भगवान हनुमान की तुलना एक कूटनीतिक आदर्श के रूप में की तथा अपने नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए विदेश नीति निर्णयों में राष्ट्रीय हित को सबसे आगे रखने के महत्व को रेखांकित

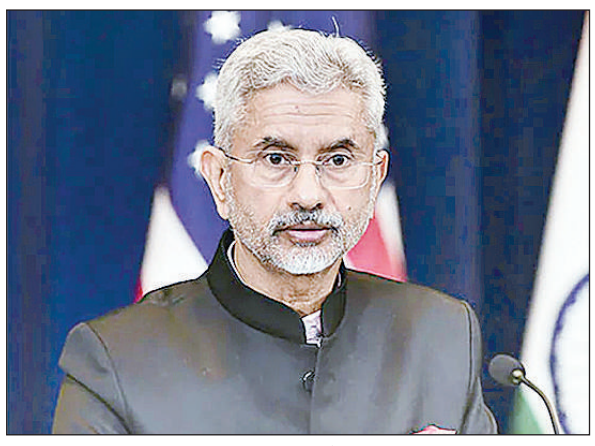

किया।

वैश्विक मामलों में डॉ. जयशंकर ने उन उदाहरणों का उल्लेख किया जहां भारत ने संकट के समय देशों को समर्थन दिया, जिसमें प्रशांत और कैरेबियाई क्षेत्र भी शामिल थे।

उन्होंने चुनौतियों का सामना कर रहे देशों के साथ समावेशिता और एकजुटता की वकालत करते हुए भारत की विदेश नीति के नैतिक आयाम पर जोर दिया तथा ऐतिहासिक चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में चीन को दीर्घकालिक चिंता के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने रणनीतिक स्पष्टता की आवश्यकता के साथ ही राजनयिक व्यस्तताओं में राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. जयशंकर ने वैश्विक समुदाय के साथ जुड़ते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा की अनिवार्यता पर बल देते हुए विदेश नीति में भारत पहले दृष्टिकोण की वकालत की। उन्होंने सरदार पटेल जैसे नेताओं के व्यावहारिक रुख को ध्यान में रखते हुए, कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत की भागीदारी पर चर्चा की। उन्होंने बाहरी निर्णयों के अनुचित प्रभाव के बिना राष्ट्रीय हितों की रक्षा के महत्व पर जोर दिया। अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण पर उन्होंने कहा कि भारत ने 1947 की एक ऐतिहासिक गलती को सुधार लिया है।

विदेश मंत्री ने विशेष रूप से कश्मीर और पाकिस्तान के संबंध में अंतरराष्ट्रीय दबावों पर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता, राष्ट्रीय विकास और आर्थिक वृद्धि के लिए मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। डॉ. जयशंकर ने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल में आत्म-विश्वास की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि ये सिर्फ आर्थिक रणनीतियां नहीं हैं बल्कि आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति हैं।

कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं और केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी किशन रेड्डी, लोकसत्ता के संस्थापक सदस्य डॉ. जयप्रकाश नारायण, पूर्व एमएलसी एन रामचंदर राव और अन्य गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं।

चुनाव अभियान को धार देने के लिए केसीआर की 17 दिवसीय बस यात्रा प्रारंभ

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव अगले महीने होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान को तेज करने के लिए बुधवार को तेलंगाना में बस यात्रा पर निकले। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां बीआरएस मुख्यालय में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद अपनी 17 दिवसीय बस यात्रा की शुरुआत की। इसके बाद वह शीर्ष बीआरएस नेताओं के साथ बस से मिर्यालगुडा के लिए रवाना हुए।

बस यात्रा एलबी नगर से होकर गुजरी।

केसीआर नलगोंडा जिले में कुछ स्थानों पर बस से उतरे और किसानों से मिले, जिन्होंने उन्हें उनके सामने आने वाली समस्याओं के बारे में बताया। 10 मई तक चलने वाली बस यात्रा के दौरान केसीआर राज्य के 17 लोकसभा क्षेत्रों में से 12 के 40 शहरों में बैठकों को संबोधित करेंगे। दिन के दौरान, बीआरएस प्रमुख कृषि क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे और पानी और बिजली आपूर्ति की कथित कमी और बेमौसम बारिश के कारण किसानों की समस्याओं के बारे में जानने के लिए किसानों से बातचीत करेंगे। शाम को वह सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करेंगे। चार महीने पहले कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने वाले केसीआर पहले ही करीमनगर, मेडक और चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्रों में सार्वजनिक बैठकों को संबोधित कर चुके हैं। हैदराबाद, सिकंदराबाद, चेवेल्ला, मल्काजगिरी और आदिलाबाद को छोड़कर, बस यात्रा राज्य की अन्य सभी लोकसभा सीटों को कवर करेगी। बस यात्रा की सफलता के लिए बीआरएस ने बड़े पैमाने पर इंतजाम किये हैं। राज्य में चल रही गर्मी को देखते हुए पार्टी कुछ सावधानियां बरत रही है। जहां भी आवश्यक हुआ, छोटी बसों की व्यवस्था की गई है। नेताओं को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में यात्रा की सफलता के लिए जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। यात्रा के दौरान केसीआर के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं, पार्टी ने बाउंसरों सहित निजी सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया है। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने के बाद, बीआरएस को पांच मौजूदा सांसदों, तीन विधायकों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के कांग्रेस या भाजपा में शामिल होने से कई झटके मिले हैं। विधानसभा चुनावों में, बीआरएस ने 119 सदस्यीय सदन में 39 सीटें हासिल कीं।

तेलंगाना में 62 प्रतिशत छात्र इंटरमीडिएट परीक्षा में हुए उत्तीर्ण

लड़कियों ने इस वर्ष भी मारी बाजी, लड़कों को छोड़ा पीछा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएसबीआईई) ने बुधवार को इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। लगभग 62 प्रतिशत छात्र इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षा 2024 में उत्तीर्ण हुए। प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष (कक्षा 11 और 12) की परीक्षा में बैठने वाले 9.81 लाख छात्रों में से 6.09 लाख छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। शिक्षा के प्रमुख सचिव बुर्रा वेंकटेशम ने राज्य भर के 1,512 केंद्रों पर फरवरी-मार्च में आयोजित परीक्षा के परिणाम घोषित किए।

प्रथम वर्ष में कुल 60.01 प्रतिशत और दूसरे वर्ष में 64.19 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें नियमित और निजी दोनों प्रकार के छात्र और सामान्य

और व्यावसायिक दोनों पाठ्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह लड़कियां उत्तीर्ण प्रतिशत के मामले में शीर्ष पर रहीं। पहले वर्ष में 68.35 प्रतिशत लड़कियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 51.50 था। इसी तरह दूसरे वर्ष में, 72.53 प्रतिशत लड़कियों और 56.01 प्रतिशत लड़कों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। कुल 1,86,025 छात्र ए ग्रेड (75 प्रतिशत या अधिक अंक) के साथ उत्तीर्ण हुए, जबकि 68,985 छात्र बी ग्रेड (60 प्रतिशत से अधिक या उसके बराबर और 75 प्रतिशत से कम) के साथ उत्तीर्ण हुए। सी ग्रेड (50 प्रतिशत से अधिक या उसके बराबर और 60 प्रतिशत से कम अंक) में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की संख्या 23,968 है, जबकि 8,283 डी ग्रेड (35 प्रतिशत से अधिक या उसके बराबर और 50 प्रतिशत से कम अंक) में उत्तीर्ण हुए हैं। समूहों के संदर्भ में, एमपीसी (गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान) का पहले वर्ष में उत्तीर्ण प्रतिशत 68.52 और दूसरे वर्ष में 73.85 था। बीपीसी (जीवविज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान) में, पहले वर्ष का उत्तीर्ण प्रतिशत 67.34 और दूसरे वर्ष का उत्तीर्ण प्रतिशत 67.52 रहा।35 जिलों में, रंगारेड्डी प्रथम वर्ष (सामान्य) में 71.7 प्रतिशत उत्तीर्ण परिणाम के साथ शीर्ष पर रहा। कामारेड्डी 34.81 प्रतिशत परिणाम के साथ अंतिम स्थान पर रहे। दूसरे वर्ष के लिए, मुलुगु जिला 82.95 प्रतिशत छात्रों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करने के साथ पहले स्थान पर रहा। कामारेड्डी 44.29 प्रतिशत के साथ अंतिम स्थान पर रहे। उन्नत पूरक परीक्षाएं 24 मई से आयोजित की जाएंगी। छात्र अपने संबंधित कॉलेजों में 25 अप्रैल से 2 मई तक परीक्षा शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

तेलंगाना के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां हुईं शुरू

12 जून से प्रारंभ होगा नया शैक्षणिक सत्र

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बढ़ते पारे के बीच राहत देते हुए पूरे तेलंगाना में स्कूली छात्रों को 24 अप्रैल से 11 जून तक गर्मी की छुट्टियां दी गई हैं। स्कूल अधिकारियों ने सभी संस्थानों को छह सप्ताह से अधिक समय तक बंद रखने की घोषणा की है। इस अवधि के दौरान किसी भी कक्षा की अनुमति नहीं है और उल्लंघन करने वालों को सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग ने हैदराबाद और अन्य जिलों में गर्मी की छुट्टियों के आदेश जारी किए। मंगलवार को 2023-24 शैक्षणिक वर्ष का आखिरी कार्य दिवस था। स्कूलों ने छुट्टियां बंद होने से पहले योगात्मक मूल्यांकन-2 के परिणाम जारी किए। लंबी गर्मी की छुट्टियां छात्रों को शिक्षा से छुट्टी लेने की अनुमति देती हैं। इस दौरान वे आराम कर सकते हैं, शौक पूरा कर सकते हैं और मनोरंजक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। शिक्षकों को भी अगले स्कूल वर्ष से पहले खुद को आराम देने का मौका भी मिलता है।

तेलंगाना गर्म मौसम से राहत प्रदान करने के लिए हर साल गर्मी की छुट्टियां अनिवार्य करता है। प्रबंधन की परवाह किए बिना, सरकार सभी स्कूलों के लिए एक समान तारीखें निर्धारित करती है। इस वर्ष का अवकाश 24 अप्रैल से शुरू होकर 11 जून को समाप्त होगा। पूरे तेलंगाना में 12 जून को स्कूल फिर से खुलने पर छात्रों और शिक्षकों को वापस लौटना होगा। लंबी गर्मी की छुट्टियों के बाद नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा।

यदि कोई संस्थान अवकाश कार्यक्रम का उल्लंघन करता है तो अधिकारियों ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

तेलंगाना में चुनाव पूर्व जब्ती 155 करोड़ रुपए के पार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अगले महीने होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले तेलंगाना में अब तक 155.85 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती धातुएं, शराब और अन्य मुफ्त चीजें जब्त की गई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 21 अप्रैल को समाप्त हुए पिछले सप्ताह के दौरान, प्रवर्तन एजेंसियों ने 29.72 करोड़ रुपए की नकदी, शराब और मुफ्त चीजें जब्त कीं। फ्लाइंग स्क्वॉड/स्टैटिक निगरानी टीमों/पुलिस और आयकर विभाग ने सप्ताह के दौरान 10.42 करोड़ रुपए नकद जब्त किए, जिससे संचयी नकद जब्ती 61.11 करोड़ रुपए हो गई।एफएस/एसएसटी/पुलिस और राज्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग ने 8.14 करोड़ रुपए मूल्य की 2.48 लाख लीटर

शराब जब्त की। इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से शराब की कुल जब्ती 28.92 करोड़ रुपए हो गयी है। इस सप्ताह में 1.05 करोड़ रुपए मूल्य के नशीले पदार्थों की जब्ती भी देखी गई, जिससे कुल जब्ती 23.87 करोड़ रुपए हो गई। प्रवर्तन एजेंसियों ने सप्ताह के दौरान 5.87 करोड़ रुपए मूल्य के सोना, चांदी और आभूषण जैसी कीमती धातुएं भी जब्त कीं, जिससे अब तक कुल जब्ती 19.16 करोड़ रुपए हो गई है। उन्होंने 4.21 करोड़ रुपए मूल्य के लैपटॉप, कुकर, साड़ी आदि जैसी मुफ्त वस्तुएं भी जब्त कीं। इसके साथ ही मुफ्त वस्तुओं की कुल जब्ती 22.77 करोड़ रुपए हो गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.